RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
बोकारो, गुरुवार
30.7.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 278
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

पेपर लीक रोकथाम के लिए कानून को सख्त बनाने वाला विधेयक लोकसभा से पारित

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में पेपर लीक से जुड़े मामलों में मौजूदा कानून को अधिक कठोर किए जाने वाला संशोधन विधेयक शोर-शराबे के बीच बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह ने कहा कि उन्हें आशा थी कि सकारात्मक सुझाव प्राप्त होंगे लेकिन इस विषय पर राजनीति करने का प्रयास किया गया। डॉ. सिंह ने लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक-2026 पर कल से शुरु हुई चर्चा पर आज जवाब दिया। विधेयक के पारित होने के बाद लोकसभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई।

डॉ सिंह ने बताया कि सदन में इस विधेयक पर अनेक सदस्यों ने अपने सुझाव दिए। लगभग 40 से 45 वक्ताओं ने चर्चा में भाग लिया और विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। हालांकि उन्हें नेता प्रतिपक्ष के व्यवहार पर हैरानी हुई। उन्होंने कहा, "हमें नेता प्रतिपक्ष के व्यवहार पर हैरानी है। उन्होंने जिन अपशब्दों का इस्तेमाल किया, वे न केवल संसदीय मर्यादा के विरुद्ध हैं, बल्कि सदन की गरिमा और लोकतांत्रिक परंपराओं के भी प्रतिकूल हैं।" उन्होंने कहा कि जनवरी 2024 में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम लागू किया गया था। हालांकि हाल की घटनाओं के बाद सरकार ने विशेषज्ञों की सलाह और अनुभव के आधार पर इसे और अधिक प्रभावी बनाने का निर्णय लिया। पहले भी यह अपराध संज्ञेय, गैर-जमानती और गैर-समझौतायोग्य था, लेकिन अब इसके प्रावधान और सख्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि कदाचार में शामिल व्यक्तियों के लिए सजा तीन से पांच वर्ष के स्थान पर पांच से दस वर्ष कर दी गई है तथा जुर्माना बढ़ाकर 50 लाख रुपये तक किया गया है। सेवा प्रदाताओं पर अधिकतम जुर्माना एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये कर दिया गया है और उन्हें आठ वर्षों तक परीक्षा संचालन से वंचित किया जा सकेगा। निदेशकों और प्रबंधन से जुड़े दोषियों के लिए भी सजा और जुर्माने में वृद्धि की गई है। संगठित अपराध के मामलों में न्यूनतम सजा बढ़ाकर सात वर्ष कर दी गई है तथा जुर्माना बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये तक करने का प्रावधान किया गया है।

डॉ. जितेंद्र सिंह, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री

उन्होंने कहा कि यह कहना गलत है कि 2024 में कानून बनने के बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई। पिछले दो वर्षों में इस कानून के तहत 52 एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें 29 मामले अनुचित साधनों की रोकथाम से जुड़े हैं, जबकि 23 मामले भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न प्रावधानों के अंतर्गत दर्ज किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में सामने आए पेपर लीक मामले की सूचना 7 और 8 जुलाई की रात को मिली। 12 जुलाई को जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई। अगले ही दिन 13 लोगों को हिरासत में लिया गया और लगभग 92 स्थानों पर छापेमारी की गई। सरकार के अनुसार, सीबीआई ने शीघ्रता से जांच पूरी कर आरोपपत्र दाखिल किया और नए कानून के तहत मुकदमे की सुनवाई भी शुरू हो गई, जिससे लगभग पांच महीने के भीतर निर्णय आने की व्यवस्था है। अपनी सरकार में शिक्षा के क्षेत्र की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालयों की संख्या 760 से बढ़कर 1,293 हो गई है। उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या 51,534 से बढ़कर 64,896 तक पहुंची है। इसी अवधि में आदिवासी विद्यार्थियों के लिए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का विस्तार किया गया तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू की गई। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। एम्स की संख्या 7 से बढ़ाकर 22 कर दी गई है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 844 हो गई है। एमबीबीएस सीटें लगभग 51,300 से बढ़कर 1.39 लाख तक पहुंच गई हैं, जबकि स्नातकोत्तर चिकित्सा सीटों में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। सरकार का कहना है कि इन कदमों से देश में डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आत्महत्या संवेदनशील विषय है और इनके आंकड़ों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। हाल के वर्षों में पेपर लीक से जुड़े कारणों से होने वाली आत्महत्या की घटनाओं में कमी आई है। सरकार ने विश्वास व्यक्त किया कि नए और अधिक कठोर कानून से सार्वजनिक परीक्षाओं की पारदर्शिता बढ़ेगी तथा विद्यार्थियों का विश्वास मजबूत होगा।

भारत बाघ संरक्षण में दुनिया का नंबर-1, देश में 3,682 बाघ

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि भारत ने बाघ संरक्षण के क्षेत्र में अपनी वैश्विक नेतृत्व की स्थिति को और मजबूत किया है। देश में अब दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत बाघ मौजूद हैं। ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत में बाघों की संख्या 3,682 तक पहुंच गई है, जो देश के 58 टाइगर रिजर्व में फैले हुए हैं। यादव ने अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के मौके पर बुधवार को एक्स पोस्ट में कहा कि बाघों की बढ़ती संख्या भारत के जंगलों की बेहतर स्थिति और वन्यजीव संरक्षण के प्रति लगातार किए जा रहे प्रयासों का प्रमाण है।

यह उपलब्धि दर्शाती है कि देश में संरक्षण संबंधी नीतियां और पहल प्रभावी रही हैं। उन्होंने कहा कि बाघों और उनके प्राकृतिक आवास की सुरक्षा के लिए उसकी प्रतिबद्धता आगे भी जारी रहेगी। जंगलों से जुड़े स्थानीय समुदायों की आजीविका को सशक्त बनाने और उनके हितों की रक्षा के लिए भी निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को दी अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस दी शुभकामनाएं

एजेंसी, नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर देशवासियों और वन्यजीव प्रेमियों को शुभकामनाएं देते हुए बाघ संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने कहा कि भारत को इस बात पर गर्व है कि दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत बाघ हमारे देश में निवास करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा कि भारत में बाघ संरक्षण के प्रयास प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने की हमारी सदियों पुरानी संस्कृति और जनभागीदारी की भावना से प्रेरित हैं। विज्ञान आधारित संरक्षण, सामुदायिक सहभागिता और सतत विकास के माध्यम से देश बाघ संरक्षण को और अधिक मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने बाघ संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले वन कर्मियों, वैज्ञानिकों और संरक्षणवादियों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों से भारत ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयासों से भारत जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करता रहेगा।

लोकसभा में पेश हुआ जन्म-मृत्यु पंजीकरण संशोधन विधेयक, रिकॉर्ड होंगे डिजिटल, देरी पर सख्त नियम

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में बुधवार को जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया गया। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विपक्ष के हंगामे के बीच यह बिल सदन में रखा। इस विधेयक का उद्देश्य देशभर में जन्म और मृत्यु के रिकॉर्ड को डिजिटल करना और फर्जी दस्तावेजों पर रोक लगाना है। नए प्रावधानों के तहत जन्म और मृत्यु के पंजीकरण में देरी पर सख्त नियम लागू होंगे। यदि रजिस्ट्रेशन कराने में एक से दो साल की देरी होती है तो जिला मजिस्ट्रेट, उप-मंडल मजिस्ट्रेट या कार्यकारी मजिस्ट्रेट की लिखित मंजूरी अनिवार्य होगी। वहीं, दो साल से अधिक की देरी होने पर मामला सीधे अदालत जाएगा और प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद ही प्रमाण पत्र जारी किया जा सकेगा। इस कानून के तहत अब पूरे देश के जन्म और मृत्यु के रिकॉर्ड को एक केंद्रीय डिजिटल डेटाबेस से जोड़ा जाएगा। इससे देश के किसी भी हिस्से में होने वाले जन्म या मृत्यु की जानकारी एक ही जगह ऑनलाइन उपलब्ध होगी। इस डेटाबेस को मतदाता सूची, राशन कार्ड, पासपोर्ट और अन्य राष्ट्रीय पहचान पत्रों से भी जोड़ा जाएगा। कोई नागरिक 18 वर्ष का होगा, उसका नाम स्वतः मतदाता सूची में जुड़ जाएगा। वहीं, किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर सरकारी रिकॉर्ड से उसका नाम आसानी से हटाया जा सकेगा। इससे सरकारी योजनाओं में होने वाली गड़बड़ियों और फर्जी लाभ उठाने की घटनाओं पर रोक लगेगी। नए कानून के लागू होने के बाद जन्म प्रमाण पत्र सबसे मुख्य दस्तावेज बन जाएगा। अब तक स्कूल में प्रवेश, ड्राइविंग लाइसेंस या सरकारी नौकरियों में आवेदन के लिए अलग-अलग दस्तावेजों का इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन इस बिल के पास होने के बाद जन्म प्रमाण पत्र ही उम्र और पहचान का एकमात्र आधिकारिक दस्तावेज माना जाएगा।

गुजरातः मांजलपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदान कल, सभी तैयारियां पूरी

एजेंसी, वडोदरा

गुजरात के वडोदरा जिले की मांजलपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए चुनाव प्रचार मंगलवार शाम थम चुका है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक योगेश पटेल के निधन से रिक्त हुई इस सीट पर गुरुवार (30 जुलाई) को मतदान होगा, जबकि मतगणना तीन अगस्त को होगी। इस चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों के बीच सीधा मुकाबला है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर के नेतृत्व में मतदान की सभी प्रशासनिक, सुरक्षा और तकनीकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। निर्वाचन क्षेत्र के 2,19,494 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 1,11,645 पुरुष, 1,07,847 महिला तथा दो तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं। निर्वाचन आयोग ने 62 स्थानों पर 260 मतदान केंद्र बनाए हैं। सभी मतदान केंद्रों पर रैंप, पेयजल, बिजली और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। सभी मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों और लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है। मतदाता सुविधा के लिए केंद्रों के बाहर मोबाइल फोन जमा करने की व्यवस्था भी रहेगी। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार, 22 और 23 जुलाई को आयोजित होम वोटिंग सुविधा के तहत 107 मतदाताओं ने मतदान किया, जिनमें 90 वरिष्ठ नागरिक शामिल हैं। चुनाव प्रक्रिया की निगरानी के लिए नौ फ्लाइंग स्क्वॉड, तीन निगरानी टीमें, दो वीडियो सर्विलांस टीमें तैनात की गई हैं। इस बीच मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मतदाताओं से भाजपा उम्मीदवार सतीश पटेल के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ जनकल्याण के कार्य कर रही है।

जापान के कुमामोटो में भूकंप से 13 लोगों की मौत

- शॉपिंग सेंटर में हुए धमाके में दो महिलाओं की गई जान

एजेंसी, टोक्यो (जापान)

देश की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने बुधवार सुबह कहा कि भूकंप प्रभावित दक्षिण-पश्चिमी मुख्य द्वीप क्यूशू के कुमामोटो इलाके में कम से कम 13 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। यह इलाका एक दिन पहले आए शक्तिशाली भूकंप से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, मरने वालों की संख्या का आंकड़ा बढ़ सकता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.1 रिकार्ड की गई। कई लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। बचावकर्मी लोगों की तलाश कर रहे हैं। द जापान टाइम्स और जापान टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री ताकाइची ने कहा, "जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, उनके प्रति मैं गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं।" उन्होंने कहा कि सरकार ज्यादा से ज्यादा लोगों को बचाने और सुरक्षित निकालने के लिए हर संभव संसाधन जुटाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि मंगलवार शाम 4:27 बजे आए शक्तिशाली भूकंप के बाद एक शॉपिंग सेंटर (आयन मॉल) में हुए धमाके में दो महिलाओं की मौत हो गई। एक महिला बेसुध अवस्था में मिली है। अधिकारियों के अनुसार, धमाके का कारण गैस रिसाव माना जा रहा है। बताया गया है कि यात्सुशिरो शहर में निप्पॉन पेपर इंडस्ट्रीज की मिल में भूकंप के कारण एक चिमनी गिर गई। इस दौरान 11 लोग लापता हो गए। हादसे में दो लोगों के मारे जाने की आशंका है, जबकि बाकी नौ लोगों की हालत के बारे में तुरंत कोई जानकारी नहीं मिल पाई। भूकंप के बाद बुधवार को भी कई तेज झटके (आफ्टरशॉक्स) महसूस किए गए। अधिकारियों ने लोगों से बड़े भूकंपों के प्रति सतर्क रहने की अपील की है। प्रधानमंत्री ताकाइची ने इमरजेंसी डिजास्टर टास्क फोर्स बनाने की घोषणा की है। अधिकारियों के अनुसार, बुधवार सुबह तक कुमामोटो और नागासाकी इलाकों में 2,61,500 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों (इवैक्यूएशन सेंटर) पर जाने के निर्देश दिए गए।

लोकसभा में राहुल गांधी के भाषण पर दो बार हंगामा, अमित शाह पर आरोप से सत्ता पक्ष भड़का

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषण पर दो बार हंगामा हुआ। पहली बार तब जब उन्होंने 'इडियट' और 'अंधभक्त' शब्द का इस्तेमाल किया और दूसरी बार तब जब उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर छात्रों पर पैलेट गन इस्तेमाल करने की अनुमति देने का आरोप लगाया। दोनों ही मौकों पर सत्ता पक्ष ने कड़ा विरोध जताया और सदन में शोर-शराबा हुआ। राहुल गांधी ने अपने भाषण की शुरुआत कुछ छात्राओं के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए की। उन्होंने कहा कि यह बातचीत एक दिलचस्प नजरिया देती है। एक युवा लड़की ने उनसे कहा कि विद्यार्थी वह होता है जिसका मन और दिल खुला हो। उसने कहा कि दुनिया में ऐसे लोग भी होते हैं जिन्हें लगता है कि वे सब कुछ जानते हैं, वे खुद को भगवान मानते हैं और दूसरों की सच्चाई का सम्मान नहीं करते। जब उन्होंने पूछा कि ऐसे लोगों को वह क्या कहती है तो लड़की ने जवाब दिया "मैं उन्हें इडियट कहती हूं।" इस बयान पर सत्ता पक्ष ने जोरदार हंगामा किया और संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने इसे असंसदीय बताते हुए कार्यवाही से हटाने की मांग की।

रेल सुरक्षा में बड़ा सुधार, चालू वित्त वर्ष में अब तक केवल दो बड़ी रेल दुर्घटनाएं; 2,569 रूट किलोमीटर पर लागू हुआ कवच 4.0

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने कहा है कि सुरक्षा उपायों, आधुनिक प्रौद्योगिकी, बेहतर बुनियादी ढांचे और उन्नत रखरखाव व्यवस्था के कारण रेल दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2026-27 में जून तक केवल दो गंभीर रेल दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं, जबकि 2014-15 में इनकी संख्या 135 थी। इसी अवधि में दुर्घटना सूचकांक भी घटकर 0.01 रह गया है। रेलवे ने दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा जैसे व्यस्त रेल मार्गों पर स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच 4.0 को 2,569 रूट किलोमीटर पर सफलतापूर्वक लागू कर दिया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि वर्ष 2025-26 में कांसिक्वेंशल रेल दुर्घटनाओं की संख्या घटकर 16 रह गई, जो 2014-15 की तुलना में 88 प्रतिशत कम है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में जून तक केवल दो ऐसी दुर्घटनाएं हुई हैं। दुर्घटना सूचकांक भी 2014-15 के 0.11 से घटकर 2025-26 में 0.01 रह गया, जो 91 प्रतिशत की कमी दर्शाता है। उन्होंने बताया कि रेलवे में सुरक्षा संबंधी व्यय लगातार बढ़ाया गया है। वर्ष 2013-14 में यह 39,200 करोड़ रुपये था, जो 2026-27 के बजट में बढ़कर 1.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। रेलवे ने 6,671 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग और पूर्ण ट्रैक सर्किटिंग, 10,395 लेवल क्रॉसिंग पर इंटरलॉकिंग, आधुनिक रेल पटरियों, लंबी रेल पैनलों, अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन, ट्रैक रिकॉर्डिंग प्रणाली तथा अन्य तकनीकों को अपनाकर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया है। रेल मंत्री ने कहा कि जनवरी 2019 तक ब्रॉड गेज नेटवर्क से सभी मानव रहित रेलवे फाटकों को समाप्त कर दिया गया है। इसके अलावा एलएचबी कोचों का निर्माण, रेलवे पुलों का नियमित निरीक्षण, अग्नि सुरक्षा प्रणाली, आधुनिक सिग्नलिंग, ट्रैक मशीनों के उपयोग और कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण जैसे कदम भी सुरक्षा बढ़ाने में सहायक रहे हैं। उन्होंने बताया कि कवच भारत में विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है, जो लोको पायलट द्वारा निर्धारित गति सीमा का पालन नहीं करने पर स्वतः ब्रेक लगाकर दुर्घटनाओं की संभावना कम करती है।

अमेरिकी और सऊदी सेना के हमले में कम से कम 20 इराकी लड़ाके मारे गए

एजेंसी, बगदाद

अमेरिका और सऊदी अरब की सेना ने इराक में पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज (पीएमएफ) पर हमला किया है। इस हमले में पीएमएफ के 20 लड़ाके मारे गए हैं। इस फोर्सेज को ईरान का समर्थन प्राप्त है। यह एकीकृत सैन्य कार्रवाई पिछले 30 दिनों में सऊदी अरब की तेल सुविधाओं पर हुए ड्रोन हमलों के जवाब में की गई है। अमेरिका ने यह भी दावा किया है कि एकीकृत सैन्य कार्रवाई से पहले ईरान ने जॉर्डन में उसके एक बेस पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, पीएमएफ ने बयान में स्वीकार किया है कि यह हमले सात प्रांतों में किए गए। अमेरिकी-सऊदी सेना के संयुक्त हमलों में उसके कम से कम 20 लड़ाके मारे गए और 32 अन्य घायल हो गए। पीएमएफ ने कहा कि हताहतों की यह संख्या शुरुआती है। इसमें बढ़ोतरी हो सकती है। शुरुआती खबरों में दावा किया गया था कि हमले के बाद इराक के उत्तरी निनवेह प्रांत और दक्षिणी बसरा प्रांत में कई स्थानों में आग लग गई। पीएमएफ ने सुबह स्वीकार किया था कि निनवेह में कम से कम आठ लोग मारे गए हैं। पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज इराक का आधिकारिक सरकारी सुरक्षा बल है।

इसकी स्थापना 15 जून 2014 को ईरान समर्थित शिया मिलिशिया समूहों को मिलाकर की गई थी। कहने को तो यह पीएमएफ इराकी प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्रालय के साथ समन्वय में काम करता है, लेकिन व्यावहारिक रूप से इस पर ईरान का गहरा प्रभाव माना जाता है। संगठन के बयान में कहा गया कि इन हमलों में बगदाद, वासित, निनवे, बसरा, किरकुक, कर्बला और दियाला प्रांतों में पीएमएफ के ठिकानों को निशाना बनाया गया। इन हमलों से इमारतों, गाड़ियों और सैन्य उपकरणों को नुकसान पहुंचा है। यमन के ईरान समर्थित आतंकी समूह हूती ने पीएमएफ पर हमले की निंदा की है। हूती ने अल-मसीराह टीवी पर जारी बयान में कहा कि यह इराक की संप्रभुता पर खुला हमला है। इस बीच खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) ने पूर्व में ईरान समर्थित समूहों के सऊदी अरब पर किए गए हमलों की निंदा की है। जीसीसी महासचिव जसीम मोहम्मद अल-बुदैवी ने कहा कि इराक का ईरान समर्थक मिलिशिया पिछले कुछ समय से सऊदी अरब पर आतंकवादियों की तरह हमले कर रहा है। यह सऊदी अरब की संप्रभुता पर सीधा हमला है। सनद रहे खाड़ी सहयोग परिषद सऊदी अरब, यूएई, कतर, कुवैत, ओमान और बहरीन का राजनीतिक और आर्थिक संगठन है।

कांग्रेस शासनकाल में लगातार संकट में रहा छात्रों का भविष्यः अनुराग ठाकुर

एजेंसी, नई दिल्ली । पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर छात्रों के मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में छात्रों का भविष्य लगातार संकट में रहा है। यहां तक कि कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान छात्रों को जेल भेजा और उन पर लाठियां भी चलवाईं। अनुराग ठाकुर ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि कांग्रेस छात्रों के मुद्दे पर केवल राजनीति कर रही है। उन्होंने राजस्थान में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल का उल्लेख कर कहा कि पांच वर्षों में 19 में से 17 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए, लेकिन इसके बावजूद तत्कालीन शिक्षा मंत्री को कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष बना दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस छात्रों के हितों की बात करती है, जबकि उसके शासनकाल में युवाओं का भविष्य लगातार संकट में रहा।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, गुरुवार, 30 जुलाई, 2026

संक्षिप्त समाचार

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल, कांके रोड में श्रद्धा के साथ मनाई गई गुरु पूर्णिमा

रांची। कैंब्रियन पब्लिक स्कूल, कांके रोड में मंगलवार को गुरु पूर्णिमा का पर्व "गुरु वंदन" कार्यक्रम के रूप में मनाया गया। नमः' से हुआ। छात्रा सिद्धि प्रिया ने गुरु पूर्णिमा की तिथि के महत्व पर प्रकाश डाला, वहीं प्रतिष्ठा और श्रेया ने गुरु महिमा पर कविता पाठ किया। छात्रों ने गुरु को समर्पित नृत्य और गुरु नमन भी प्रस्तुत किया। छात्र परिषद के प्रतिनिधियों ने विद्यालय की निदेशक सह प्राचार्या परमजीत कौर को ग्रीटिंग कार्ड भेंट किया। इस अवसर पर परमजीत कौर ने कहा कि भारतीय शास्त्रों में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरु अज्ञानता के अंधकार को दूर कर विद्यार्थियों के शैक्षणिक, आध्यात्मिक और चारित्रिक उत्थान का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी दोनों को गुरु-शिष्य परंपरा के मूल्यों को समझकर उनका संवहन करना चाहिए। कार्यक्रम का समापन बच्चों द्वारा शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।

वाई.बी.एन. विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर में 26 यूनिट रक्त संग्रह, 46 स्वयंसेवकों ने लिया भाग

रांची। वाई.बी.एन. विश्वविद्यालय के एनएसएस प्रकोष्ठ और माँ कालावती होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में सदर अस्पताल, रांची के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन कुलपति प्रो. (डॉ.) एस. पोद्दार ने फीता काटकर किया। इस दौरान कुलसचिव डॉ. दीप्ती भार्गव, उप कुलसचिव संजय तिवारी, डॉ. आशीष सरकार, डॉ. भास्कर कुमार, डॉ. आरती गुप्ता और एनएस समन्वयक डॉ. कौशल किशोर सहित शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कुलपति ने कहा कि "रक्तदान महादान है" और युवाओं को समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलानी चाहिए। विश्वविद्यालय के अध्यक्ष रामजी यादव और सीएमडी डॉ. अंकिता यादव ने रक्तदाताओं के निस्वार्थ योगदान की सराहना की। सदर अस्पताल की ब्लड कलेक्शन टीम ने शिविर में 26 यूनिट रक्त संग्रह किया। कार्यक्रम में कुल 46 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। एनएसएस समन्वयक डॉ. कौशल किशोर ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

सीएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक, उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागों को सम्मानित किया गया

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीएल) मुख्यालय, दरभंगा हाउस में मंगलवार को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र ने की। बैठक में महाप्रबंधक (राजभाषा) अशोक कुमार ने गत तिमाही की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और राष्ट्रीय पहचान का दर्पण है। निदेशक (एचआर) हर्ष नाथ मिश्र ने कहा कि राजभाषा हिंदी प्रशासनिक कार्यों को सरल और प्रभावी बनाती है। उन्होंने अधिकारियों से हिंदी को दैनिक कार्य-संस्कृति में अपनाने का आग्रह किया। इस दौरान राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए कल्याण विभाग, सामान्य प्रशासन और प्रणाली विभाग को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं बोकारो, करगली, कथारा, ढोरी क्षेत्र सहित 12 अन्य विभागों को प्रशंसा पत्र दिए गए। बैठक का समापन राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन को और मजबूत करने के संकल्प के साथ हुआ।

DSPMU में छात्रहित के मुद्दों पर प्रधान सचिव से मिली आदिवासी छात्र संघ की टीम, 3-4 माह में छात्रसंघ चुनाव का आश्वासन

रांची। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (DSPMU) के आदिवासी छात्र संघ के अध्यक्ष विवेक तिर्की के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव राहुल पुरवार से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में सीमा मुर्मू भी शामिल थीं। अध्यक्ष विवेक तिर्की ने कुड़ुख, संथाली, नागपुरी, झारखंडी विभागों और BBA, MBA, कंप्यूटर

साइंस व कॉमर्स में सीट कटौती वापस लेने, शिक्षकों के पद के दुरुपयोग की जांच, बायोमेट्रिक उपस्थिति लागू करने, छात्रों पर दर्ज फर्जी मामलों को वापस लेने, AICTE पाठ्यक्रमों की मान्यता और "एक व्यक्ति-एक पद" सिद्धांत लागू करने सहित 6 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रधान सचिव ने सभी मांगों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि अगले 3-4 महीनों में छात्रसंघ चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। साथ ही विश्वविद्यालय में स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया भी जल्द पूरी की जाएगी। विवेक तिर्की ने कहा कि आदिवासी छात्र संघ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पारदर्शी प्रशासन के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगा।

वी फाउंडेशन ने एरिक्सन के साथ की साझेदारी

रांची। वोडाफोन आइडिया की सीएसआर शाखा, वी फाउंडेशन ने एरिक्सन के साथ साझेदारी में एक इंटर स्कूल रोबोटिक्स प्लेटफॉर्म रोबोत्सव द फेस्टिवल ऑफ टेक्नोलॉजी की घोषणा की है। इस प्लेटफॉर्म को युवा छात्रों में इनोवेशन, क्रिएटिविटी और स्टैम के प्रति जुनून बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। रोबोटिक्स लैब प्रोग्राम के तहत आयोजित रोबोत्सव की वेबसाइट को आज हमारे नॉलेज पार्टनर मोइनी फाउंडेशन के सहयोग से लॉन्च किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को रोबोटिक्स, 3डी प्रिंटिंग, प्रोग्रामिंग, वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और जनरेटिव एआई का व्यवहारिक अनुभव प्रदान करना है। ऑनलाइन और ऑफलाइन लर्निंग के अनुभवों, प्रतियोगिताओं और आपसी सहयोग से की जाने वाली गतिविधियों के जरिए, रोबोत्सव छात्रों को दिलचस्प तरीके से रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया से परिचित कराता है। ओपन डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में बनाई गई यह वेबसाइट छात्रों को अपनी गति से सीखने, जुड़ने और अपने कौशल को बेहतर बनाने का मौका देती है। आने वाले महीनों में रोबोत्सव के तहत ऑफलाइन प्रतियोगिताएं भी शुरू होंगी, जिससे छात्रों को अपना हुनर दिखाने और साथियों के साथ मिलकर काम करने के और भी मौके मिलेंगे।

सोसोकलां में सड़क की स्थिति बदहाल

बिजली केबल के अभाव में आजाद मोहल्ला के एक टोला अंधेरे में, विधायक ममता देवी को सौंपा आवेदन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला। प्रखंड क्षेत्र के गोला बोकारो मार्ग के एनएच 23 स्थित सोसो कलां गांव में कई मोहल्लों को जोड़ते हुए सरला से पतरातु जाने वाली मार्ग की जर्जर स्थिति से ग्रामीणों के लिए लगातार परेशानी का सबब बनते जा रही है।आए दिन अक्सर बरसात के मौसम में यहां जल जमाव हो जाता है ।सड़क के कई जगहों पर छोटे बड़े गड्ढे हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पानी की निकासी जिस कलभट पुल से होता है उसमें मिट्टी और कचड़ा भर गया है ।जिससे लोगों में हमेशा दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। समय रहते अगर इसका समाधान नहीं किया गया तो स्थिति भयावह हो सकती है और लोग हादसे का शिकार हो सकते हैं। इधर आजाद मोहल्ला में पिंटू चौधरी के घर के पास लगे ट्रांसफार्मर में ग्यारह हजार का तार पहुंचा है लेकिन अभी तक बिजली का केबल घरों तक नहीं पहुंच पाया है जिसके कारण आसपास के लोग अंधेरे में रहने को विवश हैं।जबकि इस संबंध में मुहल्ले के लोगों ने बताया कि बिजली विभाग के एसडीओ को एक पत्र दिया था लेकिन उसपर कोई कारवाई नहीं हुई।इन समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर ग्रामीणों ने स्थानीय विधायक ममता देवी को आवेदन सौंपते हुए सड़क मरम्मती कार्य और बिजली केबल की व्यवस्था जल्द कराने की मांग की है।जिससे लोगों को राहत मिल सके।

गोड्डा होम्योपैथिक कॉलेज को मिले छह नए लेक्चरर : इरफान

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

झारखंड सरकार ने राजकीय होम्योपैथिक महाविद्यालय और अस्पताल, परसापानी (गोड्डा) में छह नए लेक्चररों की नियुक्ति की है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने इसे राज्य में स्वास्थ्य शिक्षा को मजबूत करने और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इससे पहले भी महाविद्यालय में चार लेक्चररों की नियुक्ति की जा चुकी है और शिक्षकों की संख्या बढ़ाकर नियमित पठन-पाठन सुनिश्चित किया जा रहा है। इरफान अंसारी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा संस्थानों को सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत पर कॉलेज को बंद नहीं होने दिया जाएगा, बल्कि इसे बेहतर संस्थानों की श्रेणी में लाने के लिए आवश्यक संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उनका कहना था कि झारखंड के विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा और बेहतर भविष्य देना सरकार की प्राथमिकता है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कॉलेज और अस्पताल शिक्षा एवं सेवा के केंद्र हैं, इसलिए संस्थानों में सकारात्मक शैक्षणिक माहौल बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने समस्याओं के समाधान के लिए सीधे विभाग से संपर्क करने की अपील की। साथ ही बताया कि जल्द ही वह महाविद्यालय का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे। उन्होंने उपायुक्त को भी संस्थान के सुचारु संचालन, सुरक्षा, आधारभूत सुविधाओं और बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जेपीएससी मामले में पूर्व चेयरमैन एल ख्यांग्ते से सीआईडी कार्यालय में दूसरे दिन भी पूछताछ जारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा । रांची

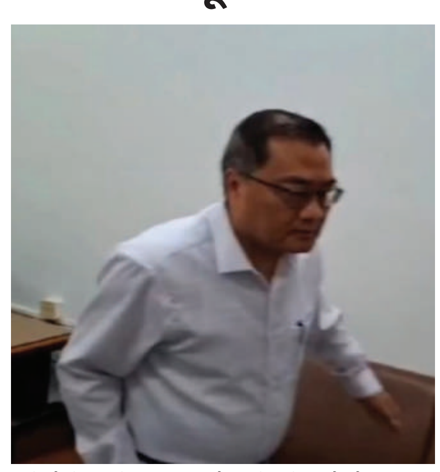

झारखंड की भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर सीआईडी की कार्रवाई लगातार जारी है। 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा से जुड़े मामले में सीआईडी के समन पर झारखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांग्ते लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी सीआईडी कार्यालय पहुंचे। जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। मंगलवार को एल ख्यांग्ते से आठ घंटे से ज्यादा पूछताछ हुई थी। सूत्रों के अनुसार सीआईडी परीक्षा संचालन, टेंडर आवंटन और कथित गड़बड़ियों से जुड़े कई अहम बिंदुओं पर एल ख्यांग्ते से पूछताछ की जा रही है। जांच एजेंसी का फोकस इस बात पर है कि टीडीपीएल को परीक्षा संचालन का जिम्मा किन परिस्थितियों में दिया गया। सीआईडी यह भी जानना चाहती है कि यदि एजेंसी के ब्लैकलिस्ट होने की बात सामने आई थी तो उसे जेपीएससी जैसी संवैधानिक चयन संस्था की परीक्षा का टेंडर कैसे मिला। इसके अलावा परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी,ओएमआर शीट में कथित हेराफेरी रोकने के लिए उठाए गए कदम और शिकायतों पर कार्रवाई जैसे मुद्दों पर पूर्व अध्यक्ष से जवाब मांगा जा रहा है। पूरे मामले में जांच के दायरे में परीक्षा संचालन एजेंसी टीडीपीएल का कार्यालय भी है। जहां से परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेज और अन्य रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। वहीं जेपीएससी कार्यालय से भर्ती परीक्षाओं से संबंधित दस्तावेज, ओएमआर शीट और डिजिटल साक्ष्य भी सीआईडी ने अपने कब्जे में लिए हैं। उल्लेखनीय है कि इस पूरे मामले में सीआईडी अब तक उप परीक्षा नियंत्रक सहित 10 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें से पांच आरोपितों से रिमांड पर पूछताछ जारी है। जांच एजेंसी का कहना है कि जुटाए गए दस्तावेजों, डिजिटल साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

झारखंड के सात जिलों में 02 अगस्त को भारी बारिश होने की संभावना

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

राज्य के सात जिलों में 02 अगस्त को भारी बारिश होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने बुधवार को दी। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के जिन सात जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है उनमें उत्तर पूर्वी जिले (देवघर, दुमका, गिरीडीह, गोड्डा, जामताड़ा, साहिबगंज, पाकुड़) शामिल हैं। इसके अलावा 30 जुलाई से 02 अगस्त तक राज्य की विभिन्न जिलों में गर्जन और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। साथ ही इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा भी चल सकती है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव में 72 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 32.7 डिग्री डाल्टनगंज में और सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 20.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं बुधवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे और रुक-रुक कर हल्की बारिश दर्ज की गई। इस दौरान दिनभर मौसम सुहाना बना रहा। बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 26.4 डिग्री और न्यूनतम 22.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 30.4 डिग्री और न्यूनतम 25.2 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 32.7 और न्यूनतम 24.6 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 30.5 डिग्री और न्यूनतम 24.2 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 27.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

'बच्चों को मिलेगी गुणवत्तापूर्ण साइकिल', डुमरिया में दुखनी सोरेन ने किया निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

घाटशीला :डुमरिया। पोटका विधानसभा क्षेत्र के डुमरिया में बुधवार को बच्चों के बीच वितरित की जाने वाली साइकिलों की गुणवत्ता का जायजा लेने पहुंचीं दुखनी सोरेन ने वितरण से पूर्व स्वयं साइकिलों का निरीक्षण किया। उन्होंने एक-एक साइकिल की गुणवत्ता की जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि विद्यार्थियों को केवल अच्छी गुणवत्ता की साइकिलें ही उपलब्ध कराई जाएं। यदि किसी प्रकार की तकनीकी खामी या कमी पाई जाती है तो उसे तत्काल दूर किया जाए, ताकि बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान दुखनी सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर और पूरी पारदर्शिता के साथ लाभुकों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सभी पात्र बच्चों को निर्धारित समय पर साइकिल उपलब्ध हो, जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित न हो और विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिल सके। मीडिया से बातचीत करते हुए दुखनी सोरेन ने कहा कि बच्चों की शिक्षा और उनके बेहतर भविष्य के लिए गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखंड के वरिष्ठ नेता चंपाई सोरेन द्वारा जनहित और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखकर शुरू की गई योजनाओं का लाभ आज भी जरूरतमंद बच्चों तक पहुंच रहा है। यह निरंतर विकास और जनसेवा की सोच का परिणाम है। उन्होंने कहा कि शिक्षा को बढ़ावा देने और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में ऐसे प्रयास आगे भी जारी रहेंगे। बच्चों का भविष्य मजबूत करना ही समाज और राज्य के विकास की सबसे बड़ी नींव है। इस अवसर पर संबंधित विभाग के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। निरीक्षण के बाद साइकिल वितरण की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई गुरु पूर्णिमा

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पित कर तथा विद्यालय के प्रेरणास्रोत स्व. बी. के. बिरला और डॉ. सरला देवी बिरला को श्रद्धांजलि देकर की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गुरु-वंदना, नृत्य और कविता के माध्यम से शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। गुरु के महत्व पर प्रेरक भाषण में कहा गया कि शिक्षक केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि संस्कार और चरित्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्राचार्या मनीषा शर्मा ने विद्यार्थियों को अनुशासन, विनम्रता और आजीवन सीखने की भावना अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नैतिकता और जिम्मेदारी का भाव विकसित कर उन्हें बेहतर नागरिक बनाते हैं। समारोह का समापन कृतज्ञता के भाव के साथ हुआ और इसने भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा को मजबूत करने के साथ सम्मान और उत्कृष्टता के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाया।

77वें वन महोत्सव में वृक्षारोपण का संदेश, वन विभाग ने बांटी मुआवजा राशि

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला : प्रखंड के कोराम्बे पंचायत स्थित घाघरा गांव में बुधवार को वन विभाग की ओर से 77वें वन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक ममता देवी ने पौधारोपण कर किया। उन्होंने लोगों से कम से कम एक पौधा लगाने की अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण और मानव जीवन के लिए वृक्ष अत्यंत आवश्यक हैं। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए सभी को वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डीएफओ नीतीश कुमार ने कहा कि वन महोत्सव के तहत पूरे प्रखंड में अभियान चलाकर व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया जाएगा। इसके लिए सरकार द्वारा पौधे उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने विभागीय कर्मियों को ग्रामीणों के सहयोग से अभियान सफल बनाने का निर्देश दिया तथा शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण दोनों को समान रूप से महत्वपूर्ण बताया।

इस अवसर पर वन विभाग ने मानव-वन्यजीव संघर्ष से प्रभावित लोगों के बीच मुआवजा राशि का भी वितरण किया। विभाग ने बताया कि वर्ष 2024-25 में फसल एवं मकान क्षति के लिए 19.45 लाख रुपये तथा 2025-26 में 53.23 लाख रुपये का भुगतान किया गया। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में 1.38 लाख से अधिक पौधे लगाने, नए चेकडैम निर्माण और पुराने चेकडैमों के जीर्णोद्धार की योजना की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में प्रमुख गीता देवी, जलेश्वर महतो, पूर्णिमा सिंह मुंडा, राकेश कुमार सिंह, दशरथ महथा सहित जनप्रतिनिधि, वन विभाग के अधिकारी और ग्रामीण उपस्थित रहे।

सांडी में नीलाम मकान का कब्जा दिलाने पहुंची पुलिस प्रशासन महिलाओं के आगे हुई बेबस

» कब्जे वाली संपत्ति के लेन-देन पर बैंक का रोक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू। सांडी कॉलोनी में बैंक ऑफ बड़ौदा के ऋण चुकता न करने पर नीलाम की गई मकान को कब्जा दिलाने गई पुलिस प्रशासन को महिलाओं के विरोध के बाद खाली हाथ लौटना पड़ा। यहां बैंक ऑफ बड़ौदा के ऋणी सांडी निवासी आलोक इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर सत्येंद्र प्रसाद सिंह ने बैंक से करीब 55 लाख रुपये का ऋण लिया था। इसका भुगतान न हो पाने की स्थिति में वर्ष 2025 में जिला प्रशासन की मदद से दंडाधिकारी की मौजूदगी में बैंक ने मकान को कब्जा कर सील कर दिया था। इसके बाद उक्त मकान की नीलामी की गई। नीलामी के बाद सफल बोली लगाने वाले क्रेता को जिला प्रशासन के आदेश पर बतौर मजिस्ट्रेट दंडाधिकारी रमेश रविदास, बैंक के मुख्य प्रबंधक संजीव कुमार वर्मा, प्रबंधक दिनेश कुमार, कुजू ओपी के एसआई नागेंद्र सिंह व रामगढ़ पुलिस लाईन एसआई आरपी पासवान के नेतृत्व में सशस्त्र बल पहुंचे। यहां सभी प्रक्रिया पूरी करने के बाद महिलाओं ने बबाल काटते हुए दखल कब्जा नहीं करने दिया। इसके बाद काफी समझाने बुझाने का प्रयास किया गया। किंतु बात नहीं बनने पर कब्जा दिलाने गई पूरी टीम को खाली हाथ लौटना पड़ा। जिला प्रशासन अब दोबारा कब्जा दिलाने की कार्रवाई करेगी। बैंक ने सार्वजनिक सूचना जारी कर खाता संख्या-5, प्लॉट संख्या-638, रकबा 10 डिसमिल की उक्त संपत्ति के क्रय-विक्रय अथवा किसी भी प्रकार के लेन-देन से लोगों को बचने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर निःशुल्क शिविर आयोजित, 90 मरीजों की हुई जांच

बोकारो: विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) के मेडिसिन विभाग द्वारा निःशुल्क फाइब्रोस्कैन जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। दिनभर चले इस शिविर का उद्घाटन कार्यकारी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) ने मुख्य चिकित्सा अधिकारियों, वरिष्ठ चिकित्सकों और अस्पताल के अधिकारियों व कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया।

फाइब्रोस्कैन जांच के जरिए लिवर की स्टिफनेस (कड़ापन) का सटीक आकलन किया जाता है। यह जांच विशेष रूप से मधुमेह, मोटापा, अत्यधिक शराब के सेवन, क्रोनिक हेपेटाइटिस-बी तथा सी संक्रमण से पीड़ित फैटी लिवर के मरीजों के लिए अत्यंत उपयोगी है। चिकित्सकों के अनुसार, यह एक त्वरित, दर्दरहित और बिना किसी चीरे-टांके वाली (नॉन-इनवेसिव) जांच है, जो क्रोनिक लिवर रोगों की पहचान के लिए सामान्य अल्ट्रासोनोग्राफी की तुलना में अधिक उन्नत तकनीक मानी जाती है। इससे गंभीर लिवर बीमारियों का शुरुआती चरण में ही पता लगाकर समय पर इलाज संभव हो पाता है।

शिविर के दौरान उपस्थित वरिष्ठ चिकित्सकों ने कहा कि लिवर रोगों की समय पर पहचान से उनका प्रभावी उपचार किया जा सकता है। उन्होंने आम लोगों से बीजीएच में उपलब्ध इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। शिविर के दौरान लगभग 90 मरीजों की चिकित्सकों द्वारा फाइब्रोस्कैन मशीन से जांच की गई।

कसमार : लक्ष्मण नायक बने भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, खुशी की लहर

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के दांतू निवासी एवं बोकारो जिला 20 सूत्री समिति के पूर्व उपाध्यक्ष सह भाजपा गोमिया विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी लक्ष्मण कुमार नायक को झारखंड भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य का दायित्व सौंपे जाने पर कसमार प्रखंड के भाजपाईयों में खुशी की लहर है। इस दौरान भाजपा नेता लक्ष्मण नायक ने कहा है कि झारखंड प्रदेश भाजपा मुख्यालय रांची से प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू एवं प्रदेश नेतृत्व की सहमति से जारी सूची में उन्हें प्रदेश कार्य समिति सदस्य बनाए जाने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सह सांसद आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, भाजपा प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी, गणेश मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, सहित झारखंड प्रदेश भाजपा नेतृत्व के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा है कि संगठन के विश्वास पर सदैव खरा उतरते हुए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करता रहूँगा। इस दौरान पूर्व कसमार प्रखंड अध्यक्ष राजेश कुमार पांडेय, तुलसीदास जायसवाल, मंडल अध्यक्ष आनंद महतो, सुरेंद्र महतो, अनीश जायसवाल, प्रफुल्ल महतो, कमल दास, परमेश्वर नायक, रामलाल ठाकुर, भवानी मुखर्जी, अजय ठाकुर, प्रताप सिंह कैलाश महतो, ननकू यादव, उतम मुखर्जी, मुरलीधर नायक, नगेंद्र कुमार, गोपाल दसौंधी, अजय पाल, कैलाश करमाली, बलदेव रजवार, वीणा देवी, जगेश्वर प्रजापति, विश्वजीत मिश्रा, किशोर महतो, जटल अड्डी सहित अन्य कई भाजपाईयों ने उन्हें बधाई दी है।

सिविल सर्जन के खिलाफ धरना कल, निलंबन और तबादले की मांग

बोकारो : बोकारो जिला सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद के खिलाफ आगामी 31 जुलाई को सिविल सर्जन कार्यालय के समक्ष संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले एक दिवसीय महाधरना दिया जाएगा। इस प्रदर्शन के जरिए भ्रष्टाचार व मनमानी के आरोपी सिविल सर्जन को तत्काल निलंबित कर उनका स्थानांतरण करने की मांग की जाएगी। चास के बायपास रोड स्थित एक स्थान पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कार्यक्रम की संयोजक गायत्री देवी महतो ने यह जानकारी दी। श्रीमती महतो ने कहा कि इस संबंध में महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, मुख्य सचिव, स्वास्थ्य सचिव और उपायुक्त बोकारो को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की जा चुकी है, लेकिन आठ महीने बीतने के बाद भी कोई कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सिविल सर्जन का आवासीय परिसर भ्रष्टाचार का केंद्र बना हुआ है और वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच होनी चाहिए। सदर अस्पताल में रैबीज इंजेक्शन सहित अन्य जीवनरक्षक दवाइयों की भारी किल्लत है तथा आयुष्मान भारत योजना समेत अन्य योजनाओं में अनियमितताएं बरती जा रही हैं। मौके पर नगर विकास समिति के अध्यक्ष अभय कुमार मुन्ना, झारखंड पेंशनर्स कल्याण समाज के जिलाध्यक्ष बालकृष्ण मुरारी, झारखंड गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के प्रधान जसमीत सिंह सोढ़ी, अशोक जगनानी, प्रमोद कुमार, विकास कुमार महतो, अशोक कुमार महतो, अतीश कुमार सिंह, जितेंद्र प्रसाद सिंह, मीरा देवी, विक्रम कुमार, अभिषेक कुमार व सोनू कुमार सहित कई अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

बोकारो में 'पीटर थंगराज मेमोरियल' ग्रामीण युवा फुटबॉल चैंपियनशिप शुरू

एशिया के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर की याद में हो रहा आयोजन, 8 टीमें ले रहीं हिस्सा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएं विभाग के तत्वावधान में बुधवार से 'पीटर थंगराज मेमोरियल' ग्रामीण युवा फुटबॉल चैंपियनशिप 2026-27 का शानदार आगाज हुआ। बोकारो के परिधीय ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने, सामुदायिक सहभागिता को सुदृढ़ करने तथा उभरती फुटबॉल प्रतिभाओं को बेहतर मंच प्रदान करने के उद्देश्य से यह प्रतियोगिता 29 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक आयोजित की जा रही है। इस टूर्नामेंट का विधिवत उद्घाटन बीएसएल के निदेशक प्रभारी ने संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया। यह टूर्नामेंट बोकारो इस्पात संयंत्र के भूतपूर्व कर्मचारी (1976-1997), अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित, पूर्व ओलंपियन फुटबॉलर तथा वर्ष 1958 में 'एशिया के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर' चुने गए स्वर्गीय पीटर थंगराज की पावन स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। चैंपियनशिप में बोकारो ग्रामीण फुटबॉल चैंपियनशिप 2025-26 की क्वार्टर फाइनलिस्ट 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें भर्रा एकादश, तुपकाडीह, परटांड, झोपड़ो, नरकरा, राधानगर, शिबुटांड़ और सेल फुटबॉल अकादमी की टीम शामिल हैं।

राउंड ऑफ-8 में दिखे रोमांचक मुकाबले- प्रतियोगिता का आगाज 29 जुलाई को राउंड ऑफ-8 के मुकाबलों के साथ हुआ। खेले गए मैचों में भर्रा ने नरकरा को 2-1 से हराया, सेल फुटबॉल अकादमी ने तुपकाडीह पर 9-0 से एकतरफा जीत दर्ज की, परटांड़ ने झोपड़ो को 2-0 से शिकस्त दी तथा राधानगर ने शिबुटांड़ को 2-1 से पराजित किया।राउंड ऑफ-8 के बाद अब 31 जुलाई को दोनों ग्रुपों की शीर्ष टीमों के बीच सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि 1 अगस्त 2026 को इस चैंपियनशिप का खिताबी फाइनल मुकाबला आयोजित होगा।

बीएसएल के परियोजना विभाग में सुरक्षा सम्मान समारोह, 11 कर्मी पुरस्कृत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के परियोजना विभाग द्वारा अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में सुरक्षा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करना, सुरक्षित कार्यप्रणाली को बढ़ावा देना तथा सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कर्मियों का उत्साहवर्धन करना था।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ अधिशासी निदेशक (परियोजना) द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कार्यस्थल पर निर्धारित सुरक्षा मानकों एवं प्रक्रियाओं के निरंतर अनुपालन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कर्मियों को दैनिक कार्यों में सजगता, सतर्कता और सुरक्षित कार्य व्यवहार को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया।

समारोह के दौरान परियोजना विभाग के अंतर्गत पांच जोन के नौ श्रमिकों को उनकी उत्कृष्ट व सुरक्षित कार्यप्रणाली और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा परियोजना सुरक्षा विभाग के दो कर्मियों को भी सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने में विशेष योगदान हेतु पुरस्कृत किया गया। संयंत्र में जीरो हार्म और सुरक्षा सर्वोपरि की संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में यह आयोजन बेहद सराहनीय रहा। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

जलती छड़ी से फूल और किताब से निकाला कबूतर

चिन्मय विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय जादूगर डॉ. शिवाजी का 'मैजिक एवं इल्यूजन शो'

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: चिन्मय विद्यालय बोकारो में बुधवार को एक भव्य एवं मनोरंजक मैजिक एवं इल्यूजन शो का आयोजन किया गया। इस खास कार्यक्रम में विख्यात अंतरराष्ट्रीय जादूगर डॉ. शिबाजी ने अपने जादुई कारनामों से विद्यार्थियों और शिक्षकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में चिन्मय मिशन बोकारो की आवासीय आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आर. एन. मलिक, प्राचार्य सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार एवं उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

रोमांचक जादुई कारनामों से भरे इस कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. शिवाजी ने जादू की बारीकियां समझाने के साथ की। उन्होंने पलक झपकते ही जलती हुई छड़ी को खूबसूरत फूल में बदल दिया, जिसे देख बच्चे दंग रह गए। इसके बाद खाली किताब से जिंदा कबूतर निकालने और अनोखे पेपर ट्रिक के प्रदर्शन पर पूरा सभागार तालियों की गूंज से सराबोर हो उठा।

बोले जादूगर- जादू के पीछे छिपा है विज्ञान और गणित- विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. शिबाजी ने कहा कि जादू कोई तंत्र-मंत्र या अंधविश्वास नहीं, बल्कि यह विज्ञान, गणित और हाथ की सफाई के सही तालमेल की कला है। इस दौरान उन्होंने बच्चों को कुछ आसान और मजेदार जादुई ट्रिक्स भी सिखाए और शानदार आयोजन के लिए विद्यालय प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि चिन्मय विद्यालय केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे रचनात्मक और मनोरंजक कार्यक्रम बच्चों में जिज्ञासा, कल्पनाशीलता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय जादूगर डॉ. शिवाजी एवं उनकी पत्नी लिशा का आभार जताया।

विद्यार्थियों में सेवा-भावना और नेतृत्व क्षमता बढ़ाएगा रोटरी का इंटरेक्ट क्लब का गठन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : रोटरी क्लब चास की ओर से समाजसेवा एवं युवा नेतृत्व को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल (जीजीपीएस) चास में इंटरेक्ट क्लब का औपचारिक गठन किया गया। इस अवसर पर आयोजित एक गरिमामय समारोह में नवगठित इंटरेक्ट क्लब की अध्यक्ष यशिका एवं सचिव शीतल कुमारी को आधिकारिक चार्टर सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित जोनल यूथ चेयर श्वेता रस्तोगी ने विद्यार्थियों को इंटरेक्ट क्लब के उद्देश्यों, सेवा कार्यों, नेतृत्व विकास तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इंटरेक्ट क्लब विद्यार्थियों में सेवा भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक दायित्वों के प्रति सजगता विकसित करने का एक बेहतरीन माध्यम है।

विद्यालय प्रबंधन ने रोटरी क्लब चास की इस पहल की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया और विश्वास जताया कि इंटरेक्ट क्लब के जरिए छात्र-छात्राएं समाजोपयोगी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे और अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करेंगे।

इस अवसर पर रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, सचिव विनोद चोपड़ा, सहायक मंडल अध्यक्ष पूजा बैद, ललिता चोपड़ा, संजय बैद, विद्यालय की प्राचार्या सुमन नांगिया, नरेंद्र सिंह, कुमार अमरदीप, उषा कुमार, अनूप दमीयान, पुष्पा सिंह, पूनम सिंह, एस. सी. माहथा, कुमार गौरव, जयदीप कुमार, दीपक कुमार सिंह, रंजीत कुमार, आकृति, ज्योति झा व अरविंद कुमार सहित कई शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

नाकामी को अपनी कमजोरी नहीं, कामयाबी की सीढ़ी बनाएं : शुभम

यूपीएससी में 142वीं रैंक लाकर आईएएस चुने गए डीपीएस बोकारो के पूर्व छात्र ने अपने जूनियरों का किया मार्गदर्शन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : असफलता सफलता की सीढ़ी है। नाकामी से घबराने, हताश होने या निराशा में डूबने की बजाय इसे अपनी ताकत बनाएं। हर बार की विफलता कुछ न कुछ सिखाती है तथा और अधिक बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है। यह कहना है संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) सिविल सर्विस परीक्षा 2025 में ऑल इंडिया रैंक 142 लाकर आईएएस के लिए चुने गए डीपीएस बोकारो के पूर्व छात्र शुभम कुमार महतो का। वर्ष 2015 बैच के पूर्व छात्र शुभम बुधवार को अपनी उक्त कामयाबी के बाद अपने विद्यालय पहुंचे तथा पुरानी यादें साझा कीं। उन्होंने अपनी सफलता के पीछे के लंबे संघर्ष से बच्चों को रू-ब-रू कराया और इसके जरिए उनका मार्गदर्शन किया। अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को उन्होंने बताया कि यूपीएससी में उन्होंने पहले भी सफलता पाई थी, लेकिन आईएएस नहीं मिल सका था। प्रत्यक्ष राष्ट्रसेवा के ध्येय से आईएएस बनना उनका सपना और उनकी जिद थी, जिसके लिए उन्होंने कभी हार न मानी। पहली बार की विफलता के बाद ब्रेक लेकर खूब मेहनत की, अध्ययन किया और चार बार के प्रयासों के बाद अंततः पांचवीं बार उन्होंने अपना मुकाम हासिल कर लिया। इसलिए, कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए।

खुद पर रखें भरोसा, इंटरनेट के दुरुपयोग से बचें- शुभम ने बच्चों से कहा कि चाहे वह यूपीएससी हो या कोई और परीक्षा, अपना एक लक्ष्य तय कर खुद पर भरोसा रखते हुए उसे पाने के लिए पूरी लगन और मेहनत से तैयारी करें। इस दिशा में स्वयं पर पूर्ण विश्वास तथा खुद के साथ ईमानदारी जरूरी है। जब आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास जारी रखेंगे, तो एक न एक दिन कामयाबी जरूर आपके कदम चूमेगी। शिक्षक आपको पढ़ाएंगे, ट्रिक्स देंगे, लेकिन निरंतर अभ्यास आपको स्वयं करना होगा। शुभम ने विद्यार्थियों को मोबाइल और इंटरनेट के संतुलित इस्तेमाल की प्रेरणा देते हुए कहा कि अगर इसका सही इस्तेमाल करें तो यह आपकी पढ़ाई में सहायक बन सकता है। यदि दुरुपयोग करेंगे तो यह कामयाबी की राह में आज के दौर का सबसे बड़ा रोड़ा साबित हो सकता है। इस क्रम में छात्र-छात्राओं ने अपने सीनियर शुभम के साथ सीधे सवाल-जवाब भी किए और अपनी जिज्ञासाएं शांत कीं। यूपीएससी की तैयारी के तौर-तरीके, अन्य करियर विकल्पों के साथ इसकी तुलना आदि विषयों पर बच्चों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देकर शुभम ने उनका मार्गदर्शन किया।

विद्यार्थियों का सही दिशा-निर्देशन जरूरी : प्राचार्य

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने उक्त कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बताते हुए शुभम जैसे प्रतिभावान पूर्व विद्यार्थियों को आज के छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। कहा कि विद्यालय ऐसे आयोजनों के माध्यम से अपने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन नियमित रूप से करता रहा है। उन्होंने शुभम को उक्त सफलता की बधाई देते हुए उनके लिए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

चास में पतंजलि योग परिवार ने मनाई गुरु पूर्णिमा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पतंजलि योग परिवार चास (बोकारो) की ओर से सनातन गुरु-शिष्य परंपरा का श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ निर्वहन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम के दौरान संगठन के सदस्यों ने योग ऋषि योगाचार्य स्वामी रामदेव महाराज के चित्रों पर श्रद्धापुष्प अर्पित किए और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर साधकों ने समस्त बोकारो वासियों के सुख, समृद्धि और आरोग्य की मंगलकामना की। कार्यक्रम में पतंजलि योग समिति के जिला महामंत्री गौरी शंकर सिंह के साथ दयाराम, जया, संध्या, मोना, वीणा, रेनू, कृष्णा, अनु, सरोज, अर्चना और मीनाक्षी सहित कई अन्य योग साधक व साधिकाएं उपस्थित रहे। सभी ने योग और योग गुरुओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नियमित योगाभ्यास को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

रचनात्मकता और आत्मविश्वास ही सफलता की असली पहचान : कैसर सुनील कल्पवृक्ष

खैराचातर में प्रेरक कार्यशाला में विद्यार्थियों को बताए गए सफलता के सूत्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के खैराचातर स्थित रणविजय मेमोरियल संस्कार पब्लिक स्कूल में मंगलवार को विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए प्रेरक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में लेखक, कवि, शोधकर्ता एवं आध्यात्मिक चिंतक कैसर सुनील कल्पवृक्ष ने रचनात्मक सोच, व्यक्तित्व विकास और जीवन में सफलता के विभिन्न आयामों पर विस्तार से अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि आज के समय में केवल ज्ञान अर्जित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे सही दिशा में प्रयोग करने की क्षमता ही व्यक्ति को सफल बनाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को सृजनात्मक लेखन, प्रभावी चिंतन, निर्णय क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करने के लिए नियमित अभ्यास तथा सकारात्मक सोच अपनाने की सलाह दी। इस दौरान उन्होंने 'बिगेस्ट सॉल्यूशन मेकर', क्रिया विज्ञान तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दौर में बेहतर सोच और लेखन कौशल विकसित करने के अपने अनुभव भी साझा किए।

कार्यक्रम में वैद्य मनोज महतो ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए स्वस्थ जीवनशैली, मानसिक संतुलन और अच्छे संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और सकारात्मक विचार ही उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव हैं। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका कैसर सुनील कल्पवृक्ष ने सहज एवं प्रेरक ढंग से उत्तर दिया। विद्यालय की प्राचार्या विभा पांडेय ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और नवाचार की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर शिक्षक अब्दुल शाहिद, राजीव रंजन, रंजीत कुमार, सरिता कुमारी, सविता पांडेय, छोटेलाल ठाकुर, अब्दुल हसन, धनेश्वर महतो, डिंपल कुमारी, साकिया खातून, आकांक्षा कुमारी, कंचन कुमारी सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

एसआईआर अभियान का पहला चरण पूरा, 5 अगस्त के बाद भी जुड़ सकेगा मतदाता सूची में नामः डीसी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने बुधवार को सेक्टर-2 स्थित जायका हैपनिंग्स में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) के तहत मतदाताओं और बीएलओ की सहभागिता वाला पहला चरण बुधवार रात 12 बजे समाप्त हो जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अभियान को लेकर किसी भी प्रकार की भ्रांति फैलाने की आवश्यकता नहीं है। इसका उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन और पारदर्शी बनाना है।

उन्होंने बताया कि जिन पात्र नागरिकों का किसी कारणवश एसआईआर प्रक्रिया में नाम शामिल नहीं हो सका है, वे 5 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रपत्र-6 भरकर अपना नाम जुड़वा सकते हैं। मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन और स्थानांतरण की प्रक्रिया नियमित रूप से जारी रहती है।

डीसी ने बताया कि वर्ष 2003 के बाद पहली बार इस स्तर पर विशेष गहन पुनरीक्षण किया गया है। जिले के सभी चार विधानसभा क्षेत्रों में कुल 15,35,267 गणना प्रपत्रों का शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूरा कर लिया गया है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के सहयोग की सराहना करते हुए शहरी मतदाताओं से भी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी निभाने की अपील की।

अजय नाथ झा ने कहा कि जनजागरूकता अभियान, मीडिया, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से एसआईआर अभियान को सफल बनाया गया। संवाददाता सम्मेलन में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अनुमंडल पदाधिकारी प्रांजल ढांडा, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, उप निदेशक सह डीपीआरओ रवि कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, गुरुवार, 30 जुलाई, 2026

बेरमो की खदानों से गोमिया के जंगलों तक बोकारो में एसआईआर-2026 ने रचा इतिहास

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : :बेरमो की कोयला खदानों, बोकारो की गगनचुंबी इमारतों और गोमिया की दुर्गम पगडंडियों के बीच बीते एक महीने से एक मौन लोकतांत्रिक क्रांति आकार ले रही थी। यह रैलियों के शोर-शराबे से परे, घर-घर दी जा रही एक निष्ठावान दस्तक की कहानी है। एक भी वोटर न छूटे के संकल्प के साथ संचालित विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान बोकारो जिले में मानवीय जिजीविषा और तकनीकी सटीकता का एक ऐतिहासिक महा-अभियान बन गया है। जिले के नौ प्रखंडों, 251 पंचायतों और 1,581 बूथों पर तैनात बीएलओ की समर्पित टीम ने 15,35,267 मतदाताओं के भौतिक सत्यापन का विशाल लक्ष्य हासिल किया, जहां हर बीएलओ पर औसतन 971 नागरिकों का जिम्मा था।

» 15 लाख से अधिक मतदाताओं का शत-प्रतिशत सत्यापन पूरा

'वॉर रूम' और मैदानी कमान से मिली नई रफ्तार- 30 जून को शुरू हुए इस अभियान का शुरुआती सफर आसान नहीं था। डमी प्रशिक्षण के कारण कई बीएलओ ऐप संचालन में असहज थे और ऊपर से मुहर्रम के कारण प्रशासनिक तंत्र विधि-व्यवस्था बनाए रखने में व्यस्त रहा। लेकिन पर्व समाप्त होते ही प्रशासन ने पूरी ताकत से वापसी की। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग से लैस एक हाई-टेक 'वॉर रूम' स्थापित किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने प्रतिदिन शाम 6:30 बजे समीक्षा बैठकों की कमान संभाली। आसन्न चुनाव न होने से उपजी जन-उदासीनता को तोड़ने के लिए टोटो के माध्यम से प्रचार-प्रसार रथ

उतारे गए। सबसे बड़ी बात यह रही कि बीडीओ और अंचलाधिकारी दफ्तर छोड़ खुद बीएलओ के साथ धरातल पर उतर आए।

चारों विधानसभा क्षेत्रों में दिखी अनूठी रणनीति- बोकारो के 66% शहरी परिवेश में बहुमंजिला इमारतों के सुरक्षा गार्डों और निजता के डर जैसी मानसिक दीवारों को बीएलओ ने सुबह-शाम काम करके तोड़ा, जहाँ अंततः चास निगम क्षेत्र में वार्ड पार्षदों के सहयोग से शहरी जड़ता समाप्त हुई। गोमिया के जंगलों और झुमरा पहाड़ के दुर्गम इलाकों में पीवीटीजी बस्तियों तक पहुँचने के लिए टीमों ने सुदूर क्षेत्रों में ही डेरा डाला। जब फुटकडीह में नेटवर्क की समस्या आई, तो प्रशासन ने रातों-रात सेल ऑन व्हील्स टावर खड़ा करवाकर डेटा सिंक करवाया और लुगू बुरु की पगडंडियां नापने वाले बीएलओ ने जिले का पहला बीएलओ ऑफ द डे पुरस्कार जीता। उधर बेरमो की सक्रिय कोयला खदानों में श्रमिक कॉलोनियों के विस्थापन और रात्रि पाली के थके खनिकों की संशय को दूर करने के लिए स्थानीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का सहारा लिया गया। खोरठा और हिंदी में बने डिजिटल वीडियो वायरल होते ही मजदूर खुद फॉर्म भरने के लिए बीएलओ का इंतजार करने लगे, जिससे वहाँ प्रपत्र वितरण 99.99% तक पहुँच गया। वहीं, पश्चिम बंगाल सीमा से सटे चंदनकियारी में मौसमी पलायन और अंतर-राज्यीय दोहरे पंजीकरण की चुनौती के बावजूद बीएलओ ने खेतों की मेड़ों और सुदूर टोलों तक पैदल चलकर 100% की त्रुटिहीन दर हासिल की।

नवाचार और टीमवर्क से घर-घर पहुंचा लोकतंत्र : डीईओ झा

इस ऐतिहासिक प्रयास और संकल्प की पूर्णता पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया एक अत्यंत समावेशी और सफल लोकतांत्रिक अभ्यास रही है। उन्होंने बताया कि हमारी मैदानी टीमों के पूर्ण समर्पण से हमने सभी चार विधानसभा क्षेत्रों में 100% प्रपत्र वितरण और शत-प्रतिशत डिजिटलीकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया है। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि जो पात्र नागरिक किसी कारणवश अभी छूट गए हैं, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म 6 के माध्यम से अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं। गोमिया के जंगलों में मोबाइल टावर लगाने से लेकर बेरमो की वायरल रील्स और बोकारो में देर रात तक चली डेटा एंट्री तक, यह अभियान सिद्ध करता है कि जब टीमवर्क, नवाचार और जनभागीदारी का अद्भुत तालमेल होता है, तो लोकतंत्र सीधे नागरिकों के दरवाजे तक पहुँचता है।

संक्षिप्त समाचार

हाइवा की टक्कर से स्कॉर्पियो सवार तीन लोग घायल, दो की हालत गंभीर

बोकारो : जिले के जरीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत कल्याणपुर के समीप एनएच-23 पर बुधवार दोपहर करीब 3 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। रांची से धनबाद की ओर जा रही एक स्कॉर्पियो गाड़ी को सामने से आ रहे बेकाबू हाइवा ने जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में स्कॉर्पियो सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान रांची के बरियातू स्थित वृन्दावन कॉलोनी निवासी संजीत कुमार तथा चिरोंजी निवासी मुन्ना कुमार और मनीष कुमार के रूप में हुई है। दुर्घटना में स्कॉर्पियो के आगे बैठे मनीष और मुन्ना के सिर में गंभीर चोटें आई हैं, जिससे उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैनामोड़ की दिशा से आ रहे तेज रफ्तार और अनियंत्रित हाइवा ने टर्निंग प्वाइंट पर रांची की तरफ से आ रही स्कॉर्पियो (जेएच-01बीएन-5338) को सामने से सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियो घूमकर सड़क के बीचों-बीच आ खड़ी हुई और उसका अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद चालक हाइवा लेकर मौके से फरार हो गया। घायलों ने बताया कि लगभग एक महीने पूर्व धनबाद के कतरास में संजीत की बहन की शादी हुई थी। तीनों लोग उसे ही लाने के लिए कतरास जा रहे थे कि रास्ते में यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही जरीडीह थाना के एसआई संजीव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को तुरंत इलाज के लिए जैनामोड़ रेफरल अस्पताल भिजवाया। दुर्घटनाग्रस्त वाहन के सड़क के बीच में होने के कारण कुछ देर के लिए यातायात बाधित रहा, जिसे हटाने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। जरीडीह पुलिस फरार हाइवा और उसके चालक की पहचान कर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

गोवा में बोकारो के प्रवासी मजदूर का निधन, गांव में शोक

बोकारो थर्मल : रोजगार के सिलसिले में गोवा गए बोकारो जिले के नावाडीह प्रखंड (ऊपरघाट) अंतर्गत ग्राम पारटांड (मुंगो रांगामाटी) निवासी 21 वर्षीय प्रवासी मजदूर मनोज कुमार महतो का दो दिन पूर्व असामयिक निधन हो गया। मृतक मनोज कुमार महतो गांव के चंद्रशेखर महतो का पुत्र था और गोवा में बिजली विभाग में कार्यरत था। घटना की सूचना मिलते ही भाजपा नेता भरत यादव और भैरव महतो ने गंगा नारायण सिंह से संपर्क कर पार्थिव शरीर को गाँव भिजवाने का आग्रह किया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए गंगा नारायण सिंह ने गोवा के प्रशासनिक अधिकारियों व पुलिस प्रशासन से समन्वय स्थापित किया। दो दिनों तक चली कानूनी और चिकित्सकीय प्रक्रियाओं को पूरा कराने के बाद बुधवार को मनोज के पार्थिव शरीर को विमान से उनके पैतृक गांव रवाना कर दिया गया। इस दौरान गोवा में कागजी प्रक्रिया पूरी कराने के समय मनोज के भाई संतोष महतो और फलेंद्र महतो भी उपस्थित रहे, जो शव के साथ घर के लिए रवाना हुए हैं। 21 वर्षीय युवा मजदूर की अचानक मौत की खबर से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कैंसर-पीड़ित सप्लाई मजदूर का निधन, सहकर्मियों में शोक

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित जीएमटी कॉलोनी निवासी और डीवीसी पावर प्लांट के सीएचपी में कार्यरत 57 वर्षीय सप्लाई मजदूर सुरेश राम का बुधवार को निधन हो गया। वे पिछले लंबे समय से कैंसर की गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। सुरेश राम मेसर्स जेआर एंटरप्राइजेज के तहत पावर प्लांट के सीएचपी विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे थे। उनके अचानक निधन की खबर मिलते ही साथी मजदूरों और सहकर्मियों में शोक की लहर दौड़ गई। अंतिम संस्कार के लिए पीड़ित परिवार को तत्काल राहत पहुँचाने के उद्देश्य से साथी मजदूरों और संवेदक ने मिलकर आपस में आर्थिक सहयोग राशि जुटाई। वहीं, सप्लाई मजदूरों के यूनियनों के संयुक्त मोर्चा के नेताओं ने भी उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। स्वर्गीय सुरेश राम अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

राउम विद्यालय पोचरा में प्रबंधन समिति का गठन

कुजू। राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय पोचरा में बुधवार को विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन किया गया। इसकी अध्यक्षता वार्ड नंबर 5 के पार्षद पवन यादव व संचालन प्रधानाध्यापक निरंजन प्रसाद ने किया। इस दौरान बतौर पर्यवेक्षक सीआरपी सेवटा उपेंद्र कुमार मौजूद रहे। इसमें अन्नू देवी अध्यक्ष व रवि गिरी उपाध्यक्ष निर्वाचित हुई। साथ ही 11 सदस्य का चयन किया गया। मौके पर वार्ड नंबर 6 पार्षद संदीप कुमार,

भूदाता नकुल यादव, शिक्षा प्रेमी रमण यादव, टिकेश्वर यादव, निर्मल यादव, महेश यादव, शिवा गिरी, दिलीप यादव, अनु देवी, ममता कुमारी, आशा देवी, फुलेश्वरी देवी, अशोक गिरी के अलावा विद्यालय शिक्षक हीरालाल महतो, मंजू देवी, ललिता देवी, संतोष कुमार, पूर्व अध्यक्ष रीना देवी, रंगीता देवी, जीरा देवी व अन्य मौजूद रहे।

संगीत और कला से होता है व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास : आईपीएस ऋषभ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल चास में बुधवार को चार दिवसीय अंतर सदन सांस्कृतिक महोत्सव आविर्भाव का शानदार शुभारंभ हुआ। पहले दिन आयोजित वाद्य यंत्र प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदनों के विद्यार्थियों ने तबला, की-बोर्ड, गिटार, बांसुरी, ड्रम्स, कोंगो और डरबुक्का जैसे वाद्यों पर अपनी सुरमयी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जैप-4 के समादेष्टा (कमांडेंट) सह आईपीएस अधिकारी ऋषभ कुमार झा, प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी और डी.एस. मेमोरियल सोसाइटी के सचिव सुरेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि श्री झा, जिन्हें असाधारण वीरता के लिए दो बार राष्ट्रपति वीरता पुरस्कार मिल चुका है, ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियां बच्चों में अनुशासन, धैर्य, रचनात्मकता और आत्मविश्वास का विकास करती हैं। उन्होंने प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान विद्यार्थियों को करियर और सफलता के उपयोगी टिप्स भी दिए।

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में द पेंटेकोस्टल असेंबली स्कूल के प्रसेनजीत शर्मा, जीजीपीएस सेक्टर-5 के संजीव मजूमदार और एमजीएम स्कूल के अश्विनी कुमार शामिल थे। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर सतलज सदन ने प्रथम, जमुना सदन ने द्वितीय तथा गंगा और चेनाब सदन ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रो वाइस चेयरमैन राजेश अग्रवाल, प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी और सोसाइटी के सचिव सुरेश अग्रवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, टीम भावना और सांस्कृतिक चेतना का संचार करते हैं तथा भारतीय संस्कृति व आधुनिक शिक्षा का बेहतर समन्वय स्थापित करते हैं।

युवक के साथ मारपीट कर तीन हजार रुपए छीने, मामला दर्ज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : हरला थाना क्षेत्र अंतर्गत सेक्टर-9बी में एक युवक के साथ मारपीट करने और उसकी जेब से 3,000 रुपए छीन लेने का मामला प्रकाश में आया है। घटना को लेकर पीड़ित के पिता रघुनाथ महतो ने हरला थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। लिखित शिकायत के अनुसार, 28 जुलाई की रात करीब 7:40 बजे पीड़ित आतिश कुशवाहा अपनी स्कूटी से सेक्टर-4 से घर लौट रहा था। इसी दौरान बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) के समीप एक अपाचे बाइक पर सवार तीन युवकों ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। जब आतिश अपने आवास सेक्टर-9बी (स्ट्रीट-12, क्वार्टर नंबर-337) पहुंचा, तो पीछा कर रहे तीनों युवक भी वहां आ धमके और उसे घेरकर गाली-गलौज करने लगे। आतिश द्वारा विरोध किए जाने पर आरोपियों ने फोन करके अपने तीन अन्य साथियों को भी मौके पर बुला लिया और जान से मारने की नीयत से मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित परिवार का आरोप है कि हमलावरों में शामिल छोटू यादव ने आतिश की जेब से 3,000 रुपए निकाल लिए, जबकि बंटी यादव नामक युवक ने उसका गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया। पीड़ित परिवार ने बताया कि यह पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसके फुटेज से आरोपियों की पहचान आसानी से की जा सकती है। हरला थाना पुलिस सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

किडनी और यूरोलॉजी रोगों पर पारस एचइसी हॉस्पिटल का जागरूकता सेमिनार संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

किडनी रोगों की समय पर पहचान से बच सकती है जानः डॉ.अशोक कुमार बैद्य

रांचीः पारस एचईसी हॉस्पिटल, रांची के रीनल साइंसेज विभाग की ओर से बुधवार को होटल रामाडा, रांची में "एशेन्शल्ज़ ऑफ़ रीनल केयर" विषय पर जन-जागरूकता एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में किडनी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, किडनी रोगों की समय पर पहचान के महत्व को समझाना तथा विशेषज्ञों से सीधे संवाद का अवसर उपलब्ध कराना था।

नेफ्रोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ अशोक कुमार बैद्य ने कहा कि आज बदलती जीवनशैली, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा और दर्द निवारक दवाओं का बिना चिकित्सकीय सलाह के लंबे समय तक सेवन किडनी रोगों के प्रमुख कारण बनते जा रहे हैं। किडनी की अधिकांश बीमारियां शुरुआती चरण में बिना किसी स्पष्ट लक्षण के विकसित होती हैं, इसलिए नियमित स्वास्थ्य जांच, विशेषकर ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, यूरिन और किडनी फंक्शन टेस्ट कराना बेहद जरूरी है। समय

रहते बीमारी की पहचान होने पर दवाओं, संतुलित आहार और जीवनशैली में सुधार के माध्यम से किडनी को गंभीर क्षति से बचाया जा सकता है और डायलिसिस या प्रत्यारोपण जैसी स्थिति को काफी हद तक टाला जा सकता है। डॉ बैद्य ने लोगों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, धूम्रपान एवं तंबाकू से दूर रहने, नमक का सीमित सेवन करने तथा किसी भी प्रकार की दवा चिकित्सकीय परामर्श के बिना नहीं लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि जागरूकता और समय पर उपचार ही किडनी रोगों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

कंसल्टेंट डॉ धीरज कुमार ने "क्रॉनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) के प्राथमिक प्रबंधन एवं सह-प्रबंधन" विषय पर अपने संबोधन में कहा कि सीकेडी एक ऐसी बीमारी है जो धीरे-धीरे बढ़ती है और शुरुआती चरण में अक्सर इसके लक्षण दिखाई नहीं देते। इसलिए इसे 'साइलेंट डिजीज' भी कहा जाता है। यदि समय पर इसकी पहचान कर उचित उपचार शुरू कर दिया जाए, तो बीमारी की गति को काफी हद तक धीमा किया जा सकता है और मरीज को डायलिसिस या किडनी प्रत्यारोपण जैसी गंभीर स्थिति से बचाया जा सकता है।

यूरोलॉजी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डॉ सौमिक चटर्जी ने "सामान्य यूरोलॉजिकल समस्याएं" विषय पर कहा कि किडनी, मूत्राशय, प्रोस्टेट और मूत्र मार्ग से जुड़ी बीमारियां आज तेजी से बढ़ रही हैं, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण अधिकांश मरीज समय पर चिकित्सक के पास नहीं पहुंचते। सीनियर कंसल्टेंट डॉ कुणाल कुमार सिंह ने प्रोस्टेट रोगों के लक्षण, जांच और उपचार पर चर्चा की।

कंसल्टेंट डॉ अमित कुमार ने यूरोलॉजिकल कैंसर की समय पर पहचान और आधुनिक उपचार पर महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि यूरोलॉजिकल कैंसर की समय पर पहचान मरीज के सफल उपचार की सबसे बड़ी कुंजी है।

पारस एचईसी हॉस्पिटल, रांची के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि पारस एचईसी हॉस्पिटल अत्याधुनिक तकनीक, अनुभवी विशेषज्ञों और समर्पित चिकित्सा टीम के माध्यम से किडनी एवं यूरोलॉजी से जुड़ी सभी जटिल बीमारियों का समग्र उपचार उपलब्ध करा रहा है। अस्पताल का उद्देश्य केवल इलाज करना ही नहीं, बल्कि लोगों को बीमारियों के प्रति जागरूक बनाकर उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना भी है। इसी सोच के तहत समय-समय पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, विशेषज्ञ संवाद और जनहित से जुड़े सेमिनार आयोजित किए जाते हैं।

सेमिनार में नेफ्रोलॉजी और यूरोलॉजी विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने किडनी एवं मूत्र संबंधी रोगों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने विशेषज्ञों से सीधे सवाल पूछे और अपनी स्वास्थ्य संबंधी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। उन्होंने विशेषज्ञों से संवाद कर किडनी एवं यूरोलॉजी संबंधी समस्याओं के बारे में उपयोगी जानकारी प्राप्त की।

बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने सीजीएम को मांगपत्र सौंपा

आधुनिकीकरण और रिकॉर्ड उत्पादन के बावजूद बुनियादी सुविधाओं के अभाव पर यूनियन ने जताई चिंता

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के एसएमएस-1 विभाग में कार्यरत गैर-कार्यपालक कर्मचारियों की गंभीर समस्याओं को लेकर बुधवार को 'बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ' (बीएकेएस) के प्रतिनिधिमंडल ने एसएमएस-1 के मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। वार्ता के दौरान यूनियन ने कर्मचारियों से जुड़ी 21 प्रमुख समस्याओं और मांगों को विस्तार से रखते हुए एक माह के भीतर उनके समयबद्ध समाधान की मांग की।

यूनियन प्रतिनिधियों ने सीजीएम का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि आधुनिकीकरण के बाद एसएमएस-1 संयंत्र का सबसे आधुनिक विभाग बन चुका है और यहां उत्पादन के नए-नए कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं। इसके बावजूद वहां कार्यरत कर्मचारियों को पेयजल, शौचालय, जर्जर सड़कों, जल निकासी, सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, क्षतिग्रस्त छत, फ्लाई डस्ट, बाथरूम और रेस्ट रूम जैसी मूलभुत सुविधाओं की किल्लत से जूझना

पड़ रहा है।

बैठक के दौरान यूनियन ने कास्टर मैकेनिकल सेक्शन में चार्जमैन के रिक्त पदों को अविलंब भरने, कनिष्ठ कर्मचारियों से शटडाउन लेने की व्यवस्था को स्पष्ट करने तथा ड्यूटी समाप्ति के बाद कर्मचारियों को बेवजह रोके जाने की प्रथा पर रोक लगाने की मांग उठाई। इसके साथ ही बंद किए गए एक्टिंग अलाउंस एवं इंसेंटिव की समीक्षा करने, ठेका कंपनी 'प्रोटेक्टिव इंजीनियरिंग' में स्थायी सुपरवाइजर की नियुक्ति करने तथा कर्मचारी लक्ष्मीधर अधिकारी को कथित रूप से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए बाध्य किए जाने के मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।

यूनियन ने स्पष्ट किया कि ये सभी मांगें कर्मचारियों की सुरक्षा, कार्य सुविधा और विभाग की कार्यकुशलता से सीधे जुड़ी हुई हैं। प्रतिनिधिमंडल ने सीजीएम से आग्रह किया कि एक माह के भीतर इन सभी समस्याओं का सकारात्मक समाधान निकाला जाए। इस बैठक में संघ के अध्यक्ष, महासचिव, उपमहासचिव, कोषाध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य तथा विभागीय प्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित थे।

यूरिया की कालाबाजारी करनेवालों पर प्रशासन कसेगा नकेल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

अधिक दाम वसूलने और जमाखोरी करने वाले जाएंगे जेल, डीसी ने दिया निर्देश

बोकारो : जिले में किसानों को यूरिया उर्वरक की कालाबाजारी और सरकार द्वारा तय दरों से अधिक मूल्य पर बिक्री की मिल रही शिकायतों को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने बेहद गंभीरता से लिया है। विभिन्न स्रोतों से किसानों द्वारा प्राप्त सूचनाओं के अनुसार, कुछ उर्वरक विक्रेताओं द्वारा यूरिया खाद की कृत्रिम किल्लत पैदा कर उसकी जमाखोरी की जा रही है और उसे निर्धारित मूल्य से मनमाने दामों पर अवैध रूप से बेचा जा रहा है। मामले की संवेदनशीलता और गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी चास एवं तेनुघाट के साथ-साथ जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों (बीडीओ) को तत्काल अपने-अपने क्षेत्रों में उर्वरक दुकानों, गोदामों की बिक्री एवं भंडारण की सघन जांच करने का सख्त निर्देश दिया है। उपायुक्त ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जांच के दौरान यदि कोई भी उर्वरक विक्रेता निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर यूरिया बेचता, जमाखोरी करता

या किसी भी प्रकार की कालाबाजारी में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश तथा अन्य सुसंगत कानूनी प्रावधानों के तहत तुरंत प्राथमिकी दर्ज कर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जिला कृषि अधिकारी करेंगे नियमित मॉनिटरिंग- उपायुक्त ने सभी जांच अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में की गई त्वरित कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही जिला कृषि अधिकारी को पूरी व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा पूरे जिले में हुई जांच और प्रशासनिक कार्रवाई से संबंधित समेकित प्रतिवेदन जमा करने का निर्देश दिया गया है, ताकि कालाबाजारी के इस पूरे नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त किया जा सके।

किसानों के हितों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहींः उपायुक्त- मामले पर अपना सख्त रुख स्पष्ट करते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि जिले के किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित उचित दर पर पर्याप्त मात्रा में खाद व उर्वरक उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि अन्नदाताओं के हितों के साथ किसी भी प्रकार की अनियमितता, धोखाधड़ी, जमाखोरी या अवैध कालाबाजारी को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कठोरतम कदम उठाए जाएंगे।

हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय मुख्यधारा
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
बोकारो, गुरुवार, 30 जुलाई, 2026

संक्षिप्त समाचार

एसआईआर के पहले चरण का समापन, 5 अगस्त से शुरू होगी दावा-आपत्ति प्रक्रियाः डीसी

जामताड़ा : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आलोक कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) को लेकर तीसरी समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त ने बताया कि गणना प्रपत्र संग्रह और डिजिटाइजेशन की अंतिम तिथि आज है। उन्होंने राजनीतिक दलों से अपील की कि जिन पात्र मतदाताओं ने अभी तक एन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं किया है, उन्हें जागरूक कर समय पर फॉर्म जमा कराएं, ताकि 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में उनका नाम शामिल हो सके।

आलोक कुमार ने बताया कि 5 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित होगी। इसके बाद 5 अगस्त से 4 सितंबर तक दावा एवं आपत्ति प्राप्त किए जाएंगे, जबकि 3 अक्टूबर तक उनका निपटारा कर 7 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य शुद्ध, त्रुटिरहित और विश्वसनीय मतदाता सूची तैयार करना है।

बैठक में दावा-आपत्ति के निस्तारण के लिए ईआरओ और एईआरओ को मतदान केंद्रवार जिम्मेदारी सौंपे जाने की जानकारी भी दी गई। उपायुक्त ने बताया कि 29 जुलाई पूर्वाह्न 10 बजे तक नाला विधानसभा क्षेत्र में 23,298 और जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र में 41,322, कुल 64,620 मतदाताओं के नाम एएसडीडी सूची में शामिल हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि एएसडीडी सूची में शामिल मतदाता दावा-आपत्ति अवधि के दौरान आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर अपना दावा कर सकते हैं। बैठक में अपर समाहर्ता पूनम कच्छप, उप निर्वाचन पदाधिकारी कयूम अंसारी तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

डुमरी को जिला बनाने की मांग, आंदोलनकारियों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

डुमरीः चिन्हित झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, डुमरी इकाई से जुड़े सदस्यों ने बुधवार को एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम मांग पत्र सौंपा।मांग पत्र में आंदोलनकारियों ने कहा है कि डुमरी जिला बनने की सभी अर्हताएं पूरी करता है। इसलिए डुमरी को जिला बनाने की प्रक्रिया की दिशा में सार्थक पहल की जानी चाहिए।पत्र में बताया गया कि डुमरी में प्रखंड सह अंचल कार्यालय, निबंधन कार्यालय, अनुमंडल कार्यालय, तीन इंटर कॉलेज, दो डिग्री कॉलेज, एक आईटीआई, दो उपडाकघर, तीन थाना, रेफरल अस्पताल और ट्रामा सेंटर जैसी बुनियादी सुविधाएं पहले से मौजूद हैं।कनेक्टिविटी की दृष्टि से भी डुमरी महत्वपूर्ण है। सड़क और रेल मार्ग से यह राज्य की राजधानी रांची, उप-राजधानी दुमका तथा धनबाद, बोकारो, हजारीबाग, गिरिडीह सहित राज्य के कई जिलों से जुड़ा हुआ है।आंदोलनकारियों ने पत्र में उल्लेख किया कि डुमरी झारखंड अलग राज्य आंदोलन का केंद्र रहा है। दशकों पहले दिशोम गुरु शिबू सोरेन और झारखंड पुरोधा बिनोद बिहारी महतो ने डुमरी से ही झारखंड अलग राज्य का बिगुल फूंका था।ज्ञापन में कहा गया कि डुमरी को जिला का दर्जा मिलने से न केवल सभी आंदोलनकारियों का सपना साकार होगा, बल्कि क्षेत्र का चहुंमुखी विकास भी सुनिश्चित होगा।इस मांग पत्र पर मोर्चा के अध्यक्ष लालमणि साव, जागेश्वर यादव, दीपक जैन, बैजनाथ महतो, निर्मल जायसवाल, किशोरी प्रसाद, राजकमल महतो, नागेश्वर मंडल, कमलापति मंडल, बलदेव महतो, रामेश्वर ठाकुर, छोटन विश्वकर्मा आदि के हस्ताक्षर हैं।

फर्जी पुलिसकर्मी बनकर वसूली करने वाला गिरफ्तार, हथियार और फर्जी आईडी बरामद

जामताड़ाः मिहिजाम थाना पुलिस ने पुलिसकर्मी बनकर लोगों को डराने-धमकाने और अवैध वसूली करने वाले एक फर्जी पुलिसकर्मी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक देशी कट्टा, जिंदा कारतूस, चाकू, वॉकी-टॉकी सहित कई सामान बरामद किए गए हैं। इस संबंध में मिहिजाम थाना कांड संख्या 50/2026 दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। मामले की जानकारी एसडीपीओ वसीम रजा ने प्रेसवार्ता में दी।

एसपी शंभु कुमार सिंह को मिली गुप्त सूचना के आधार पर थाना प्रभारी प्रदीप राणा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कानगोई-डोमडाहा रोड स्थित पत्थर डंप के पास छापेमारी की। वहां पुलिस की वर्दी पहने एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में शराब पीते मिला। पूछताछ में उसने अपना नाम अनुप कुमार (34), निवासी कानगोई, मिहिजाम बताते हुए खुद को जैप-05 देवघर का जवान बताया।

आईडी कार्ड की जांच में नियुक्ति तिथि और जन्म तिथि में गंभीर विसंगति मिलने पर पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की। आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने धनबाद से पुलिस की वर्दी खरीदी थी और फर्जी पहचान पत्र बनवाकर लोगों पर पुलिस का रौब दिखाते हुए अवैध वसूली करता था।

पुलिस के अनुसार अनुप कुमार के खिलाफ वर्ष 2014 में चितरंजन थाना में दहेज उत्पीड़न, मारपीट, अमानत में खयानत, जान से मारने की धमकी तथा दहेज निषेध अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

डुमरी निरीक्षण भवन के सामने से हटेगा अवैध अतिक्रमण

डुमरी : निमियाघाट थाना क्षेत्र के बालुटुंडा गांव निवासी नागेश्वर मंडल द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर एसडीएम डुमरी ने सीओ को पत्र भेजा है। पत्र में एसडीएम ने डुमरी निरीक्षण भवन के सामने हुए अवैध अतिक्रमण को नियमानुसार हटाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। एसडीएम ने सीओ को मामले की जांच कर अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया जल्द शुरू करने के निर्देश दिए हैं, ताकि सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जा सके।

बागबेड़ा में प्रेम प्रसंग को लेकर विवाद, युवक घायल; दोनों पक्षों ने लगाए गंभीर आरोप

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जमशेदपुर, बागबेड़ा। बागबेड़ा थाना क्षेत्र के कॉलोनी रोड नंबर-3, ब्लॉक संख्या 98/2/3 में बुधवार सुबह कथित प्रेम प्रसंग से जुड़ा विवाद उस समय तूल पकड़ गया, जब एक युवक घर के भीतर गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को अपने कब्जे में लेकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा। मामले में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह करीब 9 बजे संबंधित घर से शोर-शराबे की आवाज सुनाई देने पर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बागबेड़ा थाना पुलिस ने घर के अंदर एक युवक को लहूलुहान और अचेत अवस्था में पाया। पुलिस ने उसे तत्काल बाहर निकालकर उपचार के लिए सदर अस्पताल भेजा, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल रेफर किए जाने की जानकारी मिली।

घायल युवक की पहचान बिहार के नालंदा जिले के दीपनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सर्वोदय नगर, देवी सराय निवासी आशीष कुमार (28 वर्ष), पिता मोहन प्रसाद के रूप में हुई है। आशीष कुमार का आरोप है कि उसका बागबेड़ा निवासी रिया सिंह के साथ पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से प्रेम संबंध था। उसके अनुसार, युवती के कहने पर वह पटना में उसके साथ रह रहा था।

युवक का दावा है कि कुछ समय पहले जब वह किसी आवश्यक कार्य से बाहर गया था, तब युवती कथित रूप से कमरे से 2 लाख नकद, स्कूटी तथा अन्य कीमती सामान लेकर चली गई। उसका कहना है कि बाद में युवती ने उसे फोन कर जमशेदपुर बुलाया।

आशीष कुमार के अनुसार, बुधवार सुबह लगभग 7:30 बजे वह युवती के घर पहुंचा, जहां युवती के पिता, माता तथा अन्य लोगों ने कथित रूप से उसे घर के अंदर बंद कर मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। युवक का यह भी आरोप है कि उसके मोबाइल फोन में बैंक लेन-देन, चैट और अन्य महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य

मौजूद थे, जिसे कथित रूप से युवती के परिजनों ने अपने कब्जे में ले लिया।

युवक ने यह भी दावा किया कि आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने के कारण उसने युवती के कहने पर बुलेट मोटरसाइकिल और स्कूटी उसके नाम से फाइनेंस कराई थी, जबकि अब तक सभी किस्तों का भुगतान वह स्वयं करता रहा है।

वहीं, दूसरी ओर युवती के पिता ने युवक पर उनकी पुत्री के कमरे में घुसकर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इसी कारण विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई। मीडिया द्वारा पक्ष जानने का प्रयास किए जाने पर युवती और उसके परिजनों ने विस्तृत टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

आशीष कुमार ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा उसके मोबाइल फोन में मौजूद डिजिटल साक्ष्यों की फोरेंसिक जांच कराने की मांग की है। इधर, बागबेड़ा थाना पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि की जाएगी और उसी आधार पर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति में हरिमोहन मिश्रा को मिली जगह, कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा : भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता हरिमोहन मिश्रा को भाजपा प्रदेश कार्यसमिति का सदस्य बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई। बुधवार को आयोजित स्वागत कार्यक्रम में विभिन्न मंडलों के अध्यक्षों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा पार्टी का पट्टा पहनाकर सम्मानित किया। कार्यकर्ताओं ने इसे जिले के लिए गौरव का विषय बताते हुए प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर हरिमोहन मिश्रा ने प्रदेश नेतृत्व का धन्यवाद देते हुए कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम किया जाएगा और प्रदेश नेतृत्व की अपेक्षाओं पर खरा उतरना उनकी प्राथमिकता होगी।

कार्यक्रम में मौजूद नेताओं ने कहा कि हरिमोहन मिश्रा लंबे समय से संगठन के प्रति समर्पित भाव से कार्य करते रहे हैं। उनके संगठनात्मक अनुभव और कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर समन्वय को देखते हुए उन्हें प्रदेश कार्यसमिति में स्थान दिया गया है। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि उनकी नई जिम्मेदारी से जिले में संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

स्वागत कार्यक्रम में कुणाल सिंह, प्रवीण मिश्रा उर्फ डब्लू मिश्रा, लोकेश महतो, द्वारिका सिंह, गिरधारी मंडल, सरवन पंडित, सुखदेव राय, हेमंत झा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वहीं फोन, फेसबुक और व्हाट्सएप के माध्यम से भी उन्हें लगातार शुभकामनाएं दी जा रही हैं।

प्रेस क्लब डुमरी का निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर शुरू, एसडीएम-एसडीपीओ ने संयुक्त रूप से किया उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्रावणी मेला के अवसर पर प्रेस क्लब डुमरी द्वारा प्रेस क्लब प्रांगण में निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर की शुरुआत की गई। शिविर का उद्घाटन बुधवार को संयुक्त रूप से किया गया।उद्घाटनकर्ताओं में एसडीएम राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, एसडीपीओ आबिद खान, इंस्पेक्टर राजेंद्र प्रसाद, प्रमुख उषा देवी, भाजपा नेता जीवधन महतो, अशोक

ओझा, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो, जिला परिषद सदस्या सुनीता कुमारी, 20 सूत्री के अध्यक्ष डेगलाल महतो, पूर्व प्रमुख यशोदा देवी, सामाजिक कार्यकर्ता डीके पहाड़िया, निमियाघाट थाना प्रभारी सुमन कुमार, डुमरी थाना प्रभारी श्रीकांत कुमार, झाएकिमयू के केंद्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो और युवा कांग्रेस के जिला महासचिव गुड्डू मलिक शामिल थे। सभी ने फीता काटकर शिविर का शुभारंभ किया।इस अवसर पर दर्जनों जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम में झाएकिमयू के केंद्रीय उपाध्यक्ष सुभाष पंडित, भारतीय वाणिज्य मंडल के प्रदेश महासचिव रवींद्र कुमार, झामुमो नेता पंकज महतो, मिथिलेश महतो, जगन्नाथ ठाकुर, पूर्व मुखिया अजीत कुमार, सौरभ विश्वकर्मा, बिरजू गुप्ता, शिव स्वर्णकार आदि भी मुख्य रूप से मौजूद रहे।अपने संबोधन में एसडीएम राजेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कहा कि कांवरियों की सेवा सबसे बड़ा पुण्य का काम है। प्रेस क्लब में कांवरियों के लिए भोजन और ठहरने की निःशुल्क व उत्तम व्यवस्था की गई है, जो बेहद प्रशंसनीय है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अनुमंडल प्रशासन का पूरा सहयोग रहेगा। एसडीपीओ आबिद खान ने कहा कि शिविर के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह सक्रिय रहेगा और कांवरियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।प्रेस क्लब के अध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि यह शिविर का 10वां वर्ष है। शिविर में कांवरियों के लिए बिस्कुट, चाय, भोजन तथा ठहरने की उत्तम व्यवस्था पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई गई है।कार्यक्रम में पत्रकार मनोज सिंह, शशि जायसवाल, वीरेंद्र कुमार सिन्हा, दिनेश रजक, नंदन सिन्हा, रवि सिन्हा, मुकेश कुमार, अजय कुमार रजक, युगल किशोर, लोकनाथ सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

ब्रेन मलेरिया से सीआरपीएफ जवान की मौत, सैन्य सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

चाईबासा की 197वीं बटालियन में थे तैनात पिंटू कुमार साव, इलाज के दौरान एमजीएम अस्पताल में तोड़ा दम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जमशेदपुर। पश्चिम सिंहभूम के चाईबासा स्थित सीआरपीएफ की 197वीं बटालियन में तैनात जवान पिंटू कुमार साव (35) का बुधवार तड़के करीब तीन बजे एमजीएम अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। डॉक्टरों के अनुसार वह ब्रेन मलेरिया (फाल्सीपेरम) से संक्रमित थे और संक्रमण के कारण उनके शरीर के कई महत्वपूर्ण अंग भी प्रभावित हो गए थे, जिससे उनकी स्थिति लगातार गंभीर होती चली गई।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने पर पहले मुसाबनी से जादूगोड़ा कैंप लाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल, जमशेदपुर रेफर किया गया, जहां जांच में ब्रेन मलेरिया की पुष्टि हुई। तमाम प्रयासों के बावजूद डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके।

जवान के निधन की सूचना मिलते ही सीआरपीएफ के अधिकारियों और जवानों में शोक की लहर दौड़ गई। एमजीएम अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सीआरपीएफ के अधिकारियों एवं जवानों ने पूरे सैन्य सम्मान (गार्ड ऑफ ऑनर) के साथ उन्हें अंतिम सलामी दी और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इसके बाद जवान के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव फरीदपुर, थाना राजा पाकर, जिला वैशाली (बिहार) अंतिम संस्कार के लिए रवाना कर दिया गया।

गुरु पूर्णिमा पर महर्षि वेदव्यास जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। आषाढ़ मास की पूर्णिमा (गुरु पूर्णिमा) के अवसर पर विद्यालय में महर्षि वेदव्यास जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ बुधवार को मनाई गई। इस अवसर पर महाभारत एवं श्रीमद्भागवत के रचयिता तथा प्रथम गुरु महर्षि वेदव्यास को नमन करते हुए गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य रमेश कुमार उपाध्याय ने कहा कि गुरु ही अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाने वाले सच्चे पथप्रदर्शक होते हैं। उन्होंने श्लोक अज्ञान तिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जन शलाकया। चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्रीगुरवे नमः का उल्लेख करते हुए गुरु की महिमा का वर्णन किया। इस अवसर पर भैया-बहनों ने अपने गुरुओं का सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मौके पर विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रही।

ATN CLASSES के 10 वर्षों की सफलता के साथ शिक्षा के क्षेत्र में नई सौगात, जुगसलाई में ATN COMPUTER EDUCATION का भव्य शुभारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जमशेदपुर। शिक्षा के क्षेत्र में पिछले एक दशक से अपनी पहचान बना चुके ATN CLASSES ने अब कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में भी कदम बढ़ाते हुए ATN COMPUTER EDUCATION (A Unit of A.T.N Classes) का शुभारंभ किया। जुगसलाई स्थित संस्थान परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षकों, समाजसेवियों एवं गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं फीता काटकर किया गया। इसके बाद अतिथियों ने संस्थान के अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब, स्मार्ट क्लासरूम एवं अन्य शैक्षणिक सुविधाओं का अवलोकन किया। उपस्थित लोगों ने संस्थान की आधुनिक व्यवस्था और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहल की सराहना की।

संस्थान के निदेशक ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय पूरी तरह डिजिटल तकनीक का युग है। ऐसे समय में कंप्यूटर शिक्षा केवल एक अतिरिक्त योग्यता नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी के लिए आवश्यक कौशल बन चुकी है। उन्होंने कहा कि ATN COMPUTER EDUCATION का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, व्यवहारिक एवं रोजगारोन्मुख कंप्यूटर शिक्षा उपलब्ध कराना है, ताकि वे आधुनिक तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकें।

उन्होंने बताया कि संस्थान में विद्यार्थियों के लिए DCA, ADCA, Tally, Python, Java, C++, DTP, Typing सहित अनेक प्रोफेशनल एवं जॉब ओरिएंटेड कंप्यूटर कोर्स संचालित किए जाएंगे। सभी पाठ्यक्रम अनुभवी एवं प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा आधुनिक तकनीकों के माध्यम से पढ़ाए जाएंगे, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हो सके।

निदेशक ने कहा कि ATN CLASSES ने पिछले 10 वर्षों में हजारों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर सफलता की नई मिसाल कायम की है। उसी विश्वास और अनुभव को आगे बढ़ाते हुए अब कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में भी विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण देने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि संस्थान का लक्ष्य केवल प्रमाणपत्र देना नहीं, बल्कि युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष, आत्मनिर्भर और रोजगार के योग्य बनाना है।

उद्घाटन समारोह के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने संस्थान की आधुनिक सुविधाओं, अनुशासित वातावरण और रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का सम्मान किया गया तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए संस्थान की ओर से सभी का आभार व्यक्त किया गया।

ATN COMPUTER EDUCATION का यह नया प्रयास निश्चित रूप से जुगसलाई एवं आसपास के क्षेत्रों के युवाओं के लिए आधुनिक कंप्यूटर शिक्षा और डिजिटल कौशल विकास का एक महत्वपूर्ण केंद्र साबित होगा।

RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रीय मुख्यधारा

https://rashtriyamukhyadhara.com/

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य

भगवान भौतिक जगत के पालन व निर्वाह के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं हैं। हम एटलस (एक रोमन देवता) को कंधों पर गोला उठाये देखते हैं। वह अत्यन्त थका लगता है और इस विशाल पृथ्वीलोक को धारण किये रहता है। हमें किसी ऐसे चित्र को मन में नहीं लाना चाहिए, जिसमें कृष्ण इस सृजित ब्रह्मांड को धारण किये हों। उनका कहना है कि यद्यपि सारी वस्तुएं उन पर टिकी हैं, सारे लोक अन्तरिक्ष में तैर रहे हैं और यह अन्तरिक्ष परमेश्वर की शक्ति है किन्तु वे अन्तरिक्ष से पृथक स्थित हैं। भगवान कहते हैं, यद्यपि सब रचित पदार्थ मेरी अचिंत्य शक्ति पर टिके हैं, किन्तु भगवान रूप में मैं उनसे पृथक रहता हूं। यह भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य है।

वैदिककोश निरुक्ति में कहा गया है- परमेश्वर शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अचिंत्य आश्चर्यजनक लीलाएं कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्व विभिन्न शक्तियों से पूर्ण है और संकल्प स्वयं एक तथ्य है। भगवान को इसी रूप में समझना चाहिए। हम कोई काम करना चाहते हैं, तो अनेक विघ्न आते हैं और कभी-कभी जो चाहते हैं वह नहीं कर पाते।

किन्तु जब कृष्ण कोई कार्य करना चाहते हैं, तो सब इतनी पूर्णता से सम्पन्न हो जाता है कि कोई सोच नहीं पाता कि यह सब कैसे हुआ! भगवान समझाते हैं-यद्यपि वे समस्त सृष्टि के पालक तथा धारणकर्ता हैं, किन्तु वे इस सृष्टि का स्पर्श नहीं करते। उनके मन और स्वयं उनमें कोई भेद नहीं है। वे हर वस्तु में उपस्थित हैं, किन्तु सामान्य व्यक्ति समझ नहीं पाता कि वे साकार रूप में उपस्थित हैं। वे भौतिक जगत से भिन्न हैं तो भी प्रत्येक वस्तु उन्हीं पर आश्रित है। इसे ही भगवान की योगशक्ति कहा गया है।

डिजिटल संप्रभुता, लोकतंत्र और सोशल मीडिया जवाबदेही: मेटा विवाद, नीट आंदोलन और उभरती वैश्विक नीति चुनौती

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

- 28 जुलाई 2026 को सुप्रीम कोर्ट की गंभीर टिप्पणियां -समग्र व्यापक विश्लेषण

भारतीय पीएम द्वारा जेन- ज़ेड, को संबोधित एक फेसबुक पोस्ट, वीडियो प्लेटफ़ॉर्म से हट जाने की घटना ने अनेक प्रश्न खड़े किए -मेटा ने तकनीकी त्रुटि बताते सामग्री पुनःबहाल क्री

फेसबुक (मेटा) से पीएम का पोस्ट हटना व 28 जुलाई 2026 को सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियाँ और अंतरिम निर्देश, एक आंदोलन तक सीमित नहीं हैं, अत्यंत गंभीर संकेत

वैश्विक स्तरपर भारत में वर्ष 2026 का नीट पेपर लीक विवाद केवल एक परीक्षा की विश्वसनीयता का प्रश्न नहीं रहा,बल्कि यह युवाओं के विश्वास, लोकतांत्रिक अधिकारों, न्यायपालिका की भूमिका, सरकार की जवाबदेही तथा वैश्विक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्मों की शक्ति से जुड़ा बहुआयामी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विषय बन गया।जंतर-मंतर पर हुआ व्यापक छात्र आंदोलन, उसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा, न्यायपालिका की सक्रियता तथा भारतीय प्रधानमंत्री की फेसबुक पोस्ट हटाए जाने को लेकर मेटा और भारत सरकार के बीच उत्पन्न विवाद,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि इन सभी घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि इक्कीसवीं सदी का लोकतंत्र केवल संसद न्यायालय और चुनाव तक सीमित नहीं रह गया है।अब सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म भी लोकतांत्रिक विमर्श के निर्णायक मंच बन चुके हैं।जंतर-मंतर पर हजारों छात्रों और युवाओं द्वारा किया गया आंदोलन भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं में गिना जा सकता है। इस आंदोलन का मूल उद्देश्य केवल नीट परीक्षा की निष्पक्षता सुनिश्चित करना नहीं था, बल्कि यह संदेश देना भी था कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और समान अवसर लोकतांत्रिक शासन की आधारशिला हैं। इस आंदोलन ने भारत के भीतर व्यापक जनसमर्थन प्राप्त किया और अंतरराष्ट्रीय मीडिया तथा वैश्विक शिक्षा जगत का भी ध्यान आकर्षित किया।इससे यह संदेश गया कि विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र अपने युवाओं की आवाज़ को गंभीरता से सुनने की क्षमता रखता है।आंदोलन के बाद उत्पन्न परिस्थितियों में केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को कई विश्लेषकों ने राजनीतिक जवाबदेही का उदाहरण माना। लोकतांत्रिक शासन में मंत्री केवल प्रशासनिक प्रमुख नहीं होते, बल्कि वे नैतिक उत्तरदायित्व का भी प्रतिनिधित्व करते हैं।यद्यपि किसी भी इस्तीफे के पीछे अनेक राजनीतिक और प्रशासनिक कारण हो सकते हैं,फिर भी जनता के बीच यह धारणा बनी कि लोकतांत्रिक दबाव और जनआंदोलन शासन को उत्तरदायी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।यह लेख सार्वजनिक रूप से उपलब्ध दावों,घटनाक्रमों और लोकतांत्रिक विमर्श के आधार पर विश्लेषण प्रस्तुत करता है।जिन मामलों का संबंध न्यायालय, सरकारी जांच अथवा आधिकारिक पुष्टि से है,उन्हें अंतिम तथ्य नहीं बल्कि उपलब्ध सूचनाओं के संदर्भ में सटीकता से देखा जाना चाहिए।

साथियों, 28 जुलाई 2026 को सुप्रीम कोर्ट में हुईसुनवाई ने इस पूरे घटनाक्रम को नया आयाम दिया। विभिन्न समाचार रिपोर्टों के अनुसार न्यायालय ने शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार,कानून के समक्ष समानता तथा अनावश्यक कठोर कार्रवाई से बचने की आवश्यकता पर गंभीर टिप्पणियाँ कीं। रिपोर्टों में यह भी कहा गया कि अदालत ने 18 वर्ष से कम आयु के आंदोलनकारियों तथा ऐसे प्रदर्शनकारियों के संबंध में, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था,तत्काल मानवीय और विधिसम्मत दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। न्यायालय की कार्यवाही का व्यापक संदेश यही माना गया कि लोकतंत्र में असहमति को अपराध के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए और राज्य की शक्ति का प्रयोग संविधान की सीमाओं के भीतर होना चाहिए। अंतिम और बाध्यकारी स्थिति न्यायालय के आधिकारिक आदेश से ही निर्धारित होती है। साथियों, इस पूरे घटनाक्रम के समानांतर एक दूसरा विवाद सामने आया जिसने राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़कर डिजिटल शासन और तकनीकी कंपनियों की जवाबदेही पर वैश्विक बहस छेड़ दी।भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा युवाओं,विशेषकर जेन- ज़ेड, को संबोधित एक फेसबुक पोस्ट और वीडियो प्लेटफ़ॉर्म से हट जाने की घटना ने अनेक प्रश्न खड़े कर दिए। बाद में मेटा ने इसे तकनीकी त्रुटि बताते हुए सामग्री पुनःबहाल कर दी,किंतु विवाद यहीं समाप्त नहीं हुआ।भारत सरकार ने इस स्पष्टीकरण को पर्याप्त नहीं माना और विस्तृत जानकारी मांगी कि इतनी महत्वपूर्ण आधिकारिक सामग्री आखिर किस प्रक्रिया और किस कारण से हटाई गई।यहीं से यह विवाद केवल एक पोस्ट हटने का नहीं रहा, बल्कि डिजिटल संप्रभुता का विषय बन गया। किसी भी संप्रभु राष्ट्र का यह स्वाभाविक अधिकार है कि उसके निर्वाचित नेतृत्व और सरकारी संचार से संबंधित डिजिटल सामग्री के प्रबंधन में पारदर्शिता, जवाबदेही और स्पष्ट प्रक्रिया हो। यदि किसी वैश्विक प्लेटफ़ॉर्म पर करोड़ों नागरिक सूचना प्राप्त करते हैं, तो उस प्लेटफ़ॉर्म की नीतियाँ भी सार्वजनिक विश्वास की कसौटी पर सटीकता से परखी जाएँगी।

साथियों, मेटा,जो फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप जैसे विश्व के सबसे बड़े सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म संचालित करती है,लंबे समय से विभिन्न देशों में सामग्री मॉडरेशन, गोपनीयता, डेटा सुरक्षा और स्थानीय कानूनों के अनुपालन को लेकर चर्चा और विवाद का विषय रही है। भारत में भी समय-समय पर उस पर भड़काऊ सामग्री हटाने में देरी, फर्जी समाचारों के प्रसार और नियामकीय अनुपालन जैसे मुद्दों पर प्रश्न उठते रहे हैं। इसलिए प्रधानमंत्री की पोस्ट हटने की घटना ने इन पुराने विवादों को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया।सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत सरकार का दृष्टिकोण यह है कि तकनीकी गलती जैसे सामान्य स्पष्टीकरण से इतने महत्वपूर्ण मामले का समाधान नहीं हो सकता।यदि किसी एल्गोरिद्म, स्वचालित प्रणाली या आंतरिक मॉडरेशन प्रक्रिया के कारण ऐसी घटना हुई, तो उसकी पूरी पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। यही कारण है कि संबंधित अधिकारियों से विस्तृत स्पष्टीकरण और जवाबदेही की अपेक्षा की गई।

साथियों,दूसरी ओर, तकनीकी कंपनियों का पक्ष भी समझना आवश्यक है। मेटा का कहना रहा कि सामग्री गलती से हट गई थी और जैसे ही त्रुटि का पता चला, उसे तुरंत बहाल कर दिया गया। बड़े डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म प्रतिदिन अरबों पोस्ट, वीडियो और संदेशों का प्रबंधन करते हैं। ऐसे में स्वचालित एल्गोरिद्म और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियाँ कभी-कभी गलत निर्णय भी ले सकती हैं। किंतु प्रश्न केवल त्रुटि का नहीं, बल्कि उसके निवारण की पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और संस्थागत प्रक्रिया का है।यहीं से एल्गोरिद्मिक पारदर्शिता और डिजिटल जवाबदेही जैसे सिद्धांत अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाते हैं। यदि कोई एल्गोरिद्म यह तय करता है कि कौन-सी सामग्री दिखाई जाएगी, कौन-सी सीमित होगी और कौन-सी हटाई जाएगी, तो लोकतांत्रिक समाज यह जानना चाहेगा कि वह निर्णय किन मानकों पर आधारित था।आधुनिक लोकतंत्र में तकनीकी निर्णय भी सार्वजनिक उत्तरदायित्व से मुक्त नहीं हो सकते। साथियों, इस विवाद ने भारत में स्वदेशी सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म विकसित करने की मांग को भी बल दिया। अनेक विशेषज्ञों का मत है कि जिस प्रकार भारत ने डिजिटल भुगतान, आधार, यूपीआई और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के क्षेत्र में वैश्विक मॉडल प्रस्तुत किया है,उसी प्रकार भविष्य में सुरक्षित, पारदर्शी और भारतीय कानूनों के अनुरूप सोशल मीडिया पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की दिशा में भी गंभीर प्रयास किए जा सकते हैं। हालांकि यह भी उतना ही आवश्यक है कि कोई भी नया प्लेटफ़ॉर्म अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, गोपनीयता और प्रतिस्पर्धा के सिद्धांतों का सम्मान करे।यह विवाद केवल भारत तक सीमित नहीं है। यूरोपीय संघ ने डिजिटल सर्विसेज़ एक्ट, डिजिटल मार्केट्स एक्ट और एआई एक्ट जैसे व्यापक कानूनों के माध्यम से बड़ी तकनीकी कंपनियों पर पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने का प्रयास किया है। अमेरिका में भी सामग्री मॉडरेशन, प्रतिस्पर्धा, डेटा सुरक्षा और प्लेटफ़ॉर्म की शक्ति को लेकर लगातार बहस जारी है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्राज़ील तथा अनेक अन्य लोकतांत्रिक देशों ने भी डिजिटल प्लेटफ़ॉर्मों की भूमिका पर नए नियामकीय ढाँचे सटीकता से विकसित किए हैं।

-संकलनकर्ता लेखक-क्र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी)

स्वतंत्र वही हो सकता है जो अपना काम अपने आप कर लेता है।
- विनोबा भावे

समय और बुद्धि बड़े से बड़े शोक को भी कम कर देते हैं।
- कहावत

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः आषाढ़ महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि सुबह लगभग 09:25 बजे समाप्त हो जाएगी, जिसके बाद द्वितीया तिथि शुरू होगी। दोपहर लगभग 12:00 बजे से 12:54 बजे तक (नया काम शुरू करने के लिए दिन का सबसे शुभ समय)। राहुकालः दोपहर 01:30 बजे से 03:00 बजे के बीच शुभ कार्य करने से बचें।

आज जन्म लिए बालक का फल...

मकर राशि में जन्म होने के कारण बच्चा शांत, गंभीर, अनुशासित और व्यावहारिक सोच वाला होगा। उसमें बचपन से ही जिम्मेदारियों को समझने और मेहनत करने का गुण रहेगा। बच्चा प्रबंधन, अनुसंधान, कानून, सिविल सर्विसेज, तकनीकी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगा।

मेषः व्यापार में सावधानी रखें। वाद-विवाद से दूर रहें।

वृषभः करियर में सफलता मिलेगी। आय और खर्च में संतुलन बनाकर चलें।

मिथुनः खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है। उधार देने से बचें, लेकिन करियर में लाभ होगा।

कर्कः धन की स्थिति में बड़ा सुधार होगा। नई ऊर्जा से काम शुरू करेंगे।

सिंहः कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता मिलेगी। आत्मविश्वास और पराक्रम बढ़ेगा।

कन्याः घर-परिवार में शांति रहेगी। खुशखबरी मिल सकती है, बड़े फैसले सोच-समझकर लें।

तुलाः भाई-बहनों से सहयोग मिलेगा। वित्तीय मामलों में भावुक होकर निर्णय न लें।

वृश्चिकः भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

धनुः स्वास्थ्य में थोड़ा उतार-चढ़ाव रह सकता है। मानसिक शांति बनाए रखें।

मकरः अधिकारियों के सहयोग से नौकरी में बड़ी सफलता और लाभ के योग हैं।

कुंभः शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होगा। कार्यों में मनचाही प्रगति होगी।

मीनः रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। मानसिक रूप से शांत महसूस करेंगे।

सावधान! घर बैठे कमाई वाला वो एक मैसेज आपको बना सकता है डिजिटल गुलाम

दिलीप कुमार पाठक

(30 जुलाई (मानव तस्करी विरोधी दिवस)

घर बैठे मोबाइल से कमाएं रोज के पांच हजार रुपए! आजकल फेसबुक, इंस्टाग्राम या व्हाट्सएप खोलते ही ऐसे लुभावने मैसेज हर तरफ तैरते हुए दिख जाते हैं। मंदी और बेरोजगारी के इस दौर में जब जेब तंग हो, तो ऐसे विज्ञापन किसी वरदान या लॉटरी जैसे लगते हैं। लेकिन जरा ठहरिए! जिस लिंक पर आप एक क्लिक करने जा रहे हैं, वो आपको अमीर बनाने का रास्ता नहीं, बल्कि एक ऐसे दलदल का रास्ता है जहाँ से आप कंगाल और बर्बाद होकर ही बाहर निकलेंगे। हर साल 30 जुलाई को दुनिया भर में मानव तस्करी के खिलाफ विश्व दिवस मनाया जाता है। जब भी हम मानव तस्करी का नाम सुनते हैं, तो हमारे दिमाग में पुरानी फिल्मों जैसा कोई सीन आता है - जैसे किसी का जबरन किडनैप कर लेना, किसी मासूम को बंधक बनाकर मजदूरी कराना या भीख मंगवाना। लेकिन आज के इस चमचमाते डिजिटल जमाने में अपराधियों ने अपना तरीका पूरी तरह बदल लिया है। आज का सबसे नया और खतरनाक सच है साइबर स्लेवरी यानी डिजिटल गुलामी। अब इंसानों को किसी अंधेरी कोठरी में नहीं, बल्कि कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बैठाकर इंटरनेट की अदृश्य जंजीरों से गुलाम बनाया जा रहा है। इस पूरे काले खेल की शुरुआत बहुत ही सीधे और मासूम तरीके से होती है। आपको व्हाट्सएप पर एक अनजान नंबर से मैसेज आएगा कि यूट्यूब वीडियो लाइक करो और घर बैठे पैसे कमाओ। आप उनके कहे अनुसार वीडियो लाइक करते हैं और आपके खाते में सचमुच 200-300 रुपए आ भी जाते हैं। यहाँ पर बड़ी चालाकी से आपका भरोसा जीत लिया जाता है। इसके बाद असली जाल बिछाया जाता है। वो आपसे कहेंगे कि अगर और ज्यादा मोटी कमाई करनी है, तो आपको थोड़ा पैसा इन्वेस्ट करना होगा। घर बैठे रातों-रात अमीर बनने के लालच में लोग अपनी जिंदगी भर की जमा-पूंजी, यहाँ तक कि कर्ज लेकर या घर के गहने बेचकर लाखों रुपए इन फर्जी वेबसाइट्स पर लगा देते हैं। जब तक हमें समझ आता है कि हम पूरी तरह लुट चुके हैं, तब तक स्क्रीन के उस पार बैठा ठग अपना डिजिटल बोरिया-बिस्तर समेटकर गायब हो चुका होता है। यह तो इस गंदे खेल का सिर्फ एक हिस्सा है।

इसका दूसरा और सबसे डरावना रूप वो है जो हमारे देश के पढ़े-लिखे युवाओं के साथ विदेशों में हो रहा है। कंबोडिया, म्यांमार और थाईलैंड जैसे देशों में डेटा एंट्री या कंप्यूटर ऑपरेटर की आलीशान नौकरी का लालच देकर भारतीय लड़कों को बुलाया जाता है। वहां पहुंचते ही उनके पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं और उन्हें बंदूक की नोक पर बड़ी-बड़ी इमारतों में बंद कर दिया जाता है। इसके बाद उनसे जबरन भारत में बैठे मासूम लोगों को फोन करके या मैसेज भेजकर ठगने का काम कराया जाता है। जो युवा ऐसा करने से मना करते हैं, उन्हें कई-कई दिनों तक भूखा रखा जाता है, लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटा जाता है और करंट के झटके दिए जाते हैं। यानी हमारे ही देश के बेरोजगार लड़कों को बंधक बनाकर, उन्हीं के हाथों दूसरे भारतीयों को लुटवाया जा रहा है। यह स्थिति बेहद भयानक है। सरकार और पुलिस अपनी तरफ से कोशिश कर रही हैं, लेकिन सिर्फ पुलिस के भरोसे इस अदृश्य दुश्मन से नहीं जीता जा सकता। इस डिजिटल गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का एक ही तरीका है - हमारी खुद की समझदारी। हमें यह छोटी सी बात समझनी होगी कि दुनिया में कोई भी कंपनी बिना किसी मेहनत या बिना किसी इंटरव्यू के घर बैठे मुफ्त में पैसे नहीं बांटती। अगर कोई ऑफर जरूरत से ज्यादा अच्छा लग रहा है, तो समझ जाइए कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। अगर कभी अनजाने में आप ऐसे किसी जाल में फंस जाएं या आपके साथ कोई ऑनलाइन फ्रॉड हो जाए, तो डरने या समाज के डर से छिपने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। सरकार ने इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। ऐसी स्थिति में तुरंत भारत सरकार के राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें।

शिक्षकों का सम्मान या प्रशासनिक उपेक्षा!

कुमार कृष्णन

वेतन भुगतान की असमान व्यवस्था केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि शिक्षा और लोकतंत्र की विश्वसनीयता का भी प्रश्न है। किसी भी समाज की गुणवत्ता का आकलन उसके विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और शिक्षकों की स्थिति से किया जाता है। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाला कर्मचारी नहीं होता, वह आने वाली पीढ़ियों का निर्माता होता है। इसलिए जिस राज्य में शिक्षक वर्षों तक वेतन के लिए संघर्ष करने को विवश हों, वहां केवल एक कर्मचारी का अधिकार प्रभावित नहीं होता, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की नैतिकता और शासन की संवेदनशीलता भी कटघरे में खड़ी हो जाती है। बिहार लंबे समय से शिक्षा सुधारों, नियुक्तियों और विद्यालयी विस्तार के लिए चर्चा में रहा है। लाखों शिक्षकों की नियुक्ति ने विद्यालयों में बच्चों की पहुंच तो बढ़ाई, लेकिन समानांतर रूप से वेतन भुगतान, सेवा शर्तों और प्रशासनिक व्यवस्था की जटिलताएं भी बढ़ती गईं। इसका परिणाम यह हुआ कि एक ही शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत शिक्षकों के बीच अनेक श्रेणियां बन गईं। किसी को नियमित वेतन समय पर मिलता है, किसी का भुगतान अनुदान पर निर्भर है, किसी को महीनों और वर्षों तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। इसी असमान व्यवस्था की ओर तत्कालीन बिहार विधान परिषद सदस्य डॉ. संजीव कुमार सिंह ने अप्रैल 2020 में बिहार सरकार का ध्यान आकृष्ट किया था। पत्र में उन्होंने विस्तार से बताया कि शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों तक अनेक प्रकार के शिक्षक कार्यरत हैं। इनमें कुछ को सीधे राजकोष से नियमित वेतन मिलता है, जबकि बड़ी संख्या में ऐसे शिक्षक हैं जिनका वेतन स्थापना एवं प्रतिबद्ध व्यय या अनुदान की जटिल प्रशासनिक प्रक्रिया पर निर्भर करता है। पत्र का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें समस्या का केवल वर्णन नहीं, बल्कि उसका प्रशासनिक कारण भी स्पष्ट किया गया है। लेखक ने बताया कि जिन शिक्षकों का भुगतान अनुदान के माध्यम से होता है, उनके मामले में पहले विभिन्न स्तरों पर स्वीकृति, फिर अनुदान निर्गत होने और उसके बाद भुगतान की प्रक्रिया पूरी होती है। इस पूरी प्रक्रिया में कई-कई महीने लग जाते हैं। कई बार शिक्षक पांच से आठ वर्षों तक नियमित वेतन से वंचित रहते हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक कठिनाई नहीं है। वेतन किसी कर्मचारी के लिए केवल आय का साधन नहीं, बल्कि उसके सम्मान, आत्मविश्वास और सामाजिक सुरक्षा का आधार भी है। जिस शिक्षक को अपने परिवार का खर्च चलाने के लिए कर्ज लेना पड़े, बच्चों की पढ़ाई और इलाज के लिए संघर्ष करना पड़े, उससे उत्कृष्ट शिक्षा की अपेक्षा करना अपने आप में विरोधाभास है। शिक्षा का अधिकार केवल छात्रों का अधिकार नहीं है। यह शिक्षकों के सम्मान और सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। यदि शिक्षक स्वयं असुरक्षित रहेगा, तो वह विद्यार्थियों के भीतर आत्मविश्वास और भविष्य का निर्माण कैसे करेगा?

पत्र में एक और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आता है। लेखक ने शिक्षा विभाग के पुराने संकल्प संख्या 2561 (17 अप्रैल 1998) का उल्लेख करते हुए कहा कि स्थापना एवं प्रतिबद्ध व्यय के अंतर्गत आने वाले शिक्षकों के वेतन के लिए राज्य सरकार पहले से व्यवस्था कर चुकी है। यदि उसी व्यवस्था के अनुरूप समयबद्ध बजटीय प्रावधान किया जाए, तो भुगतान में होने वाली अनावश्यक देरी काफी हद तक समाप्त की जा सकती है। यहीं सबसे बड़ा प्रश्न खड़ा होता है। यदि समस्या का समाधान प्रशासनिक नियमों के भीतर संभव है, तो वर्षों तक हजारों शिक्षक वेतन के लिए संघर्ष क्यों करते रहे? क्या यह केवल प्रक्रियागत देरी है या प्रशासनिक इच्छाशक्ति का अभाव?

लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यही होती है कि वह अपने कर्मचारियों के साथ कितना न्यायपूर्ण व्यवहार करता है। विशेषकर उन कर्मचारियों के साथ, जो समाज के भविष्य का निर्माण कर रहे हों।

डॉ. संजीव कुमार सिंह के पत्र का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि वह केवल वेतन भुगतान की देरी की शिकायत नहीं करता, बल्कि शिक्षा विभाग के भीतर मौजूद उस संरचनात्मक असमानता की ओर संकेत करता है, जो वर्षों से हजारों शिक्षकों को दो अलग-अलग श्रेणियों में बाँटती रही है। एक ओर वे शिक्षक हैं, जिन्हें प्रत्येक माह निर्धारित समय पर राजकोष से वेतन प्राप्त हो जाता है, दूसरी ओर वे शिक्षक हैं, जिनका जीवन अनुदान की फाइलों, वित्तीय स्वीकृतियों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के बीच उलझा रहता है। प्रश्न यह है कि जब कार्य समान है, उत्तरदायित्व समान है और विद्यार्थियों के प्रति दायित्व समान है, तब वेतन भुगतान की व्यवस्था अलग-अलग क्यों हो?

भारतीय संविधान समानता के सिद्धांत पर आधारित है। अनुच्छेद 14 केवल कानून के समक्ष समानता की बात नहीं करता, बल्कि प्रशासनिक निर्णयों में भी निष्पक्षता और न्याय की अपेक्षा करता है। यदि एक ही विभाग में कार्यरत शिक्षकों के साथ केवल उनकी नियुक्ति की प्रकृति के आधार पर ऐसा व्यवहार किया जाए कि कोई शिक्षक प्रत्येक माह सम्मानपूर्वक वेतन पाए और कोई वर्षों तक प्रतीक्षा करे, तो यह स्थिति संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप नहीं कही जा सकती।

पत्र में उल्लेखित तथ्य और भी गंभीर हैं। इसमें बताया गया है कि कुछ अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों, इंटरमीडिएट संस्थानों तथा डिग्री महाविद्यालयों के शिक्षक पाँच से आठ वर्षों तक नियमित वेतन से वंचित रहे। यह केवल प्रशासनिक विलंब नहीं, बल्कि एक ऐसे वर्ग का आर्थिक और मानसिक शोषण है, जिसने अपने जीवन का सबसे उत्पादक समय विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने में लगाया। वेतन केवल जीविका का साधन नहीं होता। उसी से शिक्षक अपने परिवार का पालन-पोषण करता है, बच्चों की शिक्षा, माता-पिता का इलाज, सामाजिक दायित्व और भविष्य की योजनाएँ पूरी करता है। जब महीनों तक वेतन नहीं मिलता, तो उसके सामने सम्मानपूर्वक जीवन जीने का संकट खड़ा हो जाता है। अनेक शिक्षक ऋण लेने को विवश होते हैं, भविष्य निधि समय पर जमा नहीं हो पाती, बैंक की किश्तें चूक जाती हैं और मानसिक तनाव उनके पारिवारिक जीवन तक पहुँच जाता है। ऐसी परिस्थितियों में शिक्षक से पूरी एकाग्रता के साथ अध्यापन की अपेक्षा करना व्यावहारिक नहीं है। कोविड-19 महामारी के समय यह समस्या और भी गंभीर रूप में सामने आई थी। जब पूरा समाज स्वास्थ्य और आर्थिक संकट से जूझ रहा था, तब जिन शिक्षकों का वेतन पहले से लंबित था, उनके सामने अस्तित्व का प्रश्न खड़ा हो गया। ऐसे समय में सरकारों से अपेक्षा थी कि वे शिक्षा क्षेत्र को विशेष संवेदनशीलता के साथ देखें, क्योंकि संकट समाप्त होने के बाद समाज का पुनर्निर्माण भी शिक्षा के माध्यम से ही होना था। पत्र में एक महत्वपूर्ण सुझाव भी दिया गया है। उसमें 17 अप्रैल 1998 के शिक्षा विभाग के संकल्प संख्या 2561 का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि यदि स्थापना एवं प्रतिबद्ध व्यय की श्रेणी में आने वाले शिक्षकों के लिए वित्तीय आवंटन वर्ष की शुरुआत में ही सुनिश्चित कर दिया जाए, तो भुगतान की अधिकांश समस्याएँ समाप्त हो सकती हैं। यह सुझाव प्रशासनिक दृष्टि से भी व्यवहारिक प्रतीत होता है। जब व्यय पूर्वनिर्धारित है और शिक्षकों की संख्या भी निश्चित है, तब प्रत्येक वर्ष वेतन भुगतान को अनिश्चितता के भरोसे छोड़ना वित्तीय अनुशासन का संकेत नहीं माना जा सकता। दुर्भाग्य यह है कि शिक्षा जैसी बुनियादी व्यवस्था में भी कई बार प्राथमिकताएँ उलट जाती हैं। भवन निर्माण, योजनाओं की घोषणाएँ और नए कार्यक्रम सुर्खियाँ बनते हैं, लेकिन शिक्षकों के नियमित वेतन जैसी मूलभूत आवश्यकता अक्सर प्रशासनिक फाइलों में उलझकर रह जाती है। जबकि शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता का पहला आधार शिक्षक का मनोबल होता है, और मनोबल का सबसे महत्वपूर्ण आधार आर्थिक सुरक्षा। शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों और भवनों से नहीं चलती; वह शिक्षक के आत्मसम्मान, सामाजिक प्रतिष्ठा और कार्य-संतोष से संचालित होती है। यदि शिक्षक स्वयं असुरक्षित होगा, तो वह विद्यार्थियों के भीतर आत्मविश्वास, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण की चेतना कैसे विकसित करेगा? इसलिए वेतन भुगतान की समस्या को केवल वित्त विभाग का विषय मानना भूल होगी। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सावन : आस्था, प्रकृति और शिव भक्ति का पावन संगम

उदय कुमार सिंह

भारतीय सनातन संस्कृति में श्रावण मास, जिसे सामान्य रूप से सावन कहा जाता है, धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से वर्ष का सबसे पवित्र महीना माना जाता है। वर्षा ऋतु के मध्य आने वाला यह महीना केवल प्राकृतिक सौंदर्य और हरियाली का ही प्रतीक नहीं है, बल्कि भक्ति, तप, संयम, लोकजीवन और सामाजिक समरसता का भी संदेश देता है। हिंदू धर्म में मान्यता है कि सावन का प्रत्येक दिन भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष फलदायी होता है। यही कारण है कि पूरे महीने देशभर के शिवालयों में जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, कांवड़ यात्रा, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों की धूम रहती है। सावन को 'पावस ऋतु' का प्रमुख महीना भी कहा जाता है। इस दौरान वर्षा से धरती हरी-भरी हो जाती है, खेत-खलिहानों में नई जान आ जाती है और प्रकृति अपने सबसे सुंदर स्वरूप में दिखाई देती है। भारतीय संस्कृति में प्रकृति और अध्यात्म का गहरा संबंध माना गया है। इसलिए श्रावण मास को प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और ईश्वर के प्रति समर्पण का पर्व भी कहा जाता है।

30 जुलाई से प्रारंभ होगा श्रावण मासहिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि 29 जुलाई की रात 8 बजकर 5 मिनट से प्रारंभ होकर 30 जुलाई की रात 9 बजकर 30 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार श्रावण मास का आरंभ 30 जुलाई 2026 से होगा और इसका समापन 28 अगस्त 2026 को श्रावणी पूर्णिमा के साथ होगा। इस वर्ष सावन 31 दिनों का रहेगा। श्रावण मास में कुल चार सावन सोमवार पड़ेंगे। पहला सावन सोमवार 3 अगस्त, दूसरा 10 अगस्त, तीसरा 17 अगस्त और चौथा 24 अगस्त को होगा। इन दिनों भगवान शिव के जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और व्रत-पूजन का विशेष महत्व माना गया है। देशभर के प्रमुख शिवालयों में लाखों श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचेंगे।

शास्त्रों में वर्णित है सावन का महत्व

शास्त्रों में कहा गया है— श्रावणे मासि यो भक्त्या शिवलिंगं प्रपूजयेत्। सर्वपापविनिर्मुक्तः शिवलोकं स गच्छति।। अर्थात जो श्रद्धापूर्वक श्रावण मास में शिवलिंग की पूजा करता है, वह समस्त पापों से मुक्त होकर अंततः शिवलोक को प्राप्त करता है।

शिव पुराण, स्कंद पुराण तथा लिंग पुराण में श्रावण मास को भगवान शिव की आराधना के लिए सर्वोत्तम समय बताया गया है। धार्मिक मान्यता है कि इस महीने में किए गए जप, तप, व्रत, दान और ध्यान का फल कई गुना बढ़ जाता है। शिव पुराण के अनुसार श्रावण मास में शिवलिंग पर जल, गंगाजल, दूध, दही, घी, शहद, शक्कर, बेलपत्र, धतूरा और भांग अर्पित करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं तथा साधक को विशेष पुण्यफल की प्राप्ति होती है।

भगवान शिव का सर्वाधिक प्रिय माहपौराणिक कथाओं के अनुसार, श्रावण मास भगवान शिव का सबसे प्रिय महीना माना जाता है। मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए अनेक वर्षों तक कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने श्रावण मास में उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया। तभी से यह महीना शिव-पार्वती के दिव्य मिलन और अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। एक अन्य मान्यता के अनुसार भगवान शिव श्रावण मास में पृथ्वी लोक पर अपनी ससुराल आते हैं। उनके स्वागत में जलाभिषेक और विशेष पूजा की परंपरा प्रारंभ हुई, जो आज भी श्रद्धापूर्वक निभाई जाती है। समुद्र मंथन और नीलकंठ की कथाश्रावण मास का संबंध समुद्र मंथन की कथा से भी जोड़ा जाता है। पुराणों के अनुसार समुद्र मंथन के समय निकले कालकूट विष से संपूर्ण सृष्टि संकट में पड़ गई थी। संसार की रक्षा के लिए भगवान शिव ने उस विष का पान कर उसे अपने कंठ में धारण कर लिया। विष के प्रभाव से उनका कंठ नीला हो गया और तभी से वे 'नीलकंठ' कहलाए। मान्यता है कि विष की उष्णता को शांत करने के लिए देवी-देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। तभी से श्रावण मास में शिवलिंग पर जल अर्पित करने की परंपरा विशेष रूप से प्रचलित हुई। सावन सोमवार का विशेष महत्वश्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को 'सावन सोमवार' कहा जाता है। इन दिनों भगवान शिव के व्रत और पूजा का विशेष विधान है। विवाहित महिलाएं पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए व्रत रखती हैं, जबकि अविवाहित युवतियां मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा करती हैं। श्रद्धालु प्रातःकाल स्नान के बाद शिवालयों में जलाभिषेक करते हैं, रुद्राभिषेक कराते हैं तथा 'ॐ नमः शिवाय' और महामृत्युंजय मंत्र का जप करते हैं। मान्यता है कि सावन सोमवार का व्रत करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। रुद्राभिषेक और पूजन सामग्री का महत्वश्रावण मास में रुद्राभिषेक का भी विशेष महत्व बताया गया है। श्रद्धालु शिवलिंग का अभिषेक जल, गंगाजल, दूध, दही, घी, शहद, शक्कर तथा गन्ने के रस से करते हैं। इसके बाद बेलपत्र, शमीपत्र, दूर्वा, कुश, धतूरा, भांग, आक के पुष्प तथा श्रीफल अर्पित किए जाते हैं।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादकः Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादकः राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफः राजीव रंजन। बिहार प्रभारीः संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, गुरुवार, 30 जुलाई, 2026

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में बच्चे की पोखर में डूबने से मौत

हाजीपुर। वैशाली जिले के गरौल थाना क्षेत्र में बुधवार को एक पांच वर्षीय बच्चे की पोखर में डूबने से मौत हो गई। इस घटना के बाद परिवार में मातम छा गया। गरौल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। मृतक की पहचान हरपुर अड़रा गांव निवासी नट मो. आलम के पांच वर्षीय पुत्र मो. इबराज के रूप में हुई है। वह अपने दादा मो. खुर्शीद के साथ शौच के लिए घर से निकला था। परिजनों के अनुसार, असदपुर मैभरा और हरपुर अड़रा के सीमावर्ती चौर स्थित एक पोखर के पास इबराज का पैर फिसल गया। वह गहरे पानी में चला गया और जब तक आसपास के लोग कुछ समझ पाते, वह डूब चुका था। काफी देर की खोजबीन के बाद ग्रामीणों ने बच्चे को पोखर से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मासूम की मौत की खबर सुनते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। सूचना मिलने पर गरौल थाना पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पोखरों के आसपास सुरक्षा के इंतजाम करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

बंद घर में फंदे से लटका मिला सड़ा-गला शव, वैशाली में दुर्गंध आने पर ग्रामीणों को हुई आशंका

हाजीपुर। वैशाली के राजापाकर थाना क्षेत्र के बैकुंठपुर गांव में अधेड़ व्यक्ति का शव उसके बंद घर में फंदे से लटका मिला। शव से तेज दुर्गंध आने के बाद ग्रामीणों को घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही राजापाकर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मौजूदगी में घर का दरवाजा खोला गया। अंदर करीब 50 वर्षीय व्यक्ति का शव गले में रस्सी के सहारे फंदे से लटका हुआ था। शव काफी हद तक सड़-गल चुका था, जिससे पूरे इलाके में दुर्गंध फैल गई थी। मृतक की पहचान बैकुंठपुर निवासी स्वर्गीय जगरनाथ पासवान के बेटे गरीबन पासवान (50) के रूप में हुई है। बताया गया कि वह फेरी लगाकर ब्रेड बेचकर अपना जीवनयापन करते थे और घर में अकेले रहते थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, गरीबन पासवान पिछले दो-तीन दिनों से गांव में दिखाई नहीं दे रहे थे। शुरुआत में किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया, लेकिन जब घर से बदबू आने लगी तो लोगों को किसी अनहोनी की आशंका हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया है। राजापाकर थाना पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

'बेटी की पीट-पीटकर हत्या, शव नदी में फेंका'

हाजीपुर। हाजीपुर, वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के नयाटोला मधुरापुर गांव में एक 35 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान सुंदरी देवी के रूप में हुई है, जो अनिल राय की पत्नी थीं। यह घटना मंगलवार देर रात की बताई जा रही है। मृतका के पिता अशरफी राय, जो सरायपुर (गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र) के निवासी हैं, ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की पीट-पीटकर हत्या की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को सिक्स लेन पुल से नदी में फेंक दिया गया। अशरफी राय के अनुसार, मृतका का पति अनिल राय नशे का आदी था और अक्सर सुंदरी देवी के साथ मारपीट करता था। सुंदरी देवी अपने पीछे दो छोटे बच्चों, एक बेटा और एक बेटी, को छोड़ गई हैं। घटना की सूचना मिलने पर मायके पक्ष के लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंचे और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। थाना प्रभारी रवि प्रकाश के नेतृत्व में पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद है और मामले की गहन जांच में जुटा है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद से ससुराल पक्ष के सभी सदस्य घर छोड़कर फरार हो गए हैं। पुलिस उनकी तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक जांच और अन्य जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर ही हो पाएगा। फिलहाल, मृतका के पिता के आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। हत्या के आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

बिदुपुर सीएचसी से बाइक चोरी, निजी सुरक्षा गार्ड की गाड़ी ले गए चोर, 10 दिन में दूसरी घटना

हाजीपुर। बिदुपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) के प्रांगण से मंगलवार दोपहर करीब दो बजे एक निजी सुरक्षा गार्ड की मोटरसाइकिल चोरी हो गई। चोर दिनदहाड़े घटना को अंजाम देकर फरार हो गया। यह बिदुपुर CHC परिसर में 10 दिनों के भीतर हुई मोटरसाइकिल चोरी की दूसरी घटना है। जानकारी के अनुसार, खिलवत निवासी निजी सुरक्षाकर्मी मुकेश कुमार की मोटरसाइकिल चोरी हुई है। उन्होंने इस संबंध में थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। चोरी की यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें चोर मोटरसाइकिल लेकर भागता हुआ स्पष्ट दिख रहा है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब बिदुपुर थाना CHC से लगभग 300-400 फीट की दूरी पर स्थित है। लगभग दस दिन पहले भी इसी परिसर से स्वास्थ्यकर्मी शंभू कुमार की मोटरसाइकिल चोरी हुई थी। इसके अतिरिक्त, पांच दिन पूर्व अंचल कार्यालय परिसर से अंचल कर्मचारी चंद्रजीत की मोटरसाइकिल भी चोरी कर ली गई थी। इससे पहले बिशनपुर राजखंड गांव में मदनेश सिंह के घर के पास से मथुरा निवासी रुदल राय की मोटरसाइकिल भी एक भोज के दौरान चोरी हो गई थी। इन लगातार हो रही चोरियों से स्थानीय लोगों में पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस अब तक इनमें से किसी भी मामले का खुलासा करने में विफल रही है।

राजमिस्त्री की 110 किमी दूर समस्तीपुर में मिली लाश

मुजफ्फरपुर। समस्तीपुर के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के सिंघिया घाट के पास बुधवार सुबह बूढ़ी गंडक नदी में उपलाता हुआ एक शव मिला। मृतक की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के मिठनपुरा केएमसीएच के पास रहने वाले राम भजन भगत के बेटे 50 साल के रंजीत भगत के रूप में की गई है। शव मिलने के बाद विभूतिपुर पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। घटना के संबंध में मृतक के भतीजा राजू कुमार ने बताया कि उनके चाचा रंजीत भगत राजमिस्त्री का काम करते थे। 25 जुलाई को वह मुजफ्फरपुर के अखाड़ा घाट पर स्नान कर रहे थे। नदी में पानी बढा हुआ था। स्नान करने के दौरान वह गहरे पानी में चले गए थे। इसी दौरान डूबने से उनकी मौत हो गई। राजू ने बताया कि चाचा के डूबने की खबर के बाद हम लोग उनकी तलाश कर रहे थे, लेकिन कुछ पता नहीं चला। उन्होंने कहा कि घटना के बाद प्रशासनिक स्तर पर खोजबीन की गई थी, लेकिन कुछ भी पता नहीं चल रहा था। मृतक के भतीजा ने बताया कि परिवार के लोग बांध के रास्ते शव को खोजते हुए आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान पूसा के आसपास ग्रामीणों ने बताया कि नदी की तेज धारा में एक शव को बहते हुए देखा था, जो समस्तीपुर की ओर गया है। जानकारी के बाद हम लोग शव को खोजते हुए सिंघिया पहुंचे तो नदी किनारे एक शव उपला रहा था। बाहर निकाला गया तो वो मेरे चाचा का शव था। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस की ओर से शव का पंचनामा बनाया गया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। विभूतिपुर थाना अध्यक्ष ने बताया कि बूढ़ी गंडक नदी में उपलाता एक अधेड़ का शव मिला है। मृतक मुजफ्फरपुर का रहने वाला था। शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। मृतक के परिजन भी आ गए हैं। पोस्टमॉर्टम के बाद उन्हें शव सौंप दिया जाएगा।

प्रदर्शनकारियों की रिहाई-सुबह से जेलों के बाहर खड़े लोग

एजेंसी, पटना

सरकार के आदेश के बाद बिहार की जेलों से आज प्रदर्शनकारियों की रिहाई होगी। छात्रों के परिवार के लोग जेलों के बाहर पहुंचे हैं। कल देर शाम तेजप्रताप यादव को बेऊर जेल से रिहा किया गया है। आज बिहार की बाकी जेलों में बंद प्रदर्शनकारियों को रिहा किया जाएगा। सीतामढ़ी से अपने बेटे को जेल से रिहा कर ले जाने पटना पहुंचे राजकुमार ने बताया कि बिहार में 25 जुलाई को हुए प्रोटेस्ट में उनके बेटे को भी कोचिंग से वापस लौटने के दौरान पुलिस ने उठाकर बेउर जेल भेज दिया गया था। जानकारी मिली थी कि मंगलवार रात को वो जेल से रिहा हो जाएगा। बुधवार सुबह से ही मैं जेल के पास बेटे के जेल से रिहा होने का इंतजार कर रहा हूं।

पटना से बेउर जेल पहुंचे मोहम्मद वसीर ने बताया कि बिहार बंद के दौरान उनका ममेरा भाई क्लीनिक से बाहर निकल रहा था। पुलिस ने जबरन उनके भाई को उठा लिया और फिर बाद में उन्हें जेल भेज दिया गया। उन्हें यह सूचना मिली कि बुधवार को उनके भाई की जेल से रिहाई होगी और इसे लेकर वह बेउर जेल पहुंचे हैं।

राहुल गांधी से छात्र बोला- गोली लगने से हाथ नहीं उठ रहा: राहुल गांधी ने NEET प्रोटेस्ट में घायल छात्र से फोन पर बातकर उसका हाल जाना। सीवान में प्रदर्शन में घायल आकाश यादव का पटना के अस्पताल में इलाज चल रहा है। राहुल ने पूछा कि आप कैसे हैं। आकाश ने कहा कंधे पर गोली लगी है भइया, हाथ काम नहीं कर रहा है। राहुल गांधी ने पूछा कि स्थिति ज्यादा खराब तो नहीं है आपकी। इस पर छात्र ने कहा कि नहीं, ठीक है। राहुल गांधी ने स्टूडेंट से कहा कि आप अपना ध्यान रखिएगा। हम आपके साथ हैं।

NEET पेपर लीक को लेकर बिहार में हुए प्रोटेस्ट में रूस से एक वीडियो सामने आया है। किशनगंज जिले के सतमेरी कुलभिटा पंचायत के रहने वाले कोनन राही ने अपने ऊपर दर्ज मामले पर सवाल उठाए हैं। वीडियो में कोनन राही ने दावा किया है कि NEET पेपर लीक के विरोध में बहादुरगंज में हुए प्रदर्शन के दौरान वह मौके पर मौजूद नहीं था। उसने मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए प्रशासन से FIR की समीक्षा करने की अपील की है। हालांकि, इस संबंध में प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

राहुल से छात्र बोला- गोली लगी है, रूस से वीडियो भेजकर युवक ने पूछा- मुझपर एफआईआर क्यों

NEET-UG पेपर लीक को लेकर दो दिनों के प्रदर्शन में पटना समेत 20 जिलों में कुल 64 FIR दर्ज की गई थी। सोमवार को राज्य सरकार की तरफ से गृह विभाग ने सारे केस खत्म करने और गिरफ्तार सभी लोगों को छोड़ने की घोषणा की थी। इसके तुरंत बाद पुलिस मुख्यालय हरकत में आया। सोमवार को ही जिलावार FIR की लिस्ट गृह विभाग को भेज दिया।

पप्पू यादव बोले-कंगना को सदन से निकाल अरेस्ट किया जाए

एजेंसी, पटना

सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने नई पीढ़ी की भारतीय महिलाओं को गटर कहा है। कंगना ने कहा कि कुछ महिलाएं स्वतंत्रता के नाम पर नशा करना, शराब पीना और अनगिनत पुरुषों के साथ संबंध बनाना आधुनिकता और आजादी समझती हैं। कंगना के इस बयान पर पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, "उसे सदन से निष्कासित किया जाए। उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया जाए। प्रधानमंत्री Gen Z को फ्रेंड्स कहते हैं और यह उन्हें 'गटर जनरेशन' और 'गद्दार' कहती हैं।"

कंगना ने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन से लिखा- सबसे शर्मनाक बात उन युवा हिंदू महिलाओं का व्यवहार है, जो स्वतंत्र और करियर बनाने वाली महिलाओं की जिंदगी की नकल करना चाहती हैं, लेकिन उस आजादी के साथ आने वाली जिम्मेदारियों को नहीं निभाना चाहतीं। असल में स्वतंत्र महिलाएं विद्रोही फैसले लेती हैं, बेबाक राय रखती हैं, परंपराओं से हटकर करियर चुनती हैं और अपने हर फैसले की पूरी जिम्मेदारी भी उठाती हैं। उन्हें

अपने कर्मों की कीमत खुद चुकानी पड़ती है। वे अपने माता-पिता या परिवार की कीमत पर ऐसा नहीं करतीं।

कंगना ने आगे लिखा, "आज तथाकथित वेस्टर्न सोच से प्रभावित भारतीय महिलाओं की एक नई पीढ़ी सामने आई है। मैं इन्हें 'गटर जेनरेशन' कहती हूं। इनमें से कुछ के पास समाज को देने के लिए कुछ भी नहीं है। वे पढ़ाई में अच्छी नहीं हैं, लेकिन इतनी बदसूरत सोच और भ्रष्ट मानसिकता रखती हैं कि अच्छी हाउसवाइफ भी नहीं बन सकतीं। इसके बावजूद वे अपनी तथाकथित आजादी का दिखावा करती हैं।"

एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद ने कहा, "एक छोटी-सी याद दिला दूं, आजाद जीवन कमाना पड़ता है। अगर बिना जिम्मेदारी उठाए स्वतंत्र बनने की कोशिश करोगे, तो तुम सिर्फ एक विकृत मानसिकता वाले इंसान हो, 'गटर छाप'।"

13 जिलों में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट

एजेंसी, पटना

बिहार में मौसम विभाग ने आज 13 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में आकाशीय बिजली को लेकर विशेष रूप से चेतावनी जारी की गई है।

राज्य के बाकी 25 जिलों में दिनभर तेज धूप और उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान करेगी। हालांकि, पटना समेत कुछ जिलों में बादल छाए रह सकते हैं। देर शाम कुछ इलाकों में हल्की बारिश की भी संभावना बन रही है।

मंगलवार शाम को पटना, खगड़िया समेत कई जिलों में तेज बारिश हुई। खगड़िया में बारिश के बाद कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन गई। बांका में आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान और एक मजदूर की मौत हो गई।

पटना में छाए रह सकते हैं बादल, अब तक 40% कम बारिश, 3°C तक बढ़ेगा तापमान

इस्कॉन में घूसे आतंकी, कैंपस में धमाका, एटीएस ने एक आतंकी को मार गिराया, दूसरे ने किया सरेंडर

एजेंसी, पटना

पटना के इस्कॉन मंदिर में बुधवार सुबह अचानक तीन संदिग्ध आतंकियों के अत्याधुनिक हथियारों और हैंड ग्रेनेड के साथ घुसे और गेट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों को मार गिराया। इसके बाद बम विस्फोट किया, जिससे मंदिर कैंपस में अफरा-तफरी मच गई। आतंकियों ने मंदिर परिसर के एक हिस्से पर कब्जा कर अंदर दो पुजारियों को बंधक बना लिया। इस घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली, जक्कनपुर, बुद्धा कॉलोनी SHO, मजिस्ट्रेट समेत 50 की संख्या में पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और मोर्चा संभाला है। साथ ही पटना ATS को भी मौके पर बुला लिया गया।

ATS के जवानों ने मंदिर परिसर का चारों ओर से घेर लिया। बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड, मेडिकल टीम, अग्निशमन विभाग और एंबुलेंस भी मौके पर पहुंचीं। धमाके की आवाज और भारी संख्या में पुलिसबल को देख मंदिर के बाहर लोगों की काफी भीड़ जमा हो गई थी। राहगीर खड़े होकर इस घटनाक्रम को देख रहे थे।

तीन में से एक आतंकी को किया ढेर: पटना ATS के जवानों ने मंदिर परिसर को चारों ओर से घेर लिया। इसके बाद सुरक्षाबलों की एक टुकड़ी ने मंदिर के भीतर प्रवेश किया। मंदिर की सीढ़ियों पर पहुंचते ही आतंकियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू की। फिर जवानों ने मोर्चा संभालते हुए जवाबी फायरिंग की। इस दौरान जवानों ने एक आतंकी को मार गिराया।

दूसरा आतंकी ने किया सरेंडर, तीसरे को जवानों ने घेरा: पटना ATS जवान जब मंदिर के ऊपरी हिस्से में पहुंचे तो एक आतंकी ने खुद को घिरा देख हथियार डालकर सरेंडर कर दिया। तीसरा आतंकी भी मंदिर के भीतर मौजूद था, जिसने दो पंडितों को बंधक बनाकर रखा था। ATS के जवान आगे की कार्रवाई करते हुए तीसरे आतंकी को भी पकड़ लिया और पुजारियों को मुक्त कराया।

गुरु पूर्णिमा पर बाबा उमानाथ मंदिर में भीड़ श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर की शिव आराधना

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बाढ़ स्थित प्राचीन बाबा उमानाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही बड़ी संख्या में भक्तों ने उत्तरायणी गंगा तट पर पवित्र स्नान किया। इसके बाद उन्होंने बाबा उमानाथ का जलाभिषेक कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

इस दौरान श्रद्धालुओं ने अपने गुरुओं के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनका आशीर्वाद भी लिया। मंदिर परिसर और गंगा घाट पर दिनभर भक्तों की चहल-पहल बनी रही। दूर-दराज से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे। पूरे परिसर में 'हर-हर महादेव' के जयघोष और धार्मिक भजनों से भक्तिमय वातावरण छाया रहा।

मंदिर के पुजारी मुन्ना पाण्डेय ने बताया कि आषाढ़ मास की पूर्णिमा का विशेष धार्मिक महत्व है। इसी पूर्णिमा के बाद भगवान भोलेनाथ को समर्पित पवित्र श्रावण मास की शुरुआत होती है, जिसके साथ ही श्रावणी मेले का भी शुभारंभ हो जाता है। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा पर श्रद्धालु अपने गुरु का स्मरण कर सम्मान करते हैं और भगवान शिव की आराधना कर सुख, समृद्धि तथा कल्याण की कामना करते हैं।

पुजारी पाण्डेय ने यह भी बताया कि गुरु पूर्णिमा को महर्षि वेदव्यास जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। भारतीय संस्कृति में गुरु को ईश्वर के समान स्थान दिया गया है। यह दिन आध्यात्मिक और शैक्षणिक गुरुओं के प्रति सम्मान व कृतज्ञता व्यक्त करने की परंपरा का प्रतीक है।

गुरु पूर्णिमा के समापन के साथ ही अब बुधवार से बाबा उमानाथ मंदिर में श्रावणी मेले की शुरुआत हो गई है। सावन के पूरे महीने प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है, जबकि सोमवारी के दिनों में यह संख्या लाखों तक पहुंच सकती है। इसे देखते हुए स्थानीय प्रशासन और मंदिर समिति ने आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी हैं।

गुरु पूर्णिमा पर बिहटा के बीटेश्वर महाधाम में उमड़ी भीड़, मंदिर प्रशासन ने की विशेष तैयारियां

एजेंसी, पटना

बिहटा स्थित प्रसिद्ध बाबा बीटेश्वर महाधाम में बुधवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भारी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। सुबह से ही मंदिर परिसर में महिला और पुरुष श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं। सैकड़ों भक्तों ने भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए अपनी बारी का इंतजार किया। पूरे मंदिर परिसर में 'हर-हर महादेव' के जयघोष से वातावरण गूंज उठा।

आगामी सावन माह के लिए मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु कई विशेष व्यवस्थाएं की हैं। इनमें सुचारु दर्शन के लिए महिला और पुरुष श्रद्धालुओं हेतु अलग-अलग कतारों का प्रावधान है। साथ ही, जलाभिषेक के लिए अरघा की व्यवस्था भी की गई है, जिससे अर्पित जल सीधे बाबा बीटेश्वर नाथ के शिवलिंग तक पहुंचेगा।

राघोपुर निवासी निशांत कुमार ने बताया कि वे अपने परिवार के साथ बाबा बीटेश्वर नाथ के जलाभिषेक और दर्शन के लिए पहुंचे हैं। उन्होंने सुबह से ही मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति का उल्लेख किया।

मंदिर समिति के सदस्यों ने जानकारी दी कि पूरे

सावन माह में मंदिर परिसर की साफ-सफाई, सुरक्षा, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। समिति ने भक्तों से प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए शांतिपूर्वक दर्शन और जलाभिषेक करने की अपील की है।

मंदिर कमेटी के सदस्य गुड्डू कुमार सिंह ने पुष्टि की कि इस बार सुरक्षा और साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखा जाएगा। उन्होंने यह भी दोहराया कि महिला और पुरुषों के लिए अलग कतारों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

बांकीपुर उपचुनाव- ईवीएम के साथ रवाना हो रही पोलिंग पार्टियां

एजेंसी, पटना

बांकीपुर उपचुनाव के लिए कल वोटिंग होनी है। इसके लिए EVM के साथ पोलिंग पार्टियों को रवाना किया जा रहा है। वोटिंग से ठीक पहले जनसुराज के कैंडिडेट प्रशांत किशोर के खिलाफ पटना के शास्त्री नगर थाने में शिकायत हुई है। JDU MLC नीरज कुमार ने प्रशांत किशोर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। नीरज कुमार ने कहा कि राजनीति के अल्पज्ञानी के माथे पर बेताल आ बैठा है। विधानसभा चुनाव 2025 में जमानत जब्त कराने का रिकॉर्ड बनाने वाले खुद उम्मीदवार बन गए।

2 दिन पहले नीतीश कुमार ने एक वीडियो जारी कर के बांकीपुर की जनता से NDA के कैंडिडेट को जिताने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि 'बांकीपुर क्षेत्र के प्यारे मतदाताओं को मेरा प्रणाम। आप जानते हैं कि आपके विधानसभा क्षेत्र में 30 जुलाई को मतदान होगा।

आप सभी के विश्वास सहयोग और आशीर्वाद से हमने दो दशकों में न्याय के साथ विकास को पूरी ईमानदारी से धरातल पर उतारने का काम किया है।

विकास की इस गति को बनाए रखने और विकसित बिहार के निश्चय को पूरा करने के लिए आपका एक-एक वोट जरुरी है। आप सभी मतदाताओं से आग्रह है कि आप एनडीए के युवा उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को अपना आशीर्वाद दें और मतदान के दिन कमल छाप पर बटन दबाकर भारी मतों से विजयी बनाएं।' इस वीडियो को प्रशांत किशोर ने AI बताया था।

12 राजस्व अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू, भ्रष्टाचार और लापरवाही के आरोप

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने भ्रष्टाचार, लापरवाही और अनियमितता के मामलों में एक बार फिर सख्त कार्रवाई की है। विभाग ने 12 राजस्व अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की है। इनमें कुछ अधिकारियों के खिलाफ आरोप पत्र गठित किए गए हैं, कुछ की वेतन वृद्धि रोकी गई है, जबकि अन्य के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है।

राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने आज कहा कि राज्य सरकार विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार, लापरवाही और विभागीय निर्देशों की अनदेखी करने वाले अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ किसी भी तरह की नरमी नहीं बरती जाएगी। जनता को समय पर और पारदर्शी तरीके से राजस्व संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है।

इन अधिकारियों के खिलाफ आरोप पत्र गठित: विभाग की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, भू अर्जन कार्यालय, मुंगेर के राजस्व अधिकारी-सह-कानूनगो अरविंद कुमार, राघोपुर (वैशाली) के अंचल अधिकारी दीपक कुमार और बिस्फी (मधुबनी) की तत्कालीन अंचल अधिकारी वंदना कुमारी के खिलाफ विभागीय आरोप पत्र गठित किए गए हैं।

इन अधिकारियों पर लगा दंड: इसके अलावा गोपालगंज सदर के अंचल अधिकारी रजत कुमार वर्णवाल, एकमा (सारण) के अंचल अधिकारी अमलेश कुमार, गोह (औरंगाबाद) के तत्कालीन अंचल अधिकारी विश्वजीत नीलांकर, औरंगाबाद के तत्कालीन अंचल अधिकारी अंशु कुमार सिंह तथा कल्याणपुर (समस्तीपुर) के तत्कालीन अंचल अधिकारी राजन कुमार पर वेतन वृद्धि रोकने सहित विभिन्न दंड लगाए गए हैं। भिाग ने रामनगर (पश्चिम चंपारण) के तत्कालीन अंचल अधिकारी उदय शंकर मिश्रा, कुढ़नी (मुजफ्फरपुर) के तत्कालीन अंचल अधिकारी रणभू ठाकुर, हाजीपुर (वैशाली) की तत्कालीन अंचल अधिकारी अंजली कुमारी और सासाराम के तत्कालीन अंचल अधिकारी सुधीर कुमार ओंकारा के खिलाफ भी विभागीय स्तर पर अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने बताया कि पिछले दो महीने के दौरान विभाग ने अब तक 82 अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इन मामलों में भ्रष्टाचार, दाखिल-खारिज में अनियमितता, सरकारी कार्यों में लापरवाही, अनुशासनहीनता और विभागीय निर्देशों की अवहेलना जैसी गंभीर शिकायतें शामिल हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

काशी के 10 कराटे खिलाड़ी कोलकाता में खेलेंगे अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता

वाराणसी, एजेंसी। काशी के 10 कराटे खिलाड़ी कोलकाता में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपनी दावेदारी पेश करेंगे। नेता जी इंडोर स्टेडियम में 31 जुलाई से दो अगस्त तक प्रतियोगिता होगी। इन खिलाड़ियों में किशन वर्मा, अंशुमान मिश्रा, प्रियांशु राज प्रजापति, अनुराग पाल, विवेक साहू, शिवेंश यादव, प्रियल पाल, विजय यादव, अविसेन हैं। कोच सत्यनारायण मौर्या भी टीम के साथ रवाना हुए। ये सभी सत्यनारायण कराटे अकादमी में अभ्यास करते हैं। अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक सेंसेई सत्यनारायण मौर्य ने बताया कि यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्रदान करेगी।

एटीएम कार्ड बदलकर खाते से उड़ाए 21.5 हजार रुपये

गोरखपुर , एजेंसी। गुलरिहा थाना क्षेत्र के बरौली गांव निवासी विजय कुमार के पिता के एटीएम कार्ड को बदलकर जालसाज ने खाते से 21,500 रुपये निकाल लिए। विजय मंगलवार सुबह गुलरिहा कस्बे में स्थित एसबीआई एटीएम से रुपये निकालने गया था। वहां हेलमेट लगाए एक युवक पहले से मौजूद था। बातचीत के दौरान उसने मदद के बहाने एटीएम कार्ड लिया और बदलकर फरार हो गया। कुछ देर बाद आरोपी ने भटहट कस्बा स्थित एसबीआई के एटीएम से रुपये निकाल लिए। मोबाइल पर मैसेज आने के बाद पीड़ित को जानकारी हुई। उसने गुलरिहा पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी जेपी पाल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

अभ्युदय प्रवेश परीक्षा में 320 छात्र-छात्राओं का चयन

गोरखपुर , एजेंसी। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की निशुल्क तैयारी के लिए 26 जुलाई को दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। प्रवेश परीक्षा में 320 छात्र-छात्राओं का चयन किया गया है। चयनित छात्र-छात्राओं को अब योजना के तहत नीट, जेईई और एक दिवसीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निशुल्क कोचिंग दी जाएगी। अभ्युदय योजना के तहत निशुल्क कोचिंग के लिए करीब 780 छात्र-छात्राओं ने आवेदन किया था। 26 जुलाई को आयोजित प्रवेश परीक्षा में 403 छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इनमें से 320 छात्र-छात्राओं का चयन किया गया है। चयनित छात्र-छात्राओं की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कक्षाएं जल्द शुरू की जाएंगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी महेंद्र कुमार ने बताया कि चयनित छात्र-छात्राओं के लिए निशुल्क कोचिंग दो से तीन दिन में शुरू कर दी जाएगी। योजना के तहत विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर मार्गदर्शन और शिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

दवा कारोबारियों ने राज्यमंत्री से की मुलाकात, बताईं समस्याएं

वाराणसी, एजेंसी। दवा कारोबार संबंधी विभिन्न समस्याओं को लेकर मंगलवार को दवा कारोबारियों ने राज्यमंत्री अजीत सिंह पाल से लखनऊ सचिवालय में मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश के दवा विक्रेताओं की विभिन्न समस्याओं और व्यापार से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। मंत्री ने व्यापारियों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जल्द ही विभागीय अधिकारियों और संगठन के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में समस्याओं के प्रभावी निराकरण का प्रयास किया जाएगा। ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष दिवाकर सिंह और महामंत्री सुधीर अग्रवाल ने प्रदेश भर के दवा व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। महामंत्री संजय सिंह, लखनऊ संगठन के अध्यक्ष हरीश शाह और महामंत्री प्रदीप चंद जैन मौजूद रहे।

जागरूकता और समय पर इलाज से ही हेपेटाइटिस पर होगा नियंत्रण

गोरखपुर , एजेंसी। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर सोमवार को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का आयोजन स्टेट रेफरेंस लैब (माइक्रोबायोलॉजी विभाग) और मॉडल ट्रीटमेंट सेंटर (मेडिसिन विभाग) की ओर से किया गया। प्राचार्य डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। प्राचार्य ने कहा कि बीआरडी मेडिकल कॉलेज में हेपेटाइटिस की निशुल्क जांच, परामर्श और उपचार की समुचित सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने लोगों से समय पर जांच कराने, सुरक्षित जीवनशैली अपनाने, हेपेटाइटिस-बी का टीकाकरण कराने और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार उपचार लेने की अपील की। माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अमरेश सिंह ने बताया कि अब तक 3709 हेपेटाइटिस-बी और 485 हेपेटाइटिस-सी मरीजों की आरटी-पीसीआर जांच की जा चुकी है। इनमें क्रमश: 2368 और 268 मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई है।

चंपत ने माना...चढ़ावा चोरी के 81 लाख रुपये की हुई वापसी

पहली बार सामने आए इस्तीफे में किया स्वीकार

लखनऊ , एजेंसी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने चढ़ावा चोरी के बाद ट्रस्ट की ओर से की गई शुरुआती कार्रवाई में 81 लाख रुपये की वापसी की बात स्वीकार की है। यह स्वीकरोक्ति अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष को संबोधित दोनों के संयुक्त इस्तीफा पत्र में की गई है। पहली बार सामने आए इस्तीफा पत्र में दोनों ने एसआईटी जांच की सिफारिश और स्वयं को ट्रस्ट के कार्यों से अलग करने के निर्णय का भी उल्लेख किया है।

पत्र के अनुसार, 8 जून से दानपात्र की धनराशि की गणना को लेकर मीडिया में समाचार प्रकाशित होने से श्रद्धालुओं के बीच भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी और लोग इससे आहत थे। कुछ जिम्मेदार लोग भी अनर्गल बयान दे रहे थे। पत्र में लिखा कि गणना के दौरान 5-6 युवकों की ओर से चोरी किए जाने की घटना चार जून की रात एक ट्रस्टी के संज्ञान में आई। इसके बाद शांतिपूर्वक विचार कर पांच जून की सुबह सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी गई, जिसमें कुछ युवकों की पहचान हुई। पत्र के मुताबिक, तत्काल पुलिस में एफआईआर दर्ज कराना उचित नहीं समझा गया और संबंधित युवकों से पूछताछ की गई। पत्र में दावा किया गया है कि पांच जून की रात से आठ जून के बीच संबंधित युवकों और उनके परिजनों ने कुल 81 लाख रुपये ट्रस्ट को वापस लौटा दिए। साथ ही चोरी स्वीकार करते हुए लिखित स्वीकृति पत्र भी दिए।

मामला बढ़ा तो सरकार से विशेष दल से जांच करने का अनुरोध

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा की ओर से दिए गए इस्तीफा पत्र में दोनों पदाधिकारियों ने कि जब चोरी के मामले की चर्चा समाचार पत्रों में बढ़ने लगी, तब ट्रस्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने का अनुरोध किया, ताकि पूरे प्रकरण का सत्य सामने आ सके और सभी संबंधित लोगों के सम्मान की रक्षा हो सके। पत्र के अनुसार, सरकार ने अनुरोध स्वीकार करते हुए 15 जून से एसआईटी जांच शुरू कराई।

इस्तीफे के अंतिम हिस्से में चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा ने लिखा कि नीर-क्षीर विवेक होने तक ट्रस्ट के सभी कार्यों से अपने को दूर कर लें। अतः यह पत्र हम आपको लिख रहे हैं, जिसे हमारा त्यागपत्र मानकर स्वीकार किया जाए। दोनों के त्यागपत्र को राम मंदिर ट्रस्ट की छह जुलाई की हुई बैठक में स्वीकार भी कर लिया गया।

कार ने बाइक को मारी टक्कर, एंबुलेंस के इंतजार में बीता डेढ़ घंटा, चाचा की मौत और भतीजा घायल

कानपुर, एजेंसी। कानपुर के नरवल थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह हुए सड़क हादसे में तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार एक बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि उसका भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों और स्थानीय दुकानदारों ने एंबुलेंस में सूचना देने के बाद भी करीब डेढ़ घंटे तक न पहुंचने का आरोप लगाया। अंत में घायलों को पुलिस जीप से अस्पताल तक पहुंचाया गया।

जानकारी के अनुसार, अखरी गांव निवासी शिव नारायण (45) अपने चाचा रामकुमार (63) को बाइक पर बैठाकर सुबह करीब साढ़े छह बजे मिर्च की बेड़ खरीदने फतेहपुर के खुमानखेड़ा जा रहे थे। नरवल थाना क्षेत्र के मिराई गेट के पास पुरवामीर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों उछलकर बाइक सहित खंती में जा गिरे। कार की गति अत्यधिक थी, उसका अंदाजा टक्कर के बाद कार के एयरबैग खुलने से लगाया जा रहा है। मौका पाकर कार चालक मौके से भाग निकला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सरकारी वाहन से दोनों को सरसौल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टरों ने रामकुमार पुत्र राजाराम को मृत घोषित कर दिया।

वहीं, शिव नारायण पुत्र बदलू की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। नरवल थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर कार चालक के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। कार को कब्जे में लिया गया है।

आठ इंसानों के शिकार के जुर्म में छेदीलाल को हुई थी उम्रकैद

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश के सबसे बड़े मानव-वन्यजीव संघर्ष में छेदीलाल (रॉयल बंगाल टाइगर) ने आठ इंसानों को अपना शिकार बना लिया था। करीब 35 दिनों तक चले इस संघर्ष में वन विभाग के अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए थे। कड़ी मशक्कत के बाद पकड़े गए छेदीलाल को उम्रकैद यानी जीवनभर लखनऊ चिड़ियाघर में रखने का फैसला सुनाया गया।

नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान के निदेशक संजय कुमार बिश्वाल बताते हैं कि पीलीभीत में वन्यजीवों का दिखना सामान्य बात है। इनमें शेर, बाघ, तेंदुए भी शामिल होते हैं। वर्ष 2016 में इंसानों की बस्ती तक पहुंच गया छेदीलाल आठ ग्रामीणों के लिए काल बन चुका था। उसकी दहशत में लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया था। ऐसे में छेदीलाल को मारने तक का आदेश दे दिया गया। हालांकि, कड़ी मशक्कत के बाद वह जिंदा हाथ आ गया।

निदेशक ने बताया कि वर्ष 2016 में छेदीलाल की उम्र करीब 10 वर्ष थी। लखनऊ चिड़ियाघर लाने के बाद उसे डेढ़ महीने तक क्वारंटाइन (सख्त निगरानी) में रखा गया। बाद में फैसला लिया गया कि उसे जंगल में छोड़ने के बजाय चिड़ियाघर में ही रखा जाए। पीलीभीत के जंगल से करीब पांच वर्ष पहले चार शावकों (साक्षी, सिब्बा, अभि और शेरखान) को लखनऊ चिड़ियाघर लाया गया था। बाघों के आपसी संघर्ष में इनकी मां की मौत हो गई थी। चार में से तीन शावकों को यहीं के बाड़े में रखा गया, जबकि एक को दूसरे चिड़ियाघर भेज दिया गया। मौजूदा समय में चिड़ियाघर में 12 बाघ हैं, जिनमें से नौ रॉयल बंगाल टाइगर और तीन सफेद बाघ हैं।

संजय कुमार बिश्वाल ने बताया कि भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के कुछ नियम हैं। इसके तहत वन्यजीवों, खास तौर पर बाघ के व्यवहार और प्राकृतिक प्रवृत्ति के आधार पर उन्हें आजाद या कैद रखने का फैसला लिया जाता है।

प्रदेश में अगले सत्र से एक से लेकर आठवीं तक लागू होंगी एनसीईआरटी की किताबें, शिक्षा विभाग ने शुरू की तैयारी

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में अगले साल 2027 से कक्षा आठ तक राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की किताबों से पढ़ाई कराई जाएगी। इसके साथ ही कक्षा एक से 12 तक सभी कक्षाओं में एनसीईआरटी की किताबें यूपी में भी लागू हो जाएंगी। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा इसकी सहमति देने के बाद राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) ने कक्षा पांच से आठ की किताबों का कस्टमाइजेशन शुरू कर दिया है।

इसके तहत 20 फीसदी तक स्थानीय कंटेंट एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 लागू होने के बाद पढ़ाई में एकरूपता लाने व छात्रों पर पढ़ाई का बोझ कम करने, कौशल आधारित पाठ्यक्रम को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस क्रम में प्रदेश में जहां कक्षा नौ से 12 तक तो एनसीईआरटी की किताबें लागू हैं। वहीं 2020 से परिषदीय विद्यालयों में भी एनसीईआरटी की किताबें लागू करने की प्रक्रिया शुरू की गई।

इसके तहत पहले कक्षा एक, फिर दो-तीन और कक्षा चार में इसे लागू किया गया। इस तरह प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में अभी कक्षा एक से चार तक में ही एनसीईआरटी की किताबें लागू हैं। वहीं नए सत्र 2027-28 से एक साथ कक्षा पांच से आठ तक एनसीईआरटी की किताबें लागू की जाएंगी। हाल ही में हुई बेसिक शिक्षा विभाग की बैठक में इसके लिए उच्च स्तर से हरी झंडी दी गई। इसके बाद किताबों के कस्टमाइजेशन का काम तेजी से शुरू कर दिया गया है।

कक्षा पांच से कौशल विकास पर फोकस : एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम में कक्षा पांच से ही बच्चों को कौशल विकास से जुड़ी जानकारी भी दी जाएगी। कौशल बोध के नाम से कक्षा पांच से आठ तक एक चैप्टर इसमें शामिल है। शुरुआत में बच्चों को इससे जुड़ी बेसिक जानकारी दी जाएगी। वहीं आगे चलकर उनको कौशल प्रशिक्षण भी कराया जाएगा। इसका उद्देश्य छात्रों को आगे चलकर रोजगार व स्वरोजगार के लिए तैयार करना है। एनईपी में कौशल विकास पर सर्वाधिक फोकस किया गया है।

साइबर जालसाजों ने दंपती को सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट रख वसूले 70 लाख रुपये

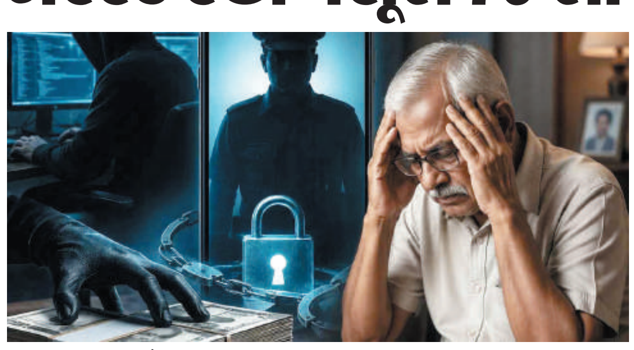

लखनऊ, एजेंसी। साइबर जालसाजों ने एयरपोर्ट से सेवानिवृत्त निदेशक भोलानाथ प्रसाद भगत और उनकी पत्नी माधुरी को सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट रख 70 लाख रुपये वसूल लिए। ठगों ने खुद को पुलिस, एटीएस और एनआईए का अफसर बताकर उन्होंने दंपती को झांसे में लिया था। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में अज्ञात ठगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

इंस्पेक्टर साइबर क्राइम थाना आलोक राव ने बताया कि जानकीपुरम स्थित सहारा ग्रेस अपार्टमेंट निवासी माधुरी के पास 16 जुलाई को अनजान नंबर से फोन आया था। फोन करने वाले ने खुद को पुलिस मुख्यालय लखनऊ में तैनात इंस्पेक्टर आकाश वर्मा बताया। उसने माधुरी को बताया कि उनके पति के आधार कार्ड पर जम्मू कश्मीर में सिम कार्ड खरीदा गया है। इसका इस्तेमाल आतंकियों ने किया है। आरोपी ने भोलानाथ को तत्काल महाराष्ट्र और पुणे की एटीएस मुख्यालय जाने को कहा। ठग की बात सुनकर माधुरी ने भोलानाथ को फोन थमा दिया। भोलानाथ ने अपनी सेवानिवृत्ति की जानकारी दी। इस पर ठग ने कहा कि आपकी बात वरिष्ठ अफसरों से कराई जा रही है। इसके बाद ठग ने कॉल ट्रांसफर कर दी। दूसरे ठग ने खुद को आईपीएस अफसर विक्रम सिंह बताकर संपत्तियों की जांच की बात कही। उसने एनआईए प्रमुख को भी जानकारी भेजने की धमकी दी।

ठग ने भोलानाथ से कहा कि मामला बहुत गंभीर है और समय कम है। उसने तत्काल बैंक खातों का ब्योरा उपलब्ध कराने को कहा। पीड़ित ने डरकर अपने खातों की जानकारी ठगों को दे दी। इसके बाद आरोपी ने कहा कि खातों में जमा सारे रुपये जांच के लिए ट्रांसफर करने होंगे। इस दौरान आप किसी के संपर्क में नहीं रहेंगे। जांच के बाद आपकी रकम वापस कर दी जाएगी। झांसे में आकर भोलानाथ ने ठगों के बताए खातों में कुल 70 लाख रुपये स्थानांतरित कर दिए। ठगों ने भोलानाथ को 22 जुलाई तक डिजिटल अरेस्ट में रखा। बाद में जब भोलानाथ ने अपनी रकम वापस मांगी, तो ठगों ने उनसे और रुपये मांगे। संदेह होने पर उन्होंने अपने रिश्तेदारों और परिचितों से फोन पर बात की। तब उन्हें पता चला कि वे ठगी का शिकार हुए हैं। इसके बाद भोलानाथ साइबर क्राइम थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

भोलानाथ ने बताया कि ठगों ने उन्हें आतंकियों से परिवार को खतरा होने की बात कहकर डराया। उन्होंने कहा कि आतंकी उन पर नजर रखे हैं, इसलिए डिजिटल अरेस्ट कर छानबीन की जा रही है।

गुरु पूजन के साथ पूर्णिमा पर कानपुर के गंगा घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सुनील बाजपेई

कानपुर। आज यहां बुधवार को गुरु पूर्णिमा धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर छात्रों के साथ ही गुरु में आस्था और विश्वास रखने वाले लोगों ने भी अपने गुरुओं की पूजा अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया।

आज गुरु पूर्णिमा के इस मौके पर विभिन्न धार्मिक संस्थाओं समेत स्कूलों में भी विशेष आयोजन किए गए।

वहीं दूसरी गुरु पूर्णिमा के इस पावन मौके पर परमट और बिठूर गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्त आज सुबह से ही बड़ी संख्या में गंगा घाट पहुंचे और गंगा में डुबकी लगाने के साथ ही अपने गुरु का ध्यान करते हुए पूजा-अर्चना भी की।

इस दौरान गंगा घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था के खासा इंतजाम देखे गए। यहां पुलिस वालों के अलावा गोताखोर भी तैनात रहे।

इसी के साथ गंगा घाटों पर लोगों की सुविधा के लिए चेंजिंग रूम भी रहे। नहाते समय कोई गंगा में डूब ना जाए। इसके लिए गहरे पानी से पहले बांस-बल्ली लगाई गई थी। आज गुरु पूर्णिमा पर्व पर शिवली के शोभन मंदिर पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

बताते चलें कि यहां शोभन आश्रम की आधारशिला रखने वाले ब्रह्मलीन महाराज रघुनंदन दास जी महराज और शोभन को विकसित करने वाले ब्रह्मलीन विरिक्ततानंद जी महाराज के प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश में अनेकों भक्त मौजूद हैं। दूसरी ओर छात्रों ने भी अपने गुरुओं के चरण छूकर आशीर्वाद लिया। इसके लिए स्कूल कॉलेज में भीसमारोह आयोजित किए गए आज गुरु पूर्णिमा और इसके बाद सावन के पहले सोमवार को लेकर तगड़ी तैयारियां पहले से ही की जा चुकी हैं।

खाना भी न खाने दिया, बेरहमी से कुचला सिर; निकाह के तीन माह बाद दी पत्नी को खौफनाक मौत

लखनऊ, एजेंसी। वैवाहिक वेबसाइट से रिश्ता होने के बाद दूसरा निकाह कर पति के साथ नगला पैमा (ताजगंज) में रह रही 35 वर्षीय उज्जमा की सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह ससुर के घर पहुंचने पर घटना की जानकारी हुई। उन्होंने दुर्गंध आने पर बेटे फरहान की हत्या का शक जताया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने फील्ड यूनिट के साथ घर का ताला तोड़ा तो बहू का शव मिला। पति घर में नहीं मिला। कमरे में खून से सनी ईंट मिली। फर्श पर चारों तरफ खून ही खून बिखरा था। पुलिस का कहना है कि पति घटना के बाद से नहीं मिला है। प्रथम दृष्टया लग रहा है कि वह हत्या कर भाग गया है। उसका फोन भी बंद जा रहा है। उसकी तलाश की जा रही है। हत्या की वजह पता की जा रही है।

कोल्हाई, ताजगंज निवासी अकबर अली उर्फ बब्बू का पीर कल्याणी में नॉनवेज रेस्तरां है। उन्होंने बताया कि मझला बेटा फरहान (40) रेस्तरां में ही काम करता है। साढ़े चार साल पहले बेटे का पहली पत्नी बुशरा से तलाक हो गया था। उसके दो बच्चे हैदर अली और रिजवान हैं। बुशरा दूसरे पति के साथ रहने लगी। बच्चे फरहान के पास ही उनके घर में रह रहे हैं।

ढाई साल पहले फरहान ने बिहार की युवती से दूसरा निकाह किया था मगर वो छोड़कर चली गई। इसके बाद फरहान ने तीन महीने पहले झांसी के कोतवाली स्थित भैरो खिड़की निवासी उज्जमा से निकाह कर लिया। घर आकर जानकारी दी। वह नगला पैमा स्थित उनके पुश्तैनी घर में रह रहे थे। रविवार रात को फरहान पेट में दर्द बताकर जल्दी काम से चला गया।

सोमवार को काम पर नहीं आया था। इस पर बब्बू को चिंता हुई। उन्होंने फोन मिलाया तो बंद आया। मंगलवार सुबह 7:30 बजे वो बेटे को देखने के लिए घर पहुंचे मगर ताला लगा था। उन्होंने दो लोगों को दीवार फांदकर घर में भेजा। खिड़की से झांकने पर शव नजर आया। दुर्गंध भी आ रही थी। उन्हें लगा कि बेटे की हत्या कर बहू भाग गई है। कूलर और पंखे चल रहे थे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सुबह 10 बजे फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची। फील्ड यूनिट को भी बुलाया। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया तो फर्श पर उज्जमा का शव पड़ा था। पास ही खून से सनी ईंट थी। प्रथम दृष्टया उसके सिर में ईंट से प्रहार कर हत्या की आशंका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। फरहान नहीं मिला।

उसका मोबाइल बंद आया। पलंग पर उज्जमा का मोबाइल मिला। महिला के परिजन को सूचना दी। प्रथम दृष्टया उस पर ही हत्या का आरोप है। परिजन दामाद पर बेटी को प्रताड़ित करने का आरोप लगा रहे हैं।

पहले बेटे की हत्या का शक तीन घंटे बाद निकली बहू : नगला पैमा में मकान के अंदर शव होने की सूचना पर बाहर भीड़ लग गई। फरहान के पिता बब्बू बेटे की हत्या की आशंका जताने लगा। उन्हें लग रहा था कि बहू हत्या कर भाग गई है। उन्हें बहू का नाम और घर का पता भी नहीं मालूम था। तीन घंटे तक कयास लगते रहे। जब फोरेंसिक टीम अंदर पहुंची तो महिला की हत्या की पुष्टि हुई।

कैंसर से पति की मौत के बाद किया था दूसरा निकाह : मृतका उज्जमा की छोटी बहन नेहा ने पुलिस को बताया कि बहन उज्जमा के पति अनवर की चार साल पहले कैंसर से मृत्यु हो गई थी। उनके दो छोटे बच्चे हैं। झांसी में ही नाना के घर में रहकर पढ़ रहे हैं। बहन ने बताया कि उज्जमा की मुलाकात सात महीने पहले फरहान से रिश्ते कराने वाली वेबसाइट की मदद से हुई थी। फरहान ने पत्नी से तलाक के बारे में बताया। इससे बात बन गई। दोनों ने 20 अप्रैल को निकाह कर लिया। फरहान उसे अपने घर लेकर आया। अपनी मां को जानकारी दी। उन्होंने उसे पुश्तैनी घर में रहने के लिए बोल दिया। जून में उज्जमा अपने बच्चों को भी लेकर आई। 6 जुलाई को स्कूल खुलने की वजह से उन्हें मायके छोड़ आई। 22 जुलाई को फरहान आ गया। वह उज्जमा को अपने साथ लेकर आगरा आया था। बहन का आरोप है कि शनिवार और रविवार को बहन ने मैसेज किया कि फरहान उसके साथ मारपीट कर रहा है। वह उसके साथ रहना नहीं चाहती है। उसे यहां से ले जाओ। उसने अगले सप्ताह आने की बात कही।

पुलिस की जांच: खाना खाने से पहले उज्जमा को मार डाला : डीसीपी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की गई। कमरे में सामान चेक किया। चूल्हे पर बर्तन में दूध रखा मिला। वहीं एक बर्तन में रोटियां और सब्जी भी रखी थीं। इससे ऐसा लग रहा है कि रात में फरहान घर आया था। उज्जमा ने घटना से पहले खाना बनाया था। दूध भी उबाल कर रख दिया था। रोटी सब्जी और दूध रखा मिला है। इससे अनुमान है कि हत्या खाना खाने से पहले ही की गई। उज्जमा अपनी स्कूटी भी लेकर आई थी। वह घर में खड़ी नहीं मिली है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, गुरुवार, 30 जुलाई, 2026

संक्षिप्त समाचार

सैन्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर अमेरिका और यूएई आए साथ, संयुक्त टास्क फोर्स के गठन की घोषणा

टाम्पा (फ्लोरिडा)। अमेरिका के सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने सैन्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग को तेजी से विकसित करने के उद्देश्य से पहली द्विपक्षीय संयुक्त टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की है। 'टास्क फोर्स टैलन सिनैप्स' नामक यह इकाई अगले कुछ सप्ताह में औपचारिक रूप से कार्य शुरू करेगी। अबू धाबी स्थित इस संयुक्त टास्क फोर्स में अमेरिका और यूएई के लगभग 20 विशेषज्ञ शामिल होंगे, जिन्हें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विश्लेषण और साइबर सुरक्षा का अनुभव है। दोनों देशों का लक्ष्य आधुनिक एआई तकनीकों को सैन्य अभियानों में तेजी से शामिल कर रक्षा क्षमताओं को और मजबूत बनाना है। सेंटकॉम के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा कि यह पहल क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। उनके अनुसार, अमेरिका और यूएई मिलकर ऐसी एआई तकनीकों को विकसित और लागू करेंगे, जो सैन्य नवाचार को तेज गति और व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने में सहायक होंगी। बताया गया कि पिछले वर्ष एडमिरल कूपर और यूएई के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शेख तहनून बिन जायद अल नहयान के बीच इस संयुक्त टास्क फोर्स की अवधारणा पर चर्चा हुई थी। इसके बाद हाल के महीनों में सेंटकॉम ने क्षेत्र के दौरे के दौरान एआई उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों और यूएई के रक्षा अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत की। नई टास्क फोर्स का मुख्य फोकस खुफिया तंत्र को एआई आधारित सहायता उपलब्ध कराना, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा मजबूत करना तथा क्षेत्रीय सुरक्षा गतिविधियों की निगरानी के लिए उन्नत एआई अनुप्रयोग विकसित करना होगा।

नेपाल में बाघों की संख्या बढ़कर हुई 429, सबसे अधिक चितवन नेशनल पार्क में

काठमांडू। नेपाल में बाघों की संख्या बढ़कर 429 हो गई है। इसमें चितवन नेशनल पार्क में बाघों की संख्या सबसे अधिक 145 है। इसके बाद बर्दिया राष्ट्रीय निकुंज में 112, पर्सा राष्ट्रीय निकुंज में 71, बांके राष्ट्रीय निकुंज में 51 और शुक्लाफांटा राष्ट्रीय निकुंज में 50 बाघ हैं। वन एवं वातावरण मंत्रालय ने 'अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस' के अवसर पर 'बाघ गणना रिपोर्ट 2026' जारी की। वन एवं वातावरण मंत्री गीता चौधरी ने इस रिपोर्ट का अनावरण किया। नवीनतम राष्ट्रीय बाघ गणना के अनुसार हाल के वर्षों में संरक्षित क्षेत्रों और प्राकृतिक आवास प्रबंधन (हैबिटैट मैनेजमेंट) में हुए सुधारों के कारण बाघों की संख्या में यह वृद्धि हुई है। मंत्रालय 2009 से नियमित रूप से बाघ गणना आयोजित कर रहा है। नेपाल में हर चार साल में बाघों की गणना की जाती है। वर्ष 2022 में हुई पिछली गणना में नेपाल में 355 बाघ दर्ज किए गए थे। उस समय चितवन में 128, बर्दिया में 125, पर्सा में 41, शुक्लाफांटा में 36 और बांके में 25 बाघ थे।नेपाल में 2010 में 121, 2014 में 198, 2018 में 235, 2022 में 355 और अब 2026 में 429 बाघ दर्ज किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस हर साल 29 जुलाई को मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत 2010 में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित बाघ सम्मेलन के बाद हुई थी, जिसका उद्देश्य बाघों की घटती आबादी को रोकना और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण को बढ़ावा देना है।

सुनसरी गोलीबारी कांड के विरोध में आज भी कुछ जिलों में बंद, राजमार्ग भी अवरुद्ध

काठमांडू। सुनसरी के देवानगंज गांवपालिका में पुलिस की गोली लगने से एक युवक की मृत्यु की घटना के विरोध में आज कई जिलों में बंद का आह्वान किया गया है। इसके अलावा पूर्व पश्चिम राजमार्ग और हुलाकी राजमार्ग अवरुद्ध है। सन्प्तसरी के बगल में सप्तरी जिले के मुख्यालय राजविराज को बंद कर दिया गया है। इसी विरोध के तहत हनुमाननगर बाजार भी बंद रहा। तिरहुत गांवपालिका डिमन में हुलाकी सड़क मार्ग को अवरुद्ध कर उग्र प्रदर्शन किया जा रहा है। इससे पूर्व कंचनरूप नगरपालिका के सिमरा चौक पर युवाओं ने टायर जलाकर पूर्व-पश्चिम राजमार्ग चक्काजाम (आवागमन बाधित) किया है। इसी तरह पूर्व पश्चिम राजमार्ग पिछले दो दिनों से अवरुद्ध है। प्रदर्शनकारियों ने घटना की निष्पक्ष जांच, घायलों का मुफ्त इलाज एवं क्षतिपूर्ति, तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस बीच, देवानगंज में लागू कर्फ्यू का असर पड़ोसी जिले सप्तरी में भी दिखाई देने लगा है। व्यवसायियों के अनुसार, पूर्व दिशा से होने वाले सामानों का परिवहन प्रभावित होने के कारण रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति में गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। सप्तरी के मुख्य जिला अधिकारी श्यामकृष्ण थापा की अध्यक्षता में आयोजित सर्वदलीय बैठक में सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए सोमवार को दो सूत्रीय सहमति बनी थी। हालांकि, इस सहमति के विपरीत जिले में प्रदर्शन जारी हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था के समक्ष अतिरिक्त चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। गौरतलब है कि रविवार रात सुनसरी के देवानगंज में दो समूहों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। उस झड़प को नियंत्रित करने के दौरान पुलिस की फायरिंग से एक युवक की मौत हो गई थी।

तमिलनाडु के तीन जिलों में अगले दो दिनों में भारी बारिश का पूर्वानुमान

चेन्नई। चेन्नई मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों के निचले वायुमंडल में एक कमजोर निम्न दाब की द्रोणी (ट्रफ) बनी हुई है। इसके प्रभाव से अगले 2 दिनों तक तमिलनाडु के तीन जिलों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। केंद्र ने चेतावनी दी है कि 31 जुलाई और 1 अगस्त को तमिलनाडु के कोयंबटूर, नीलगिरि और थेनी जिलों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। केंद्र के अनुसार, आज पश्चिमी घाट के जिलों में कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ मध्यम बारिश हो सकती है। पुडुचेरी और कराईकल क्षेत्रों में भी कुछ स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। 30 जुलाई को नीलगिरि जिले के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ भारी बारिश हो सकती है। पश्चिमी घाट के जिलों में कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। साथ ही 2 और 3 अगस्त को पश्चिमी घाट के जिलों में कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। आज चेन्नई और उसके उपनगरों में आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रहेगा। मछुआरों के लिए चेतावनीः 30 जुलाई तक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों, आंध्र प्रदेश तटवर्ती क्षेत्रों और उससे लगे दक्षिण आंध्र तट, मध्य-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों तथा अंडमान सागर में तेज़ तूफानी हवाएं चल सकती हैं।

राष्ट्रीय राजमार्गों से अतिक्रमण हटाने के लिए एनएचएआई ने शुरू किया अभियान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा बहाल करने और सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने देशभर में अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरू किया है। उच्चतम न्यायालय के निर्देशों पर चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य राजमार्गों पर अवैध निर्माण, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान और अनधिकृत पहुंच को हटाकर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना है।

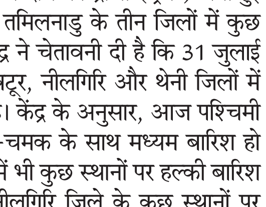

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि एनएचएआई, पीआईयू राजकोट ने हाल ही में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। इस दौरान 693 किलोमीटर राजमार्ग का सर्वेक्षण कर 1,403 नोटिस जारी किए गए। इनमें अवैध संरचनाएं, अनधिकृत वाणिज्यिक पहुंच और बिना अनुमति बनाए गए मीडियन कट शामिल थे। कार्रवाई के तहत 361 अवैध पहुंच और अतिक्रमण हटाए गए तथा 150 अनधिकृत मीडियन गैप स्थायी रूप से बंद किए गए। यह अभियान जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षकों के सहयोग से चलाया गया। हाल ही में सोमनाथ–द्वारका राजमार्ग पर विशेष अभियान चलाकर बारडिया और 'ऑनेस्ट होटल से हाथी चौक' तक के हिस्से से सैकड़ों अतिक्रमण हटाए गए। मंत्रालय ने कहा कि ये केवल प्रवर्तन की कार्रवाई नहीं बल्कि सड़क सुरक्षा के उपाय हैं। अतिक्रमण हटाने से दृश्यता बहाल होती है, यातायात प्रवाह सुधरता है, आपातकालीन सेवाओं को जगह मिलती है और दुर्घटनाओं की आशंका घटती है।

भोपाल में किसान आंदोलन पर सरकार-विपक्ष आमने-सामने

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में किसानों के आंदोलन के बीच सरकार और विपक्ष के बीच सियासी टकराव भी तेज हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए मंत्रियों की एक समिति गठित किए जाने की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार संवाद के माध्यम से रास्ता निकालना चाहती है। वहीं कांग्रेस ने इस पहल को पर्याप्त नहीं बताते हुए सरकार पर किसानों की अनदेखी और संवेदनहीनता का आरोप लगाया है। इस बीच कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने भी आंदोलन का समर्थन करते हुए किसानों की मांगों को जायज बताया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक संवाद के पक्ष में है। उन्होंने बताया कि किसानों की समस्याओं पर चर्चा और समाधान के लिए मंत्रियों का एक दल गठित किया गया है, जो आंदोलनकारी किसानों से बातचीत करेगा। मुख्यमंत्री के इस बयान के तुरंत बाद विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता और मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि हजारों

♦ सीजेपी भी किसानों के समर्थन में उतरी

किसान अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी बात सुनने के बजाय समय निकालने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि केवल समिति बना देने से किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा। सरकार को सीधे किसानों से संवाद कर उनकी मांगों पर ठोस निर्णय लेना चाहिए।

सिंघार ने कहा कि लोकतंत्र में पदयात्रा करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है और इसे रोकने या दबाने का प्रयास उचित नहीं है। उनके अनुसार सरकार को किसानों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों की हर जायज मांग के साथ मजबूती से खड़ी है और प्रदेश में मूंग की शत-प्रतिशत खरीदी, खाद वितरण व्यवस्था में सुधार तथा किसानों से जुड़े लंबित मुद्दों के शीघ्र समाधान की मांग करती है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार पर हमला बोला। उन्होंने एक्स पर लिखा कि नर्मदापुरम के बरखेड़ा से शुरू हुई किसान क्रांति पदयात्रा राजधानी भोपाल पहुंच चुकी है और हजारों किसान परिवार अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर डटे हुए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से किसानों के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाने की अपील करते हुए आरोप लगाया कि सरकार अहंकार के कारण किसानों की आवाज सुनने से बच रही है। पटवारी ने कहा कि किसानों की उपेक्षा सरकार के लिए भारी पड़ सकती है और उनकी मांगों का सम्मानपूर्वक समाधान किया जाना चाहिए।

बीजापुर में 49 लाख के इनामी आठ नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी, बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में आठ नक्सलियों ने बुधवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के सहयोग से बीजापुर पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार गुप्ता के समक्ष आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में पांच महिला एवं तीन पुरुष कैडर शामिल हैं। इन पर कुल 49 लाख रूपये का इनाम घोषित था।

पुलिस के अनुसार दक्षिण जोनल कमेटी और सरांडा सब जोनल कमेटी से जुड़े डीवीसीएम कैडर के तीन पुरुष नक्सलियों 8-8 लाख के इनामी अश्विन उर्फ लच्छू, रंगा उर्फ सोहन एवं दोबा माड़वी उर्फ राहत शामिल हैं। इनके अलावा कोल्हान एरिया कमेटी की सदस्य 5-5 लाख की इनामी फगनी पोयाम उर्फ रजनी, सूरज मुन्नी चम्पिया उर्फ सुबनी, हिड़मे कड़ती उर्फ रीता, बुधरी कुंजाम उर्फ अनुषा तथा सलमी चम्पिया उर्फ जिलानी शामिल हैं।

सभी कैडर लंबे समय से प्रतिबंधित नक्सली संगठन से जुड़े होकर झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय थे। सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव, संगठन की कमजोर स्थिति, पूर्व नक्सलियों के सफल पुनर्वास

तथा आदिवासी क्षेत्रों में तेजी से हो रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर इन्होंने मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार गुप्ता ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी 8 नक्सलियों को शासन की नक्सल आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण, आवास, शिक्षा, स्वरोजगार एवं रोजगार संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा इनके सम्मानजनक पुनर्वास के लिए सहयोग भी दिया जाएगा।

सुरक्षा बलों ने 28 जुलाई की देर रात धनबाद-गिरिडीह सीमा पर संयुक्त अभियान चलाकर नक्सली संगठन के अंतिम सक्रिय पोलित ब्यूरो एवं सेंट्रल कमेटी सदस्य मिसिर बेसरा उर्फ भास्कर को उस समय गिरफ्तार किया था, जब वह अपने साथियों के साथ वाहन से भागने की कोशिश कर रहा था।

कट्टरपंथी सांसद अमृतपाल की रिहाई की मांग पर चंडीगढ़ में आंदोलन, कई घंटे तक चला हंगामा

एजेंसी, चंडीगढ़

देशद्रोह के मामले में असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद कट्टरपंथी सांसद अमृतपाल सिंह की रिहाई की मांग पर बुधवार को वारिस पंजाब दे पार्टी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। कार्यकर्ताओं ने मोहाली के रास्ते चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री आवास की तरफ कूच का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने वाटर कैनन व लाठीचार्ज करके उन्हें रोक दिया। इसके बावजूद कुछ कट्टरपंथी चंडीगढ़ की सीमा में दाखिल हुए तो पुलिस ने बल का प्रयोग करके उन्हें हिरासत में ले लिया। मोहाली व चंडीगढ़ की सीमा पर प्रदर्शनकारियों व पुलिस के बीच झड़प इतनी बढ़ी कि कई घंटे तक हंगामा होता रहा। प्रदर्शनकारी वाटर कैनन वैन पर चढ़ गए और पुलिस को वहां से खदेड़ कर उसका रूख मोड़ दिया।

वारिस पंजाब दे की तरफ से आज पंजाब भर में प्रदर्शन करने का आहवान किया गया था। कट्टरपंथी कार्यकर्ताओं के चंडीगढ़ कूच को

♦ चंडीगढ़ व पंजाब की सीमा पर पुलिस ने लाठीचार्ज करके रोका, प्रदर्शनकारी वाटर कैनन वैन पर चढ़े

देखते हुए चंडीगढ़ व मोहाली में कई जगह ट्रैफिक डायवर्ट किया गया था। पार्टी के नेता एवं विधायक मनप्रीत अयाली ने कहा कि हम यहां शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के लिए आए हैं, किसी तरह की तोडफ़ोड़ नहीं करना चाहते हैं। अमृतपाल लोगों के प्रतिनिधि हैं, लेकिन जेल में रखे जाने से वह बतौर सांसद अपने संवैधानिक कर्तव्य का पालन नहीं कर पा रहे हैं। सांसद अमृतपाल के वकील इमान सिंह खारा ने कहा कि एनएसए हटाई जा चुकी है।

द्रमुक विधायक सेंथिल बालाजी के घर समेत छह ठिकानों पर डीवीएसी का छापा

एजेंसी, करूर

तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के विधायक एवं पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी के आवास सहित छह स्थानों पर बुधवार को राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक एवं सतर्कता निदेशालय (डीवीएसी) ने एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई करूर स्थित उनके घर, तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन (टास्मैक) के जिला प्रबंधक कार्यालय तथा उनसे जुड़े अन्य परिसरों में की जा रही है। कई घंटे से जारी इस कार्रवाई से राज्य के राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल मच गई है।

डीवीएसी की टीम ने सुबह से करूर के रामेश्वरपट्टी स्थित सेंथिल बालाजी के आवास पर तलाशी अभियान शुरू किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई टास्मैक में कथित वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की जांच के सिलसिले में की जा रही है। सेंथिल बालाजी के आवास के अलावा नेरूर के समीप कोयंबल्ली में द्रमुक करूर पूर्वी इकाई के सचिव भास्करन के घर, मूर्तिपालयम में उनके सहयोगी

सुब्रमणि के आवास तथा करूर शक्ति मेस के संचालक एवं उनके करीबी सहयोगी कार्ति के कोधई नगर स्थित अपार्टमेंट में भी एक साथ तलाशी ली जा रही है। वहीं, करूर औद्योगिक क्षेत्र स्थित टास्मैक के जिला प्रबंधक कार्यालय में भी सुबह करीब आठ बजे से दस्तावेजों और अभिलेखों की गहन जांच जारी है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, करूर के अलावा ईरोड स्थित टास्मैक के गोदाम में भी डीवीएसी की टीम ने छापेमारी की है। हालांकि विभाग की ओर से अब तक इस कार्रवाई को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि तलाशी अभियान पूरा होने और जब्त दस्तावेजों की जांच के बाद ही कार्रवाई के आधार और उससे जुड़े तथ्यों का खुलासा किया जाएगा।

इस बीच, सेंथिल बालाजी एक अन्य मामले को लेकर भी जांच एजेंसियों के दायरे में हैं। कृष्णागिरि जिले के ऊथंगरई विधानसभा क्षेत्र से तमिलगा वेत्रि कड़गम (टीवीके) के विधायक इलैयाराजा ने चेन्नई पुलिस आयुक्त से शिकायत कर आरोप लगाया था कि विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव के समर्थन में मतदान करने के लिए उन्हें 35 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी।

इस शिकायत के आधार पर चेन्नई के तिरुवल्लिक्केणी पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया, जिसके बाद कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने सेंथिल बालाजी और उनके भाई अशोक कुमार को पूछताछ के लिए समन जारी किया था। हालांकि दोनों ने अदालत से सशर्त अग्रिम जमानत प्राप्त कर ली थी।

असम में बाढ़ से अभी भी सात जिलों की 332639 आबादी प्रभावित, सात और शव मिले

एजेंसी, करूर

गुवाहाटी। ऊपरी असम के चार जिले बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। इन्हीं जिलों में सबसे अधिक लोगों की मौत हुई है। राज्य सरकार प्रभावितों की हर संभव मदद के लिए लगातार कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने प्रभावितों के लिए आर्थिक मदद के साथ ही मृतकों के परिजनों के लिए 9 लाख रुपये की मदद का ऐलान किया है। वहीं शिवसागर जिले के नाजिरा इलाके के अभी भी 7 व्यक्ति लापता हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अगर लापता व्यक्तियों का पता नहीं चल पाता है तो सरकार जल्द ही उन्हें मृत मानकर परिजनों को आर्थिक सहायता मुहैया कराएगी।

बाढ़ का पानी लगातार घट रहा है, जिसके चलते घरों एवं विद्यालयों में घुटनों तक मिट्टी की गाद भर जाने से लोगों के सामने एक नई समस्या पैदा हो गयी है। लोग अपने घर लौटने की कोशिश तो कर रहे हैं, लेकिन स्थिति गंभीर होने के चलते सुरक्षित स्थानों पर आश्रय लेने के लिए लोग मजबूत हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के 28 जुलाई को जारी आंकड़ों के अनुसार शिवसागर जिले में सात और लोगों के शव

बरामद हुए हैं। राज्य में अब तक मरने वालों की कुल संख्या 75 हो गई है। धनसिरी (नुमालीगढ़) नदी अभी भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। सरकार युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव के लिए सभी तरह के उपाय करने में जुटी हुई है। इस समय बाढ़ प्रभावित जिलों में शिवसागर, गोलाघाट, चराईदेव, जोरहाट, नगांव शोणितपुर एवं कामरूप (मेट्रो) जिला हैं। बाढ़ से इन जिलों के 21 राजस्व मंडलों के कुल 622 गांव प्रभावित हैं। राज्य की कुल 332639 आबादी एवं 45341.98 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए कुल 81 राहत शिविर एवं 34 राहत वितरण केंद्र समेत कुल 115 शिविर क्रियान्वित हैं। राहत शिविरों में 32477 लोग आश्रय लिए हुए हैं, जबकि राहत वितरण केंद्रों पर 16314 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं। 28 जुलाई तक बाढ़ के पानी में शिवसागर जिले में पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कच्चे मकानों की कुल संख्या 186 बताई गई है। शिवसागर जिले में ही 2 पक्के मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जबकि, शिवसागर जिले में आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कच्चा मकानों की कुल संख्या 560 है। वहीं शिवसागर जिले में आंशिक रूप से पक्का क्षतिग्रस्त मकानों की कुल संख्या 580 है। क्षतिग्रस्त अन्य मकानों में शिवसागर जिले में 320 झोपड़ियां, अन्य मवेशी शेड की कुल संख्या 789 है। बाढ़ में राहत एवं बचाय अभियान में एसडीआरएफ, सेना/अर्धसैनिक बल, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ, एयर फोर्स, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ एंड ईएस), सर्कल कार्यालय/स्थानीय प्रशासन, नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक और अग्निशमन विभाग जुटा हुआ है। इस बीच बाढ़ प्रभावित इलाकों में राज्य सरकार ने कुल 125 मेडिकल टीमों को तैनात किया। इस दौरान 21 नावें भी राहत कार्य में जुटी रहीं। नावों के जरिए कुल 02 लोगों को बचाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

यौन उत्पीड़न मामले में ट्रेनी आईपीएस अधिकारी गिरफ्तार, एनपीए ने पहले ही किया था निलंबित

एजेंसी, हैदराबाद

हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एनपीए) की एक साथी ट्रेनी भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी द्वारा दर्ज कराए गए यौन उत्पीड़न के मामले में अट्टापुर पुलिस ने बुधवार को आरोपित ट्रेनी आईपीएस अधिकारी उदय कृष्णा रेड्डी को गिरफ्तार कर लिया। शिकायत दर्ज होने के लगभग दस दिन बाद हुई इस गिरफ्तारी को मामले में महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। हालांकि पुलिस ने आधिकारिक रूप से यह पुष्टि नहीं की है कि रेड्डी ने आत्मसमर्पण किया या उसे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उदय कृष्णा रेड्डी का मेडिकल परीक्षण कराने के लिए उसे उस्मानिया जनरल अस्पताल भेजा। इसके बाद उसे न्यायिक रिमांड के लिए राजेंद्रनगर स्थित अदालत में पेश किए जाने की प्रक्रिया शुरू की गई। यह गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है, जब हाल ही में मीडिया में यह खबर सामने आई थी कि उदय कृष्णा रेड्डी ने कथित रूप से

आत्महत्या का प्रयास किया था। बताया गया कि उन्हें एसआर नगर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका उपचार किया गया। हालांकि इस संबंध में पुलिस की ओर से विस्तृत आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। यह मामला कर्नाटक कैडर की 30 वर्षीय विवाहित ट्रेनी आईपीएस अधिकारी द्वारा 18 जुलाई को दर्ज कराई गई शिकायत से जुड़ा है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उदय कृष्णा रेड्डी ने उनके साथ लगातार यौन उत्पीड़न किया और कई बार शारीरिक हिंसा भी की। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपित ने उन्हें अशोभनीय संदेश भेजे, जबरन एक कमरे में ले गया, बाल खींचकर मारपीट की, गला घोंटने का प्रयास किया और चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी।

सिंधिया राज परिवार संपत्ति विवाद में फिर फंसा

एजेंसी, ग्वालियर

मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित सिंधिया राज परिवार की अरबों की संपत्ति के बंटवारे को लेकर आपसी सहमति से तैयार हुआ समझौता प्रस्ताव (राजीनामा) एक बार फिर कानूनी अड़चनों में फंस गया है। अतिरिक्त सत्र न्यायालय (एडीजे) में मंगलवार को इस बहुचर्चित संपत्ति विवाद के समझौते पर सुनवाई हुई। मामले में उस वक्त नया मोड़ आ गया, जब केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की बड़ी बुआ दिवंगत पद्मावती राजे की बेटी प्रतिमा देवी राना (त्रिपुरा राजघराने से संबंधित) ने इस बंटवारे पर अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज करा दी। प्रतिमा देवी द्वारा दर्ज कराई गई आपत्ति का जवाब देने के लिए ज्योतिरादित्य की बुआ और आपत्तिकर्ता प्रतिमा राजे की तीनों मौसियों (राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, मप्र की पूर्व मंत्री यशोधरा राजे और उषा राजे) ने

बड़ी बुआ की बेटी प्रतिमा देवी राना ने लगाई आपत्ति

न्यायालय से समय मांगा है। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अगली सुनवाई के लिए 17 अगस्त 2026 की तारीख तय की है। इस आपत्ति के बाद समझौते के पुराने प्रस्ताव पर संकट खड़ा हो गया है। गौरतलब है कि वसुंधरा राजे, उषा राजे और यशोधरा राजे ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से पैतृक संपत्ति में अपना हिस्सा पाने के लिए सिविल सूट दायर किया था।

रेल सुरक्षा में बड़ा सुधार, चालू वित्त वर्ष में अब तक केवल दो बड़ी रेल दुर्घटनाएं

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने कहा है कि सुरक्षा उपायों, आधुनिक प्रौद्योगिकी, बेहतर बुनियादी ढांचे और उन्नत रखरखाव व्यवस्था के कारण रेल दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2026-27 में जून तक केवल दो गंभीर रेल दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं, जबकि 2014-15 में इनकी संख्या 135 थी। इसी अवधि में दुर्घटना सूचकांक भी घटकर 0.01 रह गया है। रेलवे ने दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा जैसे व्यस्त रेल मार्गों पर स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच 4.0 को 2,569 रूट किलोमीटर पर सफलतापूर्वक लागू कर दिया है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि वर्ष 2025-26 में कांसिक्वेंशल रेल दुर्घटनाओं की संख्या घटकर 16 रह गई, जो 2014-15 की तुलना में 88 प्रतिशत कम है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में जून तक केवल

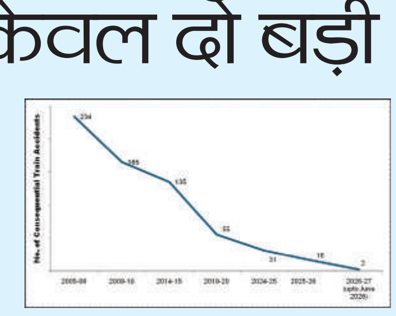

दो ऐसी दुर्घटनाएं हुई हैं। दुर्घटना सूचकांक भी 2014-15 के 0.11 से घटकर 2025-26 में 0.01 रह गया, जो 91 प्रतिशत की कमी दर्शाता है। उन्होंने बताया कि रेलवे में सुरक्षा संबंधी व्यय लगातार बढ़ाया गया है। वर्ष 2013-14 में यह 39,200 करोड़ रुपये था, जो 2026-27 के बजट में बढ़कर 1.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। रेलवे ने 6,671 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग और पूर्ण ट्रैक सर्किटिंग, 10,395 लेवल क्रॉसिंग पर इंटरलॉकिंग, आधुनिक रेल पटरियों, लंबी रेल पैनलों, अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन, ट्रैक रिकॉर्डिंग प्रणाली तथा अन्य तकनीकों को अपनाकर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया है।

रेल मंत्री ने कहा कि जनवरी 2019 तक ब्रॉड गेज नेटवर्क से सभी मानव रहित रेलवे फाटकों को समाप्त कर दिया गया है। इसके अलावा एलएचबी कोचों का निर्माण, रेलवे पुलों का नियमित निरीक्षण, अग्नि सुरक्षा प्रणाली, आधुनिक सिग्नलिंग, ट्रैक मशीनों के उपयोग और कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण जैसे कदम भी सुरक्षा बढ़ाने में सहायक रहे हैं।

उन्होंने बताया कि कवच भारत में विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है, जो लोको पायलट द्वारा निर्धारित गति सीमा का पालन नहीं करने पर स्वतः ब्रेक लगाकर दुर्घटनाओं की संभावना कम करती है। जुलाई 2024 में स्वीकृत कवच संस्करण 4.0 में बेहतर लोकेशन सटीकता, बड़े यार्डों में सिग्नल की अधिक सटीक जानकारी और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली के साथ सीधा समन्वय जैसी नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत सिंह के हाथों में कमान

एजेंसी, नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने बुधवार को जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले 20वें एशियाई खेल 2026 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कप्तानी स्टार डिफेंडर और ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ हरमनप्रीत सिंह करेंगे, जबकि अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह टीम के उपकप्तान होंगे।

भारत मौजूदा एशियाई खेल चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगा। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय टीम ने 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल किया था। इस बार भी टीम का लक्ष्य खिताब बचाने के साथ-साथ लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक का सीधा कोटा हासिल करना होगा। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी मोहित एचएस और सूरज करकेरा संभालेंगे। रक्षापंक्ति में जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और यशदीप सिवाच शामिल हैं। मिडफील्ड में राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, नीलकांत शर्मा और विवेक सागर प्रसाद टीम की कमान संभालेंगे। वहीं आक्रमण की जिम्मेदारी दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, मनदीप सिंह और अभिषेक के कंधों पर होगी। भारतीय टीम को पूल-ए में मेजबान जापान, दक्षिण कोरिया, बांग्लादेश, श्रीलंका और इंडोनेशिया के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 सितंबर को इंडोनेशिया के खिलाफ करेगा। इसके बाद टीम 22 सितंबर को श्रीलंका, 24 सितंबर को दक्षिण कोरिया, 26 सितंबर को जापान और 28 सितंबर को बांग्लादेश से भिड़ेगी। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर कहा कि यह बेहद अनुभवी टीम है और सभी खिलाड़ियों का लक्ष्य एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतकर लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना है। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि उन्हें टीम के हर खिलाड़ी पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा संतुलन टीम की सबसे बड़ी ताकत है। खिलाड़ियों को बिना दबाव के अपनी जिम्मेदारी समझते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दबाव नहीं, जीत की ताकत बना आत्मविश्वास; भारतीय खिलाड़ियों ने साझा किया सफलता का मंत्र

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय खिलाड़ी सिर्फ अपनी शारीरिक क्षमता ही नहीं, बल्कि मानसिक मजबूती का भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की ओर से जारी विशेष रिपोर्ट में खिलाड़ियों ने बताया कि बड़े मुकाबलों का दबाव उन्हें कमजोर नहीं, बल्कि और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता मीराबाई चानू ने भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) के हवाले से कहा कि उन्होंने कभी दबाव से डरना नहीं सीखा। जब भी वह भारत के लिए खेलती हैं तो दबाव उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने का माध्यम बन जाता है। मानसिक मजबूती और दबाव का गहरा संबंध है, इसलिए वह दबाव को सकारात्मक रूप में स्वीकार करती हैं। ऊंची कूद में रजत पदक जीतने वाले सर्वेश कुशारे ने बताया कि कड़ी प्रतिस्पर्धा और ठंडे मौसम के बावजूद उन्होंने दबाव का आनंद लिया। साथी खिलाड़ी तेजस्विन शंकर के उत्साहवर्धन और अपने अनुभव की बदौलत वह इस महीने लगातार तीन बड़ी प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन कर सके। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहैन ने कहा कि शीर्ष स्तर पर सफलता के लिए दबाव को स्वीकार करना जरूरी है। वहीं ओलंपिक और विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा ने कहा कि भारत का प्रतिनिधित्व करते

समय अपेक्षाओं का दबाव हमेशा रहता है, लेकिन वह इसे बोझ नहीं बल्कि आगे बढ़ने की प्रेरणा मानते हैं। भारोत्तोलन में रजत पदक जीतने वाली ज्ञानेश्वरी यादव ने बताया कि प्रतियोगिता से पहले वह भगवद्गीता का पाठ करती हैं, जिससे उन्हें मानसिक शांति और आत्मविश्वास मिलता है। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने कहा कि दबाव हर खिलाड़ी के जीवन का हिस्सा है। उन्होंने खिलाड़ियों को अपनी तैयारी पर भरोसा रखने और अपेक्षाओं से विचलित हुए बिना प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। सच्चे चैंपियन वही होते हैं जो दबाव से भागते नहीं, बल्कि उसी के बीच सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। आईओए के अनुसार ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में जैसे-जैसे प्रतियोगिताएं आगे बढ़ेंगी, दबाव भी बढ़ेगा। ऐसे में मानसिक मजबूती ही खिलाड़ियों को पदक तक पहुंचाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाएगी।

राष्ट्रमंडल खेल-2026: छठे दिन भारत को दो रजत पदक

12 पदकों के साथ तालिका में नौवें स्थान पर

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेल-2026 के छठे दिन भारत ने अपने खाते में दो और रजत पदक जोड़कर कुल पदकों की संख्या 12 पहुंचा दी। एथलेटिक्स में गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में ऐतिहासिक रजत पदक जीता, जबकि हरजिंदर कौर ने महिलाओं के 69 किलोग्राम भार वर्ग में कुल 227 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरा रजत अपने नाम किया। इन दोनों उपलब्धियों के साथ भारत के

खाते में अब 2 स्वर्ण, 7 रजत और 3 कांस्य सहित कुल 12 पदक हो गए हैं। पदक तालिका में भारतीय दल नौवें स्थान पर बना हुआ है। पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा लगातार कायम है। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 35 स्वर्ण, 18 रजत और 27 कांस्य सहित कुल 80 पदक जीतकर पहला स्थान मजबूत किया है। कनाडा 13 स्वर्ण, 10 रजत और 12 कांस्य सहित कुल 35 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड 10 स्वर्ण, 18 रजत और 15 कांस्य सहित कुल 43 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर बना हुआ है। मेजबान स्कॉटलैंड 7 स्वर्ण के साथ चौथे, नाइजीरिया पांचवें, मलेशिया छठे, दक्षिण अफ्रीका सातवें और न्यूजीलैंड आठवें स्थान पर हैं। भारत नौवें स्थान पर है, जबकि जमैका शीर्ष-10 में दसवें स्थान पर मौजूद है। भारत को अब आगामी मुकाबलों में एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, सहित अन्य स्पर्धाओं से पदकों की उम्मीद रहेगी, जिससे पदक तालिका में उसकी स्थिति और मजबूत हो सकती है।

ताइपे ओपनः प्रणय और अनमोल खरब दूसरे दौर में, रौनक और श्रियांशी बाहर

एजेंसी, ताइपे। भारत के अनुभवी शटलर एच.एस. प्रणय ने ताइपे ओपन-2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत करते हुए पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। सातवीं वरीयता प्राप्त प्रणय ने जापान के मिनोरू कोगा को केवल 35 मिनट में 21-11, 21-14 से हराकर अगले दौर का टिकट कटाया। विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रणय इस सीजन संघर्ष से गुजर रहे थे। ताइपे पहुंचने से पहले वह इस वर्ष केवल तीन बार शुरुआती दौर पार कर सके थे। अब दूसरे दौर में उनका मुकाबला भारत के मिथुन मंजूनाथ और हांगकांग के जेसन गुनावन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। महिला एकल में अनमोल खरब ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में जगह बनाई। उन्होंने भारत की ही इशिका जायसवाल को 56 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 21-15, 11-21, 21-19 से हराया। अब अनमोल का सामना अश्मिता चालिहा और चीनी ताइपे की दूसरी वरीयता प्राप्त टी लिन ह्सियांग के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा। हालांकि, भारत को कुछ निराशा भी हाथ लगी। पुरुष एकल में रौनक चौहान को सिंगापुर के रिची डुटा रिचार्डो ने 21-14, 21-16 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

आईपीएल ने भारत में खेलों को देखने का नजरिया बदला : नेस वाडिया

एजेंसी, मुंबई

पंजाब किंग्स के सह-मालिक नेस वाडिया ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने भारत में खेलों को देखने का नजरिया पूरी तरह बदल दिया है। उन्होंने कहा कि आईपीएल ने न सिर्फ खिलाड़ियों के लिए नए अवसर पैदा किए हैं, बल्कि निवेश, खेल उद्योग और खेल ब्रांडों को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। हूलिहान लोकी की वर्ष 2026 की आईपीएल वैल्यूएशन स्टडी में शामिल वाडिया ने कहा कि जब उन्होंने 2008 में पंजाब किंग्स (तत्कालीन किंग्स इलेवन

पंजाब) में निवेश किया था, तब उन्हें विश्वास था कि भारतीय खेल एक नए दौर में प्रवेश करने वाला है। उन्होंने कहा कि शुरुआती सात वर्षों तक फ्रेंचाइजी को लाभ नहीं हुआ, लेकिन उनका भरोसा कभी नहीं डिगा। रिपोर्ट के अनुसार, 2026 सीजन के बाद आईपीएल का व्यावसायिक मूल्य बढ़कर 20.6 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.4 प्रतिशत अधिक है।

लीग का ब्रांड मूल्य 4.3 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंच गया है, जिसमें 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पंजाब किंग्स के निवेश का मूल्य भी बढ़कर लगभग 1,510 करोड़ रुपये (158 मिलियन अमेरिकी डॉलर) हो गया है। वाडिया ने कहा कि आईपीएल की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और आगामी मीडिया अधिकारों के चक्र में भी इसकी कीमत और अधिक बढ़ने की संभावना है।

नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स ने रयान टेन डोशेट को बनाया हेड ऑफ क्रिकेट स्ट्रैटेजी

एजेंसी, कोलकाता

नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स ने अपने पूर्व खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ के अहम सदस्य रहे रयान टेन डोशेट को हेड ऑफ क्रिकेट स्ट्रैटेजी नियुक्त किया है। इस नई भूमिका में वह नाइट राइडर्स समूह की वैश्विक फ्रेंचाइजी के लिए क्रिकेट रणनीति, प्रतिभा की पहचान, खिलाड़ी भर्ती और विकास का नेतृत्व करेंगे। रयान टेन डोशेट स्काउटिंग, खिलाड़ी चयन, टीम संयोजन और प्रदर्शन मूल्यांकन की रणनीति तैयार करेंगे। साथ ही वह विभिन्न फ्रेंचाइजी के कोचिंग स्टाफ के साथ मिलकर पूरे नाइट राइडर्स नेटवर्क में एक समान क्रिकेट दर्शन और कार्यशैली विकसित करने पर काम करेंगे। नई जिम्मेदारी के तहत वह त्रिनबागो नाइट राइडर्स (कैरेबियन प्रीमियर लीग), अबू धाबी नाइट राइडर्स (आईएलटी20) और लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स (मेजर लीग क्रिकेट) के सहायक कोच की भूमिका भी निभाएंगे। नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर ने

बुधवार को फ्रैंचाइजी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि रयान का परिवार में दोबारा स्वागत करते हुए उन्हें बेहद खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि नाइट राइडर्स की क्रिकेट संस्कृति की उनकी गहरी समझ और अंतरराष्ट्रीय व फ्रेंचाइजी क्रिकेट का अनुभव उन्हें इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त बनाता है। उनके नेतृत्व में नाइट राइडर्स नेटवर्क के विकास को नई दिशा मिलेगी। अपनी नियुक्ति पर रयान टेन डोशेट ने कहा कि वह एक बार फिर नाइट राइडर्स परिवार से जुड़कर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि यह विभिन्न वैश्विक फ्रेंचाइजी की कोचिंग और विश्लेषण टीमों के साथ मिलकर स्काउटिंग, खिलाड़ी विकास प्रणाली को मजबूत करने और दीर्घकालिक क्रिकेट रणनीति तैयार करने का शानदार अवसर है।

रयान टेन डोशेट का नाइट राइडर्स के साथ सफर 2011 में खिलाड़ी के रूप में शुरू हुआ था। वह कोलकाता नाइट राइडर्स की 2012 और 2014 की आईपीएल विजेता टीम के सदस्य रहे। इसके बाद 2022 में वह कोचिंग समूह का हिस्सा बने और 2024 में टीम की तीसरी आईपीएल खिताबी जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राष्ट्रमंडल खेलः हरजिंदर कौर ने भारोत्तोलन में जीता रजत पदक

लगातार दूसरे राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने का किया कारनामा

एजेंसी, ग्लासगो

भारतीय भारोत्तोलक हरजिंदर कौर ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को महिलाओं के 69 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। हरजिंदर ने स्नैच और क्लीन एंड जर्क के सभी छह प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए और कुल 227 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरे स्थान पर रहीं। स्नैच स्पर्धा में हरजिंदर ने 96 किलोग्राम से शुरुआत की और इसके बाद 99 किलोग्राम तथा 101 किलोग्राम वजन भी सफलतापूर्वक उठाया। स्नैच में 101 किलोग्राम के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ वह कनाडा की शार्लोट सिमोनो के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। सिमोनो ने 108 किलोग्राम वजन उठाकर बढ़त बनाई थी। क्लीन एंड जर्क में भी हरजिंदर ने अपनी शानदार लय बरकरार रखी। उन्होंने पहले प्रयास में 120 किलोग्राम, दूसरे में 123 किलोग्राम और अंतिम प्रयास में 126 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया। इस तरह उन्होंने स्नैच में 101 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 126 किलोग्राम सहित कुल 227 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक पर कब्जा जमाया। कनाडा की शार्लोट सिमोनो ने 240 किलोग्राम (108 किलोग्राम स्नैच और 132 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क) के राष्ट्रमंडल खेल रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। ऑस्ट्रेलिया की न्या फीबी हेमैन ने कुल 218 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक हासिल किया। यह हरजिंदर कौर का लगातार दूसरे राष्ट्रमंडल खेलों में पदक है। इससे पहले उन्होंने बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं के 71 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता था। ग्लासगो 2026 में उन्होंने 69 किलोग्राम भार वर्ग में उतरकर एक बार फिर भारत को पदक दिलाया।

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच वर्ल्ड कप 2026 के लिए रवाना

- टीम फ्रैंकफर्ट में जर्मनी के खिलाफ दो प्रैक्टिस मैच खेलेगी

एजेंसी, बेंगलुरु

भारतीय महिला हॉकी टीम बुधवार सुबह यूरोप के लिए रवाना हुई। एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप बेल्जियम और नीदरलैंड 2026 की मेजबानी में 15 से 30 अगस्त तक खेला जाएगा। टीम ने बेंगलुरु से मुंबई की यात्रा की और फिर फ्रैंकफर्ट, जर्मनी के लिए उड़ान भरी, जहाँ वह इस बड़े इवेंट से पहले अपनी तैयारियों के आखिरी चरण को पूरा करेगी। फ्रैंकफर्ट में रहने के दौरान, भारतीय टीम 31 जुलाई और 1 अगस्त को जर्मनी के खिलाफ दो प्रैक्टिस मैच खेलेगी ताकि टीम के

तालमेल को बेहतर बनाया जा सके और यूरोपीय परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाला जा सके। ट्रेनिंग कैंप के बाद, टीम 2 अगस्त को एम्स्टर्डम के लिए रवाना होगी ताकि नीदरलैंड में वर्ल्ड कप की अपनी तैयारियों को जारी रख सके। भारत 16 अगस्त को चीन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, जिसके बाद पूल D में दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ मैच खेलेगा। टीम के रवाना होने से पहले, कप्तान सलीमा टेटे ने टीम की तैयारियों पर भरोसा जताते हुए कहा, 'पूरी टीम आने वाली चुनौती के लिए उत्साहित है। हमारी ट्रेनिंग अच्छी रही है, और अब उस लय को प्रैक्टिस मैचों और फिर वर्ल्ड कप में भी बनाए रखना है। अपने पहले मैच में चीन का सामना करना एक अहम परीक्षा होगी, और हम टूर्नामेंट की शुरुआत सकारात्मक तरीके से करना चाहते हैं। एक टीम के तौर पर, हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और देश का नाम रोशन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' जर्मनी में महीनों की तैयारी और अहम ट्रेनिंग (जिसमें मेजबान टीम के खिलाफ दो प्रैक्टिस मैच भी शामिल हैं) के साथ, टीम अच्छी शुरुआत करने के लिए उत्सुक है।

राष्ट्रमंडल खेलः गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में जीता रजत पदक

एजेंसी, ग्लासगो

भारतीय धावक गुलवीर सिंह ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में इतिहास रचते हुए मंगलवार को पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही वह इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बन गए। उन्होंने 27 मिनट 49.78 सेकंड का समय निकालकर यह उपलब्धि हासिल की। यह राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष 10,000 मीटर स्पर्धा में भारत का पहला पदक है। वहीं, पुरुष और महिला दोनों वर्गों को मिलाकर इस स्पर्धा में भारत को 16 वर्षों बाद पदक मिला है। इससे पहले दिल्ली 2010 राष्ट्रमंडल खेलों में कविता राऊत ने महिला 10,000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता था। दौड़ की शुरुआत में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुलवीर सिंह शीर्ष धावकों के साथ बने रहे। 4,000 मीटर तक वह तीसरे स्थान पर थे, लेकिन आधी दूरी पूरी होने तक छठे स्थान पर खिसक

गए। इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 6,000 और 7,000 मीटर तक पांचवां स्थान हासिल किया। 8,000 मीटर पर वह फिर छठे स्थान पर पहुंचे, लेकिन अंतिम एक किलोमीटर बाकी रहते चौथे स्थान पर आ गए।

आखिरी चरण में गुलवीर सिंह ने जबरदस्त तेजी दिखाई। उन्होंने अंतिम एक किलोमीटर की दूरी 2 मिनट 29.2 सेकंड में पूरी करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ दिया और रजत पदक पर कब्जा जमाया। ऑस्ट्रेलिया के काइ रॉबिन्सन ने 27 मिनट 48.93 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि आइल ऑफ मैन के डेविड मुलार्की ने 27 मिनट 50.28 सेकंड के साथ कांस्य पदक हासिल किया। स्वर्ण और रजत के बीच केवल 0.85 सेकंड तथा रजत और कांस्य के बीच महज 0.50 सेकंड का अंतर रहा। गुलवीर सिंह का यह प्रदर्शन भारतीय लंबी दूरी की दौड़ के इतिहास में एक नई उपलब्धि के रूप में दर्ज हो गया है और उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों की 10,000 मीटर स्पर्धा में भारत के 16 वर्षों के पदक इंतजार को भी समाप्त कर दिया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, गुरुवार, 30 जुलाई, 2026

आपको समाज सेवा करने का मौका देता है फार्मासिस्ट करियर

फार्मासिस्ट बनकर आपको समाज की सेवा करने का भी मौका मिलता है। ऐसे में यदि आप भी फार्मासिस्ट बनना चाहते हैं, तो इससे जुड़ी सभी डिटेल्स के बारे में आपको जानकारी होना जरूरी है।

अक्सर छात्र अपने करियर को लेकर काफी परेशान रहते हैं। क्योंकि मेहनत के साथ ही सही कोर्स का चुनाव करना भी जरूरी होता है। ऐसे में आप फार्मासिस्ट बन करने करियर को नई दिशा दे सकते हैं।

फार्मासिस्ट बनकर आपको समाज की सेवा करने का भी मौका मिलता है। ऐसे में यदि आप भी फार्मासिस्ट बनना चाहते हैं, तो इससे जुड़ी सभी डिटेल्स के बारे में आपको जानकारी होना जरूरी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस कोर्स की सारी डिटेल्स बताने जा रहे हैं।

क्वालिफिकेशन

फार्मासिस्ट बनने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं है। छात्र को फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी या मैथ्स विषय से 12वीं पास होना चाहिए। 12वीं के बाद बैचलर ऑफ फॉर्मेसी की डिग्री हासिल करनी होगी। बी फार्मा का कोर्स 4 साल का होता है। वहीं आप चाहें तो मास्टर ऑफ फार्मेसी भी कर सकते हैं, यह दो साल का कोर्स होता है। इसमें पीएचडी का भी एक ऑप्शन होता है, पीएचडी कर आप शोध और शिक्षण के क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

चयन प्रक्रिया

बी.फार्मा में एडमिशन के लिए अधिकतम राज्यों और विश्वविद्यालयों द्वारा एंट्रेंस एग्जाम आयोजित कराए जाते हैं। तो वहीं कुछ प्रमुख परीक्षाओं में CUET और राज्य स्तरीय परीक्षाएं आदि भी शामिल हैं। एंट्रेस एग्जाम के बाद मेरिट लिस्ट के आधार पर काउंसलिंग की जाती है।

झइन जगहों पर कर सकते हैं नौकरी

- अस्पताल और क्लीनिक
- फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री
- रिटेल फार्मेसी
- रेगुलेटरी अफेयर्स
- शिक्षण

सैलरी

फार्मासिस्ट की सैलरी अनुभव, कार्यक्षेत्र और नौकरी की लोकेशन आदि पर निर्भर करती है। बता दें कि एक फार्मासिस्ट की औसत सैलरी 2.5 लाख से 4 लाख रुपए प्रति वर्ष हो सकती है। एक्सपीरियंस के साथ ही सैलरी बढ़ती जाती है। अनुभवी फार्मासिस्ट की सैलरी 8 लाख से 12 लाख रुपए प्रति वर्ष या इससे भी ज्यादा हो सकती है।

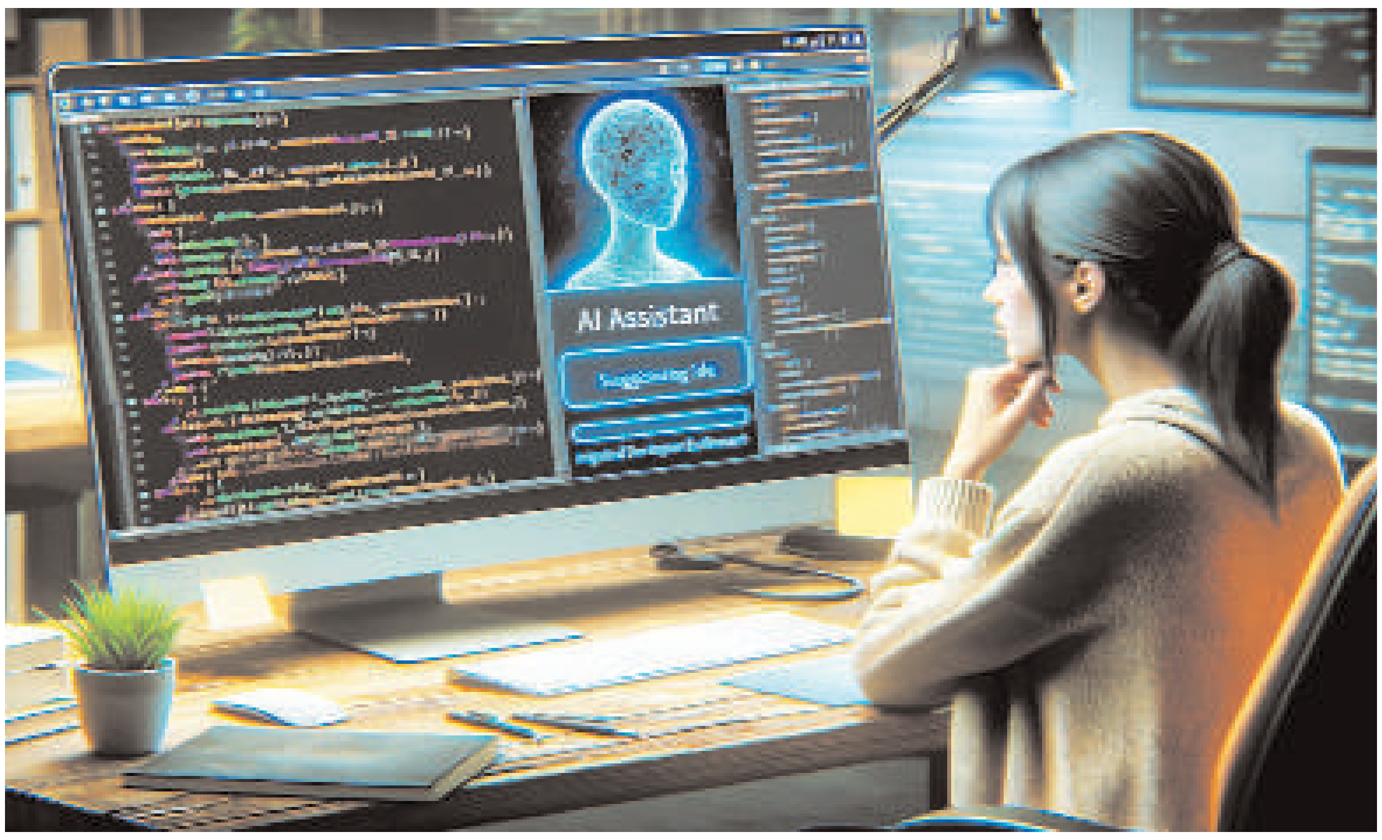

करियर में आगे बढ़ने के लिए मदद कर सकते हैं एआई शॉर्ट टर्म कोर्स

इन दिनों बहुत सारे लोग नौकरी, बिजनेस या फिर पढ़ाई करते हुए कई दूसरे स्किल भी सीख रहे हैं। ऐसे में जिन लोगों के पास समय नहीं होता है, वह शॉर्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं। बता दें कि यह कोर्स पूरी तरह से ऑनलाइन होते हैं।

इन दिनों बहुत सारे लोग नौकरी, बिजनेस या फिर पढ़ाई करते हुए कई दूसरे स्किल भी सीख रहे हैं। लेकिन रेग्यूलर कोर्स करने के लिए आपको किसी संस्थान में जाना होता है, इसके लिए आपके पास पर्याप्त समय होना चाहिए। ऐसे में जिन लोगों के पास समय नहीं होता है, वह शॉर्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं। बता दें कि यह कोर्स पूरी तरह से ऑनलाइन होते हैं। वहीं इनमें से बहुत सारे कोर्स ऐसे भी होते हैं, जिनको करने के लिए आप किसी खास या तय समय पर कंप्यूटर के सामने नहीं बैठना पड़ता, बल्कि आप अपने समयानुसार इन कोर्स को कर सकते हैं।

राज्य और केंद्र सरकार के अलावा Google, IBM, Reuters जैसी कंपनियां भी इन कोर्सेज को कराती हैं। इन कोर्स की फीस 500 रुपए से लेकर 15 हजार रुपए तक हो सकती है। इनमें से कुछ कोर्स फ्री होते हैं, लेकिन सर्टिफिकेट लेने के लिए कुछ पैसे देने पड़ते हैं।

AI कोर्स

आपको बता दें कि गूगल समेत कई कंपनियों की तरफ से कई तरह के AI कोर्स जारी किए गए हैं। यह कोर्स ऑनलाइन और पूरी तरह फ्री हैं। करियर में आगे बढ़ने के लिए यह कोर्स आपकी मदद कर सकते हैं। हालांकि यह कोर्स अंग्रेजी में होते हैं और आपको थोड़ी-बहुत कंप्यूटर की जानकारी होनी चाहिए। बाकि इन कोर्स को करने के लिए किसी खास तरह की योग्यता की आवश्यकता नहीं है। ऐसे में आप यह कोर्स को अपनी रेज्यूमे में जोड़कर अच्छी नौकरी की तलाश पूरी कर सकते हैं।

लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स

इस कोर्स को करने के बाद आप भी ChatGPT जैसा प्लैटफॉर्म बना सकते है। इस कोर्स में आपको यह सिखाया जाता है कि किस तरह से ChatGPT जैसे प्लेटफॉर्म पर इमेज और कंटेंट क्रिएट किया जाता है। आप इस कोर्स को करने के बाद किसी भी टॉपिक पर आर्टिकल बना सकते हैं। यह किसी भी कंटेंट को दूसरी भाषा में ट्रांसफर कर सकते हैं। मिनटों में लंबे असाइनमेंट या प्रोजेक्ट तैयार कर सकते हैं। लार्ज लैग्वेज मॉडल्स कोर्स में यह भी बताया व सिखाया जाता है कि आप किस तरह प्रॉम्प्ट ट्यूनिंग की मदद से आउटपुट पर कंट्रोल पा सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 8 घंटे की है।

इमेज जनरेटर

इमेज जनरेटर का कोर्स कर आप AI की मदद से कैसा भी कोई भी फोटो जनरेट कर सकते हैं। इस कोर्स में आप यह भी सीख सकते हैं कि कम रिजॉल्यूशन वाली फोटो को हाई रिजॉल्यूशन में कैसे बदलें। इस कोर्स को करने के बाद आप किसी का चेहरा भी डिजाइन कर सकते हैं और लैंडस्केप इमेज भी तैयार कर सकती हैं। इस कोर्स में टेक्स्ट प्रॉम्प्ट के आधार पर इमेज, स्केच और कार्टून आदि बनाने की ट्रेनिंग दी भी जाती है। इस कोर्स की अवधि 8 घंटे की है।

6 महीने का समय

इन कोर्स को करने का समय 3 घंटे से लेकर 6 महीने तक का हो सकता है। कोर्स को कब करना है, कितने बजे से कितने बजे तक करना है, यह फिक्स नहीं होता है। अपनी सुविधानुसार आप किसी भी समय इस कोर्स को कर सकते हैं।

AI में कैसे जॉब पाएं?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आने से तकनीक क्षेत्र लेकर मीडिया लाइन में इसका काफी प्रयोग हो रहा है। यह आज के समय में काफी डिमांड में है। AI क्षेत्र में नौकरियां भी काफी तेजी से बढ़ रही हैं। AI को करियर के रुप में देखा जा रहा है। बड़ी-बड़ी कंपनियां AI पर फोकस कर रही हैं, इसी तरह लोग भी AI बेस्ड नई नौकरी पाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। आपको बता दें कि, AI में कई नौकरियां शामिल हैं जैसे मशीन लर्निंग इंजीनियर, प्रॉम्पट इंजीनियर, डेटा साइंटिस्ट या AI रिचर्स इत्यादि। अगर आप इसे करियर बनाना चाहते हैं तो आपको बता दें किस तरह की पढ़ाई करनी है और कंपनियां को किस तरह की प्रोफाइल वाले रिज्यूम पसंद आते हैं।

टेक्निकल पढ़ाई

दरअसल, बिजनेस इंसाइडर की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ रिक्रूटर्स का कहना है कि AI जॉब के लिए टेक्निकल एजुकेशन होना काफी जरुरी है। उनका मानना है कि अक्सर AI बेस्ड जॉब देने वाली कंपनियां कंप्यूटर साइंस, डेटा साइंस, मैथ्स और एप्लाइड साइंस को कुछ मेन डिग्री के रुप में देखते हैं।

कानून की समझ हो

टैलेंट फर्म कैरेक्स कंसल्टिंग ग्रुप के एक टेक्निकल रिक्रूटर एंड्री मेंडोजा ने कहा कि क्योंकि AI एक नया फील्ड है, इसलिए इसकी ट्रेनिंग एक अच्छा ऑप्शन है। आगे उन्होंने बताया कि कानून की गहरी समझ होना जरुरी है और बेस्ट सिक्योरिटी प्रैक्टिस भी होनी जरुरी है। लेकिन शुरुआत में इतना काफी नहीं है। अगर आप इस नई फील्ड में अपनी जगह बनाने चाहते हैं तो आपका टेक्निकल बैकग्राउंड से होना बहुत जरुरी है। जो लोग अलग-अलग पढ़ाई या करियर वाले स्कूल से आत हैं, उन्हें AI में नौकरी नहीं मिल सकती है।

प्रोग्रामिंग लैंग्वेज आना चाहिए

अगर आप AI में नौकरी पाना चाहते हैं तो AI की स्पेफिक टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी और इंजीनियर होना बहुत जरुरी है, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज आना भी जरुरी है। AI में नौकरियों के लिए आवेदकों के लिए पायथन या जावास्क्रिप्ट की समझ होनी चाहिए।

कोडिंग की समझ भी जरुरी

एक्सपर्ट के मुताबिक, कोडिंग सर्टिफिकेट्स नौकरी पाने की संभावनाएं बढ़ा देते हैं। अगर AI में बेहतरीन नौकरी चाहिए तो कोडिंग की अच्छी समझ होनी चाहिए।

बिना कोडिंग के भी मिलेगा करोड़ों का इंटरनेशनल पैकेज, बढ़ रही इस बीटेक ब्रांच की डिमांड

आजकल जब भी कोई इंजीनियरिंग करने की सोचता है, तो सबसे पहले उसके दिमाग में बीटेक यानी कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग का नाम आता है. सबको लगता है कि बड़ा पैकेज और शानदार करियर सिर्फ कोडिंग या सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में ही मिल सकता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसी भी फील्ड है जहां बिना कोडिंग के भी छात्रों को करोड़ों रुपये के इंटरनेशनल पैकेज मिल रहे हैं. वो है बीटेक पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

अगर आपकी रुचि कोर इंजीनियरिंग में है और आप दुनिया घूमने के साथ-साथ एक शानदार सैलरी पैकेज चाहते हैं, तो यह फील्ड आपके लिए एक बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकती है. आइए जानते हैं कि पेट्रोलियम इंजीनियरिंग क्या है और क्यों यह आज के समय में इतनी डिमांड में है.

क्या होती है बीटेक पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग इंजीनियरिंग की वह ब्रांच है जो जमीन के नीचे से कच्चे तेल और नेचुरल गैस को सुरक्षित और सही तरीके से बाहर निकालने की टेक्नीक पर काम करती है. एक पेट्रोलियम इंजीनियर का काम सिर्फ खुदाई करना नहीं होता. वे यह पता लगाते हैं कि जमीन या समुद्र के नीचे तेल कहां है, उसे बाहर निकालने के लिए कौन सी मशीनें लगेंगी और कैसे कम से कम खर्चे में ज्यादा से ज्यादा तेल निकाला जा सकता है.

क्यों मिल रहे हैं इसमें इंटरनेशनल पैकेज

बहुत से लोगों को लगता है कि दुनिया अब इलेक्ट्रिक गाड़ियों और रिन्यूएबल एनर्जी की तरफ बढ़ रही है, तो तेल की डिमांड कम हो जाएगी. लेकिन सच यह है कि प्लास्टिक, दवाइयां, केमिकल और भारी उद्योगों में आज भी पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का कोई दूसरा विकल्प नहीं है. आजकल ज्यादातर छात्र कंप्यूटर साइंस की तरफ भाग रहे हैं, इसलिए बीटेक पेट्रोलियम इंजीनियरिंग के फील्ड में टैलेंटेड प्रोफेशनल्स की भारी कमी हो गई है. डिमांड ज्यादा और सप्लाई कम होने की वजह से बड़ी-बड़ी विदेशी कंपनियां जैसे अरामको, शेल, और शेवरॉन भारतीय छात्रों को सीधे कॉलेज कैंपस से ही करोड़ों रुपये के इंटरनेशनल पैकेज पर हायर कर रही हैं.

मिडिल ईस्ट में नौकरियों की भरमार

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग पूरी दुनिया से जुड़ा हुआ बिजनेस है. इस कोर्स को करने के बाद आपको सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में काम करने का मौका मिलता है. विशेष रूप से दुबई, सऊदी अरब, कतर, ओमान जैसे मिडिल ईस्ट (खाड़ी) देशों में तेल के विशाल भंडार हैं. इसके अलावा अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में भी पेट्रोलियम इंजीनियर्स की भारी मांग रहती है. इन देशों में काम करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि वहां सैलरी बहुत ज्यादा होती है और कई देशों में तो इनकम टैक्स भी नहीं देना पड़ता है.

कोर्स के दौरान क्या-क्या पढ़ना होता है

अगर आप इस फील्ड में आना चाहते हैं, तो आपको 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स पढ़ना जरूरी है. इसके बाद आप IITs या देश की अन्य टॉप यूनिवर्सिटीज से 4 साल का बीटेक पेट्रोलियम इंजीनियरिंग कोर्स कर सकते हैं. इस कोर्स के दौरान आपको नीचे दिए गए मुख्य विषयों के बारे में सिखाया जाता है:

ड्रिलिंग टेक्नोलॉजी: जमीन और समुद्र में गहरे कुएं कैसे खोदे जाते हैं.
रिजर्वोइयर इंजीनियरिंग: तेल के भंडारों का सही अंदाजा लगाना.
प्रोडक्शन ऑपरेशन्स: तेल को जमीन से बाहर निकालने की पूरी प्रक्रिया.
जियोलॉजी: धरती की परतों और चट्टानों का अध्ययन करना.

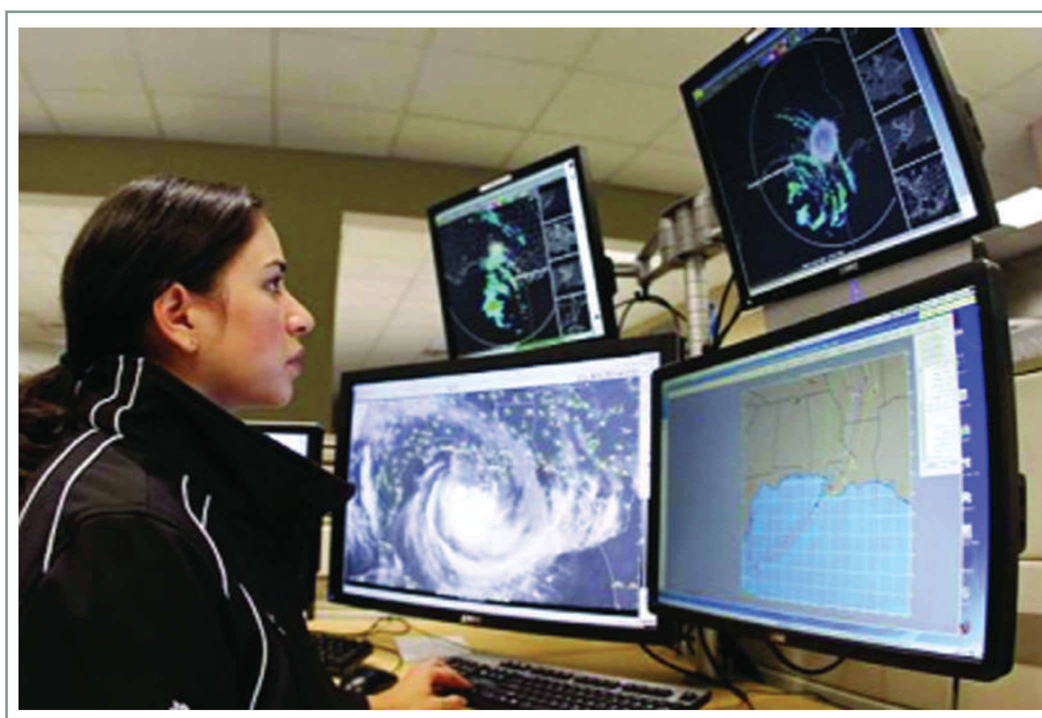

आपके शहर, घर और पसंदीदा जगहों की सेटेलाइट तस्वीरों की हो या फिर उस जीपीएस तकनीक की, जिसकी मदद से आप कोई पता तलाशते हैं, किसी अनजाने क्षेत्र में जाने के लिए आसान रास्ता ढूंढ़ते हैं या कोई नजदीकी होटल खोजते हैं। कुछ साल पहले तक कोरी कल्पना लगने वाली ये तकनीकें अब हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुकी हैं। यह सब संभव हुआ है जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी के कारण।

हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुकी हैं जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी

जीआईएस या जियोमेटिक्स एक नई वैज्ञानिक अवधारणा है, जिसका इस्तेमाल जियोग्राफिकल इंफॉर्मेशन साइंस या जियोस्पेशल इंफॉर्मेशन स्टडीज में होता है। अकादमिक रूप से यह जियोइंफॉर्मेटिक्स विषय की एक शाखा है। इस विषय के सिद्धांतों को आधार बनाकर तैयार की गई तकनीकों को जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी कहा जाता है। इस तकनीक की मदद से सभी तरह की भौगोलिक सूचनाओं को इकट्ठा करके उनका संग्रहण, विश्लेषण और प्रबंधन किया जा सकता है। इस कार्य में जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस), ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) और रिमोट सेंसिंग का प्रयोग किया जाता है। भारत में जियोमेटिक्स का क्षेत्र अभी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन एक उद्योग के रूप में यह तेजी से विस्तार कर रहा है। इसको अपने कामकाज के लिए बड़े पैमाने पर स्पेशल डाटा (आकाशीय आंकड़ों) की जरूरत होती है। मगर शुरुआती दौर में होने की वजह से इस उद्योग में कुशल पेशेवरों की कमी बनी हुई है। इस कारण यहां रोजगार और तरक्की की दृष्टि से काफी संभावनाएं हैं। इस तकनीक का लाभ परिवहन, रक्षा, विनिर्माण और संचार सहित सैकड़ों क्षेत्रों में लिया जा रहा है। अर्बन प्लानिंग, लैंड यूज मैनेजमेंट, इन-कार नेविगेशन सिस्टम, वचरुअल ग्लोब, पब्लिक हेल्थ, इंवायरन्मेंटल मॉडलिंग एंड एनालिसिस, मिलिट्री, ट्रांसपोर्ट नेटवर्क प्लानिंग एंड मैनेजमेंट, एग्रीकल्चर, मीटिअरोलॉजी, ओशियनोग्राफी एंड एटमॉस्फेयर मॉडलिंग, बिजनेस लोकेशन प्लानिंग, आर्किटेक्चर, आर्कियोलॉजिकल रिकंस्ट्रक्शन, टेलीकम्यूनिकेशंस, क्रिमिनोलॉजी एंड क्राइम सिमुलेशन, एविएशन और मैरीटाइम ट्रांसपोर्ट आदि से संबंधित कार्यो में जियोइंफॉर्मेटिक्स काफी मददगार साबित हो रहा है। क्लाइमेट चेंज स्टडीज, टेलीकम्यूनिकेशंस, डिजास्टर मैनेजमेंट और उसकी तैयारियों में इस तकनीक से विशेष मदद मिलती है। इसी तरह बिजनेस लोकेशन प्लानिंग, आर्किटेक्चर और आर्कियोलॉजिकल रिकंस्ट्रक्शन में इस तकनीक को अपनाए जाने के बाद काम की गुणवत्ता में काफी सुधार आया है। जियोग्राफी और अर्थ साइंस के विशेषज्ञों और शोधार्थियों को भी इस तकनीक से सटीक अध्ययन में काफी मदद मिली है।

जियोइंफॉर्मेटिक्स के बढ़ते महत्व का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अब यह सरकारी और निजी क्षेत्र के संगठनों में बड़े निर्णयों का आधार भी बनने लगा है। व्यावसायिक प्रतिष्ठान, पर्यावरण एजेंसियां, सरकार, शोध-शिक्षण संस्थान, सर्वेक्षण और मानचित्रीकरण संगठन अपने कामकाजी फैसलों में इस तकनीक से प्राप्त आकंड़ों को वरीयता देते हैं। कई सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों ने अपने दैनिक कार्यो का प्रबंधन करने के लिए भी स्पेशल डाटा का उपयोग शुरू कर दिया है।

संभावनाएं

जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी में कई तरह के रोजगार उपलब्ध हैं। साथ ही नए-नए अवसर भी इस क्षेत्र में पैदा हो रहे हैं। एनालिस्ट, काटरेग्राफर, सर्वेयर, प्लानर, एरियल फोटोग्राफर और मैपिंग टेक्निशियन आदि रोजगार के कुछ प्रमुख विकल्प हैं, जिन्हें जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी की पढ़ाई कर रहे छात्र चुन सकते हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, गुरुवार, 30 जुलाई, 2026

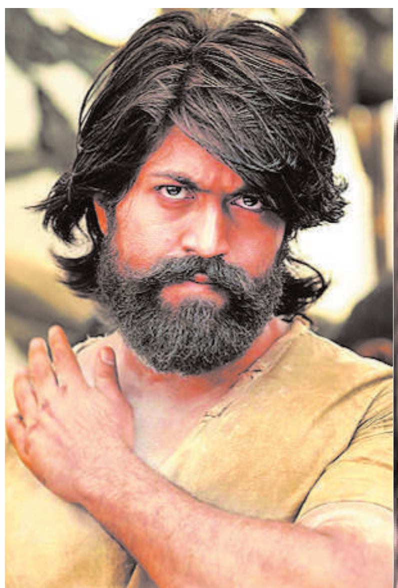

रामायण में रावण का किरदार निभाने पर यश ने की बात

मुंबई फिल्म 'रामायण' को लेकर लोगों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। इस बीच, फिल्म में काम करने के साथ-साथ अपने बैनर 'मॉनस्टर माइंड क्रिएशंस' के तहत इसे प्रोड्यूस कर रहे अभिनेता यश कॉमिक-कॉन इवेंट में अपनी टीम के साथ पहुंचे। मीडिया से बातचीत के दौरान, फिल्म में रावण का किरदार निभा रहे यश ने इस रोल की गहराइयों, रामायण के विचारों और आज के समय में भी इसकी सीख क्यों जरूरी है, इस पर खुलकर बात की।

रामायण पर अपने विचार रखते हुए यश ने कहा, 'किसी भी कहानी को बताने के लिए आपको अच्छाई और बुराई, सही और गलत दोनों की जरूरत होती है। उनके मुताबिक, रामायण भगवान राम और रावण के बिल्कुल अलग रास्तों और सफर की कहानी है। इस अंतर को समझाते हुए यश ने कहा, 'भगवान राम राजा के रूप में जन्मे थे, लेकिन उनके सामने ऐसी स्थितियां आईं जहां उन्हें सब कुछ खोना पड़ा। फिर अपने अच्छे व्यवहार और सही कामों के दम पर उन्होंने अपनी ताकत वापस हासिल की। दूसरी तरफ, रावण ने बिल्कुल शुरुआत से सफर शुरू किया और बहुत ताकतवर बना। लेकिन कभी-कभी जैसा कहा जाता है, जब आप किसी राक्षस से लड़ते हैं, तो आप खुद उससे भी बड़े राक्षस बन जाते हैं। इस बात को लेकर बहुत सावधान रहने की जरूरत होती है।' यश के मुताबिक, यही अंतर इस कहानी को हर दौर के लिए खास बनाता है। जहां भगवान राम ने अपने संस्कारों और सही कामों से सब कुछ वापस पाया, वहीं रावण का सफर यह याद दिलाता है कि कैसे ताकत जब बदले और अहंकार से भर जाती है, तो विनाश की ओर ले जाती है।

रावण के बारे में बात करते हुए यश ने कहा कि यह किरदार सिर्फ एक साधारण विलेन (खलनायक) से कहीं ज्यादा गहरा है। उन्होंने कहा, 'वह कई कलाओं का ज्ञानी था।' यश ने आगे जोड़ा कि अपार ज्ञान और क्षमताओं के बावजूद रावण आखिरकार 'अपनी ताकत पर काबू नहीं रख पाया।' यश के अनुसार, यही विरोधाभास उन्हें पौराणिक कथाओं का सबसे दिलचस्प किरदार बनाता है। रोल की तैयारियों पर बात करते हुए यश ने कहा कि उनका ध्यान रावण को नए सिरे से गढ़ने पर नहीं, बल्कि उसकी सोच को समझने पर था। उन्होंने खुद से पूछा, 'एक एक्टर के तौर पर आप इसमें नया क्या ला रहे हैं? इस किरदार के बारे में आपकी अपनी क्या समझ है?' निर्देशक नितेश तिवारी और लेखकों की सोच की तारीफ करते हुए यश ने कहा, 'मैं यह समझना चाहता था कि रावण ने जो कुछ भी किया, उसके पीछे उसकी क्या वजह थी। मेरे लिए उसके कामों के पीछे की मंशा को समझना बाकी किसी भी चीज से ज्यादा जरूरी था।'

टेलीविजन में काम करना आसान नहीं, यहां कलाकारों को कम समय में अपना बेस्ट देना होता है

टेलीविजन अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों अपने शो 'तुम से तुम तक' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने इंटरव्यू में टेलीविजन इंडस्ट्री को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने उन लोगों पर सवाल उठाया है जो आज के समय में टीवी को फिल्मों और ओटीटी से कमतर मानते हैं। उनका कहना है कि टीवी कलाकारों के लिए सबसे बड़ा स्कूल है, जहां हर दिन कुछ नया सीखने का मौका मिलता है। निहारिका चौकसे ने कहा, ''मुझे टीवी पर काम करना हमेशा पसंद आता है। अगर कोई मुझसे कहे कि मुझे रोज 14 घंटे काम करना होगा, तब भी मुझे कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि मुझे बिजी रहना अच्छा लगता है। मुझे समझ नहीं आता कि कुछ लोग टेलीविजन को कम क्यों आंकने लगते हैं। मेरे लिए टीवी सबसे बड़ा स्कूल है। यहां कैमरे के सामने अभिनय करना, लंबी-लंबी लाइन्स याद करना और हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन करना सीखने को मिलता है।''

उन्होंने आगे कहा, ''टेलीविजन में काम करना आसान नहीं होता, क्योंकि यहां कलाकारों को बहुत कम समय में अपना बेस्ट देना पड़ता है। टीवी में अगले दिन का एपिसोड प्रसारित होना होता है, इसलिए नई स्क्रिप्ट मिलते ही कलाकारों को तुरंत तैयारी करनी पड़ती है और शूटिंग भी करनी होती है। वेब सीरीज में कलाकारों को वर्कशॉप और तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलता है, लेकिन टीवी में काम की रफ्तार कहीं ज्यादा तेज होती है। यही वजह है कि टीवी कलाकारों को हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और लगातार मेहनत करनी पड़ती है।''

निहारिका चौकसे ने कहा, 'मनोरंजन जगत अब पहले से बेहतर दिशा में आगे बढ़ रहा है। बदलाव जीवन का सबसे बड़ा सच है और इंडस्ट्री भी समय के साथ बदल रही है। पहले टेलीविजन में महिलाओं पर आधारित कहानियां ज्यादा देखने को मिलती थीं, लेकिन अब फिल्मों में भी महिला कलाकारों को मजबूत और अहम किरदार मिलने लगे हैं। महिला प्रधान फिल्मों का अच्छा प्रदर्शन इस बात का सबूत है कि दर्शकों की सोच बदल रही है और इंडस्ट्री महिलाओं को पहले से ज्यादा अवसर दे रही है।' रियलिटी शोज में आने को लेकर भी निहारिका ने कहा, ''अभी मैं सिर्फ काम करना चाहती हूं। रियलिटी शोज बाद में भी किए जा सकते हैं। सबसे पहले मैं अपना फैन बेस मजबूत करना चाहती हूं, ताकि जब भी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लूं, तो जीतने के इरादे से जाऊं।'' उन्होंने कहा, 'मुझे डांस करना बेहद पसंद है, इसलिए 'झलक दिखला जा' मेरे पसंदीदा रियलिटी शोज की लिस्ट में शामिल है। वहीं, 'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा लेने की इच्छा भी है, लेकिन उससे पहले मैं अपने डर पर काबू पाना चाहती हूं।'

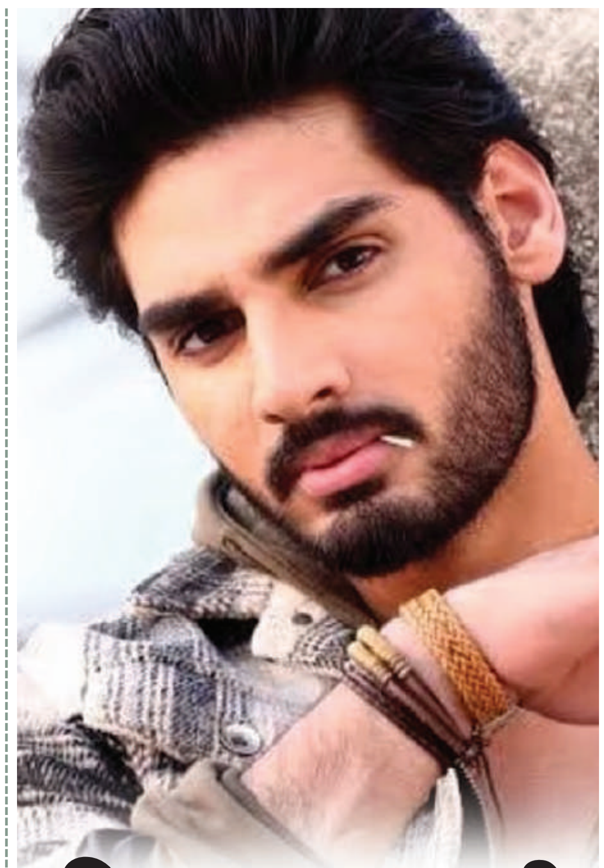

विक्रम भट्ट की '1920: कोल्ड...' से जुड़े अहान शेट्टी

अहान शेट्टी अब अपने करियर में नया प्रयोग करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने निर्देशक विक्रम भट्ट की सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म '1920 : कोल्ड विंटर' के लिए हामी भर दी है। यह अहान के करियर की पहली हॉरर फिल्म होगी। 'तड़प' से रोमांटिक-एक्शन हीरो के रूप में शुरुआत करने वाले अहान हाल ही में 'बॉर्डर 2' में भी दिखे थे। अब वह अलग-अलग जॉनर में खुद को साबित करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। हालांकि, इस खबर पर अभी तक मेकर्स या एक्टर की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

फिलहाल स्क्रिप्टिंग स्टेज में है विक्रम की फिल्म

'1920 : कोल्ड विंटर' फिलहाल स्क्रिप्टिंग स्टेज में है। सूत्रों का कहना है कि अहान अपनी फिल्मोग्राफी को सीमित दायरे में नहीं रखना चाहते और इसी वजह से उन्होंने हॉरर जैसे जॉनर में दिलचस्पी दिखाई है। माना जा रहा है कि फिल्म में उनका किरदार अब तक निभाए गए रोल्स से अलग होगा।

फिल्म के लिए लीड एक्ट्रेस की तलाश जारी

फिल्म के निर्माण से जुड़े सूत्रों का दावा है कि विक्रम और निर्माता आनंद पंडित इन दिनों फिल्म की लीड एक्ट्रेस की तलाश में हैं। मेकर्स किसी नए चेहरे के बजाय ऐसी एक्टेस को कास्ट करना चाहते हैं, जिसकी इंडस्ट्री में अच्छी पहचान हो। अगर सभी तैयारियां तय समय पर पूरी हो जाती हैं, तो फिल्म की शूटिंग नवंबर से शुरू किए जाने की प्लानिंग है।

फिल्म की टीम स्कॉटलैंड में लोकेशन रेकी करेगी

शूटिंग शुरू होने से पहले निर्माता-निर्देशक की टीम स्कॉटलैंड में लोकेशन रेकी करेगी। इसके बाद फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग शिमला की खूबसूरत और रहस्यमयी लोकेशंस पर भी किए जाने की संभावना है। मेकर्स का मानना है कि इन स्थानों का माहौल फिल्म की सुपरनैचुरल कहानी को और प्रभावशाली बनाएगा।

'खलीफा' से मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अपनी नई पारी की शुरुआत करने जा रही हैं मालविका शर्मा

मालविका शर्मा मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अपनी नई पारी की शुरुआत फिल्म 'खलीफा' से करने जा रही हैं। यह एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर है, जिसमें पृथ्वीराज सुकुमारन और मोहनलाल जैसे दिग्गज कलाकार लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन वैशाख ने किया है, जबकि इसकी कहानी जिनु अब्राहम ने लिखी है। यह फिल्म 20 अगस्त 2026 को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी। निर्माताओं ने 'खलीफा' को दो पार्ट वाली फ्रेंचाइज के रूप में तैयार करने की योजना बनाई है। फिल्म में बड़े पैमाने पर एक्शन सीक्वेंस होंगे, जिनकी शूटिंग लंदन, दुबई, केरल और नेपाल सहित कई देशों और लोकेशंस पर की गई है। फिल्म का पहला लिरिकल वीडियो 21 जुलाई यानि आज शाम 6 बजे रिलीज किया जाएगा। इसके साथ जारी टैगलाइन 'बदला सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा' कहानी के गंभीर और नाटकीय अंदाज की झलक देती है। बता दें कि मालविका इससे पहले तेलुगु और तमिल फिल्मों 'नेला टिकट', 'भीमा' के जरिए अपनी पहचान बना चुकी हैं। वहीं, वैशाख और पृथ्वीराज की जोड़ी 'पोक्किरी राजा' के बाद दोबारा साथ आई है, जबकि लेखक जिनु अब्राहम मोहनलाल के साथ तीसरी बार काम कर रहे हैं।

'वाराणसी' मेरी अब तक की सभी फिल्मों से अलग है

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। इसके साथ प्रियंका लंबे समय बाद भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म अप्रैल 2027 में थिएटर्स में रिलीज होगी। हाल ही में प्रियंका ने बताया कि वह पिछले 14 महीनों से इस फिल्म पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राजामौली अपनी फिल्मों पर काफी समय देते हैं और 'वाराणसी' एक बड़ी एडवेंचर बेस्ड फिल्म है। प्रियंका ने बताया कि फिल्म में उन्होंने कई स्लो मोशन एक्शन सीक्वेंस भी किए हैं। इसके अलावा अपने एक इंटरव्यू में प्रियंका ने कहा कि यह फिल्म उनकी अब तक की सभी फिल्मों से अलग है। प्रियंका ने यह भी खुलासा किया कि फिल्म साइन करते समय उन्होंने राजामौली से कहा था कि भारतीय फिल्मों में वापसी कर रही हैं, इसलिए वह एक डांस सॉन्ग जरूर करना चाहती हैं।

लेखन और डिजिटल दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद ऐक्टिंग में भी नए रंग दिखा रही हैं आरजे महविश

कुछ लोग करियर में आगे बढ़ने के लिए हुनर के साथ खुशामद भी सीख लेते हैं लेकिन आरजे महविश उस स्कूल की छात्रा कभी नहीं रहीं। शायद, यही वजह रही कि बॉस के लिए भिंडी ना लाने वाली यह लड़की कई बार दूसरों से पीछे रह गई, लेकिन रुकी नहीं। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के चुनावों से लेकर एक राजनीतिक दल के टिकट के प्रस्ताव तक, उन्होंने कई मोड़ करीब से देखे पर अपनी शर्तों पर फैसले लिए। रेडियो, लेखन और डिजिटल दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद अब वह ऐक्टिंग में भी नए रंग दिखा रही हैं, जहां किरदारों को सिर्फ निभाती नहीं, बल्कि जीने की कोशिश करती हैं।

एक पॉलिटिकल पार्टी का ऑफर भी आया था

रेडियो और डिजिटल में मैंने अपनी खुद की आवाज, लहजा और भाषा क्रिएट की। वहीं, जब ऐक्टिंग में कोई किरदार निभाती हूं तो उसका बदलाव सारा कहानी में दर्ज होता है। किरदार को जो भी ऐक्टर जितना घोंटकर पी सकता है, जितनी उस पर रिसर्च हो सकती है, करनी चाहिए। मैं अलीगढ़ में जब रहती थी, तब भी सही-गलत बहुत साफ-साफ दिखता था। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में मैं इलेक्शन में खड़ी हुई थी। यह बहुत कम लोगों को पता है। फिर मुझे बाद में एक पार्टी का टिकट भी आया था। फिर वो कहानी चली और कुछ और हो गई। वहां लड़ाइयां-झगड़े ज्यादा बढ़ गए। उसमें मेरे भाई को गोली लग गई थी। मैंने उस दिन से कभी पॉलिटिक्स में दोबारा कदम नहीं रखा। मैं अपने पर खतरा ले सकती हूं लेकिन घरवालों पर नहीं। वो सच्चाई को ना छुपाने वाला कीड़ा होता है ना वो मुझमें है।

बजट का टेंशन अनलर्न करना पड़ा

ऐक्टिंग में आकर मुझे सबसे पहले बजट का टेंशन अनलर्न करना पड़ा क्योंकि प्रोडक्शन में बहुत बजट का टेंशन होता है। प्रोडक्शन के साथ जब मैं ऐक्टिंग कर रही होती थी तो मुझे ऐसा लगता था कि बार-बार लाइट जा रही है, जनरेटर चल रहा है, बजट बढ़ जाएगा, लोकेशन का खर्चा बढ़ रहा है, वैनिटी वैन तीन-तीन लगवा दीं, ये क्या हो रहा है। मुझे सबसे पहले यही अनलर्न करना पड़ा क्योंकि बिहाइंड द सीन्स में मैं बजट में फंसी रहती थी। वो अनलर्न करके मैंने 'सतरंगी' में फाइनली पूरी खुलकर ऐक्टिंग की है। हालांकि, इसे करते वक्त मेरे अंदर जिम्मेदारी का डर था। मुझे जिंदगी में पहली बार इतना बड़ा मौका मिला। मुझे ऐसा किरदार और कहानी मिली, जो सिर्फ एंटरटेनमेंट ही नहीं बल्कि एक सोशल मेसेज भी देती है। इससे आप सोसायटी में चेंज भी ला सकते हैं। अगर एक फैमिली भी बैठकर सीरीज पर चर्चा करती है तो यह मेरे लिए बड़ी अचीवमेंट होगी।

फॉलोअर्स, फॉलोअर्स नहीं फैन हैं

रील्स के बाद असली ऐक्टिंग की दुनिया में आने पर मुझे लगा था कि दुनिया के सामने खुद को साबित करना पड़ेगा। असल में, एक क्रिएटर के सारे एक्सप्रेशंस बहुत ज्यादा बाहर होते हैं, जो लोगों को दिख चुके होते हैं। एक प्रोड्यूसर के लिए हैपी न्यूज है कि कोई क्रिएटर ऐक्टिंग करे। अगर ऑडियंस तक अपने जज्बात पहुंचा पाए तो आप ऐक्टर हैं। मेरे खयाल से यह बड़ी गुड न्यूज है कि अगर ऐक्टर अपने साथ ऑडियंस भी ला रहा है। वो पैसा रिकवर कर सकता है। वो कहते हैं ना कि पांच जानने वालों को अगर कॉल करें तो वो आकर नहीं खड़े होते हैं लेकिन मेरी एक स्टोरी पर पांच लाख अंजान लोग आकर खड़े हो जाते हैं। वो कम्युनिटी बहुत मेहनत से बिल्ड होती है। जो फॉलोअर्स हैं, वो फॉलोअर्स नहीं फैन हैं। हालांकि, ऐक्टिंग और कॉन्टेंट क्रिएशन बहुत अलग-अलग स्किल्स हैं। अगर स्किल सीखकर आ रहे हैं तो ही फायदा है, वरना नहीं।

कल्पना थोड़ी ज्यादा मुश्किल होती है

रेडियो में आवाज से तो ऐक्टिंग में हाव-भाव और आंखों से इमोशन पहुंचता है। मेरे लिए दोनों ही मीडियम बहुत ईमानदार हैं। रेडियो में आप ऑडियंस से सीधे कनेक्ट होते हैं। अगर मैं किसी को फोन लगाकर कुछ पूछूंगी तो मुझे उनके जज्बात तुरंत मिल जाएंगे। उस पर मैं अपना रिएक्शन दे सकती हूं। ऐक्टिंग में पूरी कहानी किसी के द्वारा सोची गई होती है, जिसे सच करके दिखाना होता है। वो थोड़ी दिक्कत होती है क्योंकि रेडियो रिएलिटी है और ऐक्टिंग एक पूरी कल्पना है। मेरे हिसाब से कल्पना थोड़ी ज्यादा मुश्किल होती है। उसमें इमैजिन करके घुसना होता है। हालांकि, राइटर के तौर पर मेरे लिए चीजें आसान हो जाती हैं क्योंकि मैंने 2012 में खुद दो किताबें लिखी हैं। मैंने वो कल्पना वाली जिंदगी जी है इसलिए ऐक्टिंग भी मेरे लिए आसान है।